सुविचार

कभी-कभी समय के फेर से मित्र शत्रु बन जाता है और शत्रु भी मित्र हो जाता है, क्योंकि स्वार्थ बड़ा बलवान है।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

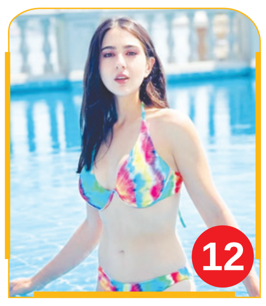

राजनीति में जाना चाहती है सारा अली

Ranchi ● Friday, 29 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 70 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	73,635.48
निफ्टी	:	22,326.90

SARAFA

सोना	:	6,330
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (शुक्रवार) : 06.08

सेहरी (शनिवार) : 04.30

BRIEF NEWS

गोविंदा शिवसेना शिंदे गुट में शामिल

MUMBAI : बॉलीवुड एक्टर गोविंदा गुरुवार को शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। वे मुंबई नॉर्थ वेस्ट से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। इस सीट पर उद्धव गुट की शिवसेना ने अमोल कीर्तिकर को अपना प्रत्याशी बनाया है। गोविंदा ने 27 मार्च को पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े से मीटिंग की थी। इसके बाद से ही उनके चुनाव लड़ने के कयास लग रहे थे। ये पहली बार नहीं है जब गोविंदा चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले उन्होंने 2004 में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई नॉर्थ से लोकसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने भाजपा के राम नाइक को 48,271 वोटों से हराया था।वे 2004 से 2009 तक सांसद रहे। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन के बीच लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय हो गया है।

ईडी के सामने पेश नहीं होंगी महुआ मोइत्रा

NEW DELHI : कैश फॉर क्वेरी केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को 28 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया था; लेकिन उन्होंने जांच एजेंसी से कहा है कि वे आज अपने लोकसभा क्षेत्र कृष्णानगर में चुनाव प्रचार में शामिल हो रही हैं, जिसके कारण वे ईडी के सामने पेश नहीं होंगी। जांच एजेंसी इससे पहले भी मोइत्रा को दो बार समन भेज चुकी है, लेकिन वे पहले भी अपने आधिकारिक काम का हवाला देकर पेश नहीं हुईं।

सोना ₹66,971 पर पहुंचा चांदी फिर 74 हजार के पार

NEW DELHI : सोना गुरुवार को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 137 रुपए महंगा होकर 66,971 रुपए का हो गया है। इससे पहले इसी महीने 21 मार्च को सोने ने 66,968 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। चांदी में आज मामूली तेजी देखने को मिली है। ये 14 रुपए महंगी होकर 74,011 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 73,997 रुपए पर थी। चांदी ने बीते साल, यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया था। 1 मार्च को सोना 62,592 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 28 मार्च को 66,971 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया।

दुमका चर्चित पेट्रोलकांड के दोषियों को उम्रकैद की सजा

अगस्त 2022 का मामला, घर में सोई नाबालिग पर पेट्रोल छिड़ककर दोषियों ने लगा दी थी आग

CRIME REPORTER DUMKA : झारखंड की उपराजधानी दुमका के जरूवाडीह में 17 वर्षीया नाबालिग अंकिता को पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला देनेवाले चर्चित पेट्रोलकांड में अदालत ने गुरुवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई की। प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश पॉक्सो रमेश चंद्रा की अदालत ने मुख्य आरोपी दोषी शाहरुख हुसैन और मो नईम अंसारी उर्फ छोटू को उम्रकैद की सजा सुनायी। ये मामला अगस्त 2022 का है। 19 मार्च को अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था।

मुख्य आरोपी शाहरुख हुसैन।

मृतका अंकिता।

नाबालिग ने रिम्स में दम तोड़ दिया था दम

शाहरुख हुसैन व छोटू उर्फ नईम ने घर में सोयी हुई नाबालिग पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। 23 अगस्त 2022 को नाबालिग घर में सोयी हुई थी। इसी दौरान खिड़की से पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने के बाद नाबालिग गंभीर रूप से झुलस गयी थी। बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स में भर्ती कराया गया था। इस हादसे में नाबालिग की हालत नाजुक हो गयी थी। उसने इलाज के दौरान रिम्स में दम तोड़ दिया था। मौत से पहले मृतका ने रिम्स (रिम्स) में मजिस्ट्रेट को बयान दिया था।

51 लोगों की हुई थी गवाही, दुमका कोर्ट ने 19 मार्च को ठहराया था दोषी

दुमका जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सह पोक्सो न्यायालय के विशेष न्यायाधीश रमेश चंद्रा की अदालत में 4 बजे से सजा के बिंदु पर सुनवाई शुरू हुई। इससे पहले 3.16 बजे मृतका की बहन और जीजा कोर्ट पहुंच गए थे। उसके पहले पिता भी कोर्ट पहुंच गए थे। ठीक 3.58 बजे सेंट्रल जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दोनों की पेशी 4 बजे हुई। जेल से हाथ उठाकर दोनों ने बारी-बारी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। बता दें कि दुमका पुलिस ने वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था और सेंट्रल जेल में दोनों बंद थे। मुख्य आरोपी शाहरुख

हुसैन और उसके सहयोगी मोहम्मद नईम और छोटू की गुरुवार को दुमका की अदालत में पेशी हुई। सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद अदालत ने सजा सुनायी। दुमका की अदालत में इस मामले में स्पीडी ट्रायल चला था। कुल 51 लोगों की गवाही हुई थी। इसके बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था।

सीजेआई को चिट्ठी पर प्रधानमंत्री का रिएक्शन

दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की संस्कृति : पीएम

AGENCY NEW DELHI : देश के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे समेत 600 से ज्यादा वरिष्ठ वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि न्यायपालिका खतरे में है और इसे राजनीतिक और व्यवसायिक दबाव से बचाना होगा। इसको लेकर पीएम ने कहा- दूसरों को डराना धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। करीब 50 साल पहले उन्होंने बेहतर न्यायपालिका की बात कही थी। वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र

के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं। वकीलों ने लिखा कि न्यायिक अखंडता को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। हम वो लोग हैं, जो कानून को कायम रखने के लिए काम करते हैं। हमारा यह मानना है कि हमें अदालतों के लिए खड़ा होना होगा।

सरकार अग्निवीर योजना में बदलाव को तैयार : राजनाथ

कहा- सेना को युवाओं की जरूरत, भविष्य रहेगा सुरक्षित

AGENCY NEW DELHI : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। एक न्यूज चैनल के समिट में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा- सेना को युवाओं की जरूरत है। मुझे लगता है कि युवा उत्साह से भरा होता है। वे टेक-लवर होते हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित रहे। जरूरत पड़ी तो हम बदलाव भी करेंगे। अग्निवीर स्कीम लागू होते ही विवादों में आ गई थी। इस स्कीम में सिर्फ 4 साल की सर्विस को विपक्ष ने युवाओं के साथ धोखा बताया था। कांग्रेस ने अपने चुनावी कैंपेन में अग्निवीर स्कीम को मुख्य मुद्दा बनाया है। मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में इसी महीने राहुल गांधी ने ग्वालियर में अग्निवीर भर्ती से जुड़े युवाओं, पूर्व सैनिकों से करीब 40 मिनट तक बात की। यहां सेना की तैयारी कर रहे युवाओं ने बताया कि जो सम्मान फौजी बनने पर मिलता था, अब वो अग्निवीर बनने पर नहीं मिलता। न शहीद का दर्जा मिलता है न ही पेंशन और कैंटीन की सुविधा मिलती है। यहां तक कि अब तो अग्निवीर सुनकर हमारे लिए रिश्ते भी नहीं आ रहे हैं।

2022 को लागू की गई थी अग्निवीर स्कीम

केंद्र सरकार ने 14 जून 2022 को सेना की तीनों शाखाओं- थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। इस स्कीम के तहत नौजवानों को सिर्फ 4 साल के लिए डिफेंस फोर्स में सेवा देनी होगी।

हमारी सरकार अग्निवीर योजना को बंद करेगी : खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कांग्रेस ने वादा किया है कि हमारी सरकार अग्निवीर योजना को बंद करेगी। गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह प्रतिक्रिया दी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा देश के रक्षा मंत्री ने (बशर्ते) कहा है कि वो अग्निवीर योजना में सुधार व बदलाव करने के लिए तैयार है। इससे पता चलता है कि मोदी सरकार द्वारा लाखों देशभक्त युवाओं पर थोपी अग्निवीर योजना अब काम नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि पहले तो मोदी सरकार ने हमारे लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया, अब चुनाव के चलते अग्निवीर योजना में खामियों को मानने की बात की है। उन्हें हमारे देशभक्त युवाओं से पहले माफी मांगनी चाहिए।

एक ही परिवार की तीन महिलाओं व एक पुरुष के साथ मारपीट

चोरी के आरोप में बांधकर पीटा, जूते की माला पहनाकर गांव में घुमाया

CRIME REPORTER RANCHI : जिले के कांके थाना क्षेत्र के सुकुरहुटू में एक ही परिवार की तीन महिलाओं और एक पुरुष के साथ अमानवीय ढंग से मारपीट की गई। इस पूरे मामले का वीडियो भी वायरल हुआ है। गांव के कुछ लोगों द्वारा महिला शबनम परवीन पति महफूज खान, नूरजहां परवीन पति राहुल मंसूरी, अलामुन खातून पति अबू रेहान और शबनम के पति महफूज खान पर चोरी का आरोप लगाया गया। साथ ही खुद ही सजा सुनाकर लाठी से तबतक पीटा गया जबतक वे सभी जख्मी नहीं हो गए। शबनम परवीन और अलामुन खातून के शरीर इस तरह लहूलुहान हैं कि वह चल भी नहीं सकते। चार दिन बीत जाने के बाद भी चोट के गहरे निशान पूरे शरीर पर हैं। मारपीट के बाद महिलाओं को पूरे गांव में जूते की माला पहनाकर एवं मुंह पर कीचड़ लगाकर घुमाया गया। यह घटना सोमवार (25 मार्च) सुबह लगभग 10 बजे की है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आयी। इसके बाद कांके पुलिस ने गुरुवार को तीनों महिलाओं को थाना बुलाकर जानकारी जुटायी। उसके बाद महिलाओं ने प्राथमिकी दर्ज करायी। कांके थाना को दिये प्राथमिकी में शबनम परवीन, नूरजहां परवीन और अलामुन खातून ने बताया कि रविवार को मेन रोड स्थित दुकान में कपड़ा खरीदने गए थे। इसी बीच दुकानदार ने उन महिलाओं पर चोरी का आरोप लगाकर पुलिस का भय दिखकर 13 हजार रुपये की वसूल लिये। महिलाओं को उठक-बैठक कराकर उनका वीडियो भी बनाकर वायरल किया गया। दुकानदार द्वारा वीडियो वायरल किये जाने के बाद वायरल वीडियो सुकुरहुटू गांव में भी देखा गया। इसके बाद सुकुरहुटू के कुछ लोगों ने तीनों महिला और पुरुष महफूज खान को गांव के एक धार्मिक स्थल पर बुलाया। उनके साथ अमानवीय ढंग से पीट की गई और लहूलुहान कर दिया गया।

- घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस
- एक धार्मिक स्थल पर बुलाकर अमानवीय ढंग से पीटकर किया लहूलुहान

इनके खिलाफ नामजद एफआईआर

पीड़ितों ने गांव के शान मंसूरी, जिलानी मंसूरी, इरफान मंसूरी, मिंटू मंसूरी, बाबू मंसूरी, चांद मंसूरी, बड़कू मंसूरी, तौहीद मंसूरी, शहंशाह मंसूरी, राजा मंसूरी, तनवीर मंसूरी, शमीम मंसूरी, पप्पू मंसूरी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

माफिया मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत

अचानक बेहोश होने के बाद कराए गए थे भर्ती

AGENCY LUKHNOW : माफिया मुख्तार अंसारी की बांदा मेडिकल कॉलेज में हार्ट अटैक से मौत हो गई। गुरुवार शाम लगभग 8.25 बजे उन्हें जेल से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि वो बैरक में अचानक बेहोश हो गए थे। मुख्तार अंसारी को दो दिन पहले भी तबीयत खराब होने के कारण मेडिकल कॉलेज लाया गया था। जहां से जांच के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया था। उधर मुख्तार अंसारी की मौत के बाद गाजीपुर और बांदा में धारा 144 लगा दी गई है। बांदा

मेडिकल कॉलेज परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। वहां पैरामिलिट्री फोर्स भी लगाई गई है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने मुख्तार अंसारी की मौत पर अपना बयान जारी कर दिया है। उनकी मौत का का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। की तबीयत अचानक फिर बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें गंभीर हालत में गुरुवार शाम जेल से बांदा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि वो बैरक में अचानक बेहोश हो गए थे। मुख्तार अंसारी को दो दिन पहले भी तबीयत खराब होने के कारण मेडिकल कॉलेज लाया गया था। जहां से जांच के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया था। मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी बांदा जेल पहुंच गए थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद बवाल, पथराव

कोडरमा की घटना, पथराव में थाना प्रभारी घायल, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के रांची-पटना रोड पर मदनगुंडी पेट्रोल पंप के पास बुधवार की देर शाम को हुए सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति की गुरुवार को मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीयलोगों ने रोड को जाम करके पथराव किया, जिसमें पुलिस के एक जवान व चंदवारा थाना प्रभारी घायल हो गए। सरकारी वाहन को लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। बुधवार देर शाम हुई दुर्घटना में अन्य 7 लोग घायल हुए हैं। सभी को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद शव का अंत्यपरीक्षण कराकर रांची से वापस लाने के बाद आक्रोशित परिजनों व स्थानीय लोगों ने जामू खाड़ी के पास गुरुवार को रांची-पटना रोड को जाम कर दिया। दोपहर बाद करीब 3:45 बजे से सड़क जाम हटाने के लिए पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने दबाव बढ़ाया, तो लोगों ने पथराव कर दिया। पुलिस ने लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर किया, लेकिन पथराव में चंदवारा थाना प्रभारी अरविंद कुमार व एक अन्य पुलिसकर्मी राजेश कुमार घायल हो गए।

कार ने ऑटो को मारी थी टक्कर, रिम्स में युवक की मौत

मदनगुंडी में पेट्रोल पंप के पास एक वाहन ने ऑटो में हल्की टक्कर मार दी और फरार हो गया। इसके बाद पीछे से आ रही कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इससे ऑटो में सवार कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे चंदवारा थाना प्रभारी अरविंद कुमार व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल फुलांगी सिंह सहित तीन लोगों को रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। सुबह में फुलांगी सिंह की रिम्स में मौत हो गई। शव का अंत्यपरीक्षण करने के बाद जैसे ही शव चंदवारा पहुंचा, आक्रोशित लोगों ने जामू गाड़ी में रांची-पटना रोड को जाम कर दिया।

सीएम ने कोर्ट में खुद पैरवी की, कहा- क्या गिरफ्तारी के लिए 4 बयान काफी हैं

सीएम अरविंद केजरीवाल की ईडी कस्टडी एक अप्रैल तक बढ़ी

AGENCY NEW DELHI : शराब नीति केस में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली सीएमअरविंद केजरीवाल की ईडी कस्टडी 4 दिन और बढ़ा दी है। अब वे एक अप्रैल तक हिरासत में रहेंगे। इससे पहले कोर्ट में 39 मिनट सुनवाई चली। केजरीवाल ने खुद अपने केस की पैरवी की। वे ऐसा करने वाले देश के पहले सिटिंग सीएम बन गए हैं। ईडी ने कोर्ट से केजरीवाल की 7 दिन की कस्टडी और मांगी थी। दलीलें सुनने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया था। कोर्ट में सुनवाई दोपहर 1.59 बजे शुरू होकर दोपहर 2.39 बजे खत्म हुई। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि इस केस में मेरा नाम सिर्फ चार जगह आया है। 4 स्टेटमेंट दिए गए और उनमें से कोर्ट के सामने वो बयान लाया गया, जिसमें मुझे फंसाया गया। क्या ये 4 स्टेटमेंट एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए काफी हैं? इसके जवाब में ईडी ने कहा- मुख्यमंत्री कानून से ऊपर नहीं हैं। वहीं, कोर्ट में पेशी के लिए जाते वक्त उनसे पूछा गया कि एलजी ने कहा था कि सरकार जेल से नहीं चलेगी। इसके जवाब में केजरीवाल ने कहा कि ये पॉलिटिकल षड्यंत्र है, जनता इसका जवाब देगी। इस बीच, केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने कहा कि उनकी हेल्थ ठीक नहीं है। आपके मुख्यमंत्री को बहुत तंग किया जा रहा है। जनता जवाब देगी। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को कोर्ट ने 7 दिन की कस्टडी में भेजा था। उनकी कस्टडी समाप्त होने वाली थी। इस पर ईडी ने उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया।

गिरफ्तारी के विरोध में 31 को विपक्ष की महारैली

दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने बताया लोगों को आमंत्रित करने के लिए आम आदमी पार्टी की करीब 2500 टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने बताया, टीम में शामिल कार्यकर्ता घर-घर जाकर 31 मार्च चलो रामलीला मैदान में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि लोग अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में रामलीला मैदान पहुंचेंगे। हम विभिन्न राजनीतिक दलों के संपर्क में हैं और उनके कार्यक्रम को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। इससे पहले आप की दिल्ली इकाई के संयोजक एवं मंत्री गोपाल राय ने बताया था कि ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेन्टल इनक्लुसिव अलायंसह्ण (इंडिया) गठबंधन के कई प्रमुख नेता महारैली में भाग लेंगे, जिसमें भारी तादाद में लोग उपस्थित होंगे। राय ने कहा कि महारैली के लिए तैयारियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए आप के विधायक और पदाधिकारियों को इंतजाम की निगरानी के वास्ते पर्यवेक्षक तैनात किया गया है।

गिरिडीह लोस सीट आजसू के खाते में

RANCHI : रांची- लोकसभा चुनाव 2024 के लिए झारखंड की गिरिडीह लोकसभा सीट आजसू पार्टी के खाते में गयी है। एनडीए के घटक दल आजसू द्वारा अब इस सीट से प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। फिलहाल आजसू पार्टी के चंद्रप्रकाश चौधरी यहां से सांसद हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी है कि भारतीय जनता पार्टी ने आजसू के साथ पुराने और स्वाभाविक गठबंधन के तहत लोकसभा चुनाव में झारखंड के 13 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में बीजेपी और एक संसदीय क्षेत्र गिरिडीह में आजसू पार्टी के उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। 4 जून को झारखंड के सभी 14 संसदीय क्षेत्रों में चुनाव में गठबंधन के उम्मीदवार 400 सीटें पार करने का लक्ष्य हासिल करेंगे।

भाजपा नेता रामटहल ने थामा कांग्रेस का दामन

रांची से चुनाव लड़ना चाहते हैं चौधरी

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के एक दिग्गज नेता रामटहल चौधरी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्हें दिल्ली में झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के साथ साथ पवन खेड़ा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सदस्यता दिलाई। रामटहल रांची से टिकट चाह रहे हैं। वहीं, बीजेपी के दूसरे दिग्गज नेता और गिरिडीह से सांसद रहे रविंद्र पांडेय की भी कांग्रेस जॉइन करने की संभावना है। बताया जा रहा है कि रवींद्र पांडेय धनबाद से टिकट की जुगत में हैं। रांची लोकसभा से पांच बार के सांसद रह चुके

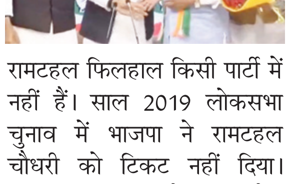

रामटहल फिलहाल किसी पार्टी में नहीं हैं। साल 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रामटहल चौधरी को टिकट नहीं दिया। उनकी जगह पार्टी ने संजय सेठ पर भरोसा जताया था। इसके बाद रामटहल चौधरी निर्दलीय चुनाव लड़े, लेकिन वे हार गए। इसी तरह गिरिडीह लोकसभा सीट आजसू के खाते में चली गई।

कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

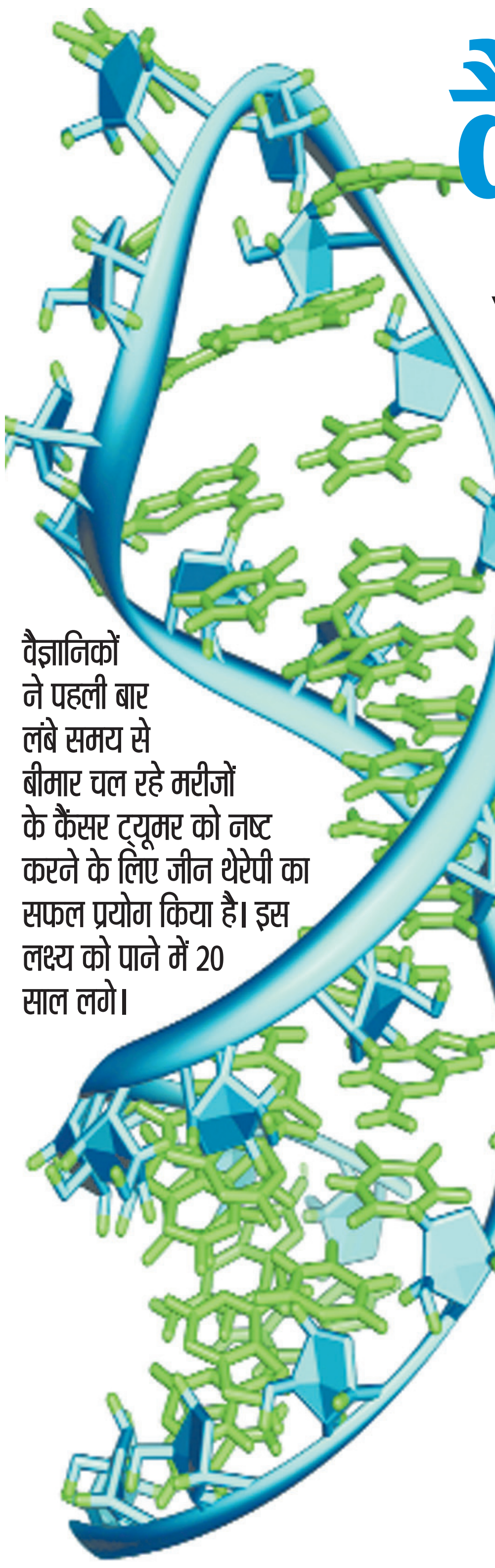

वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

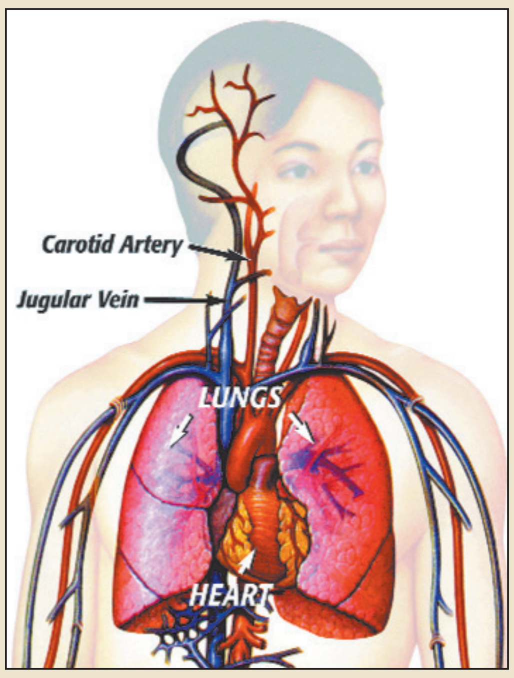

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- **कनफार्मल बीम तकनीक**: कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स**: यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स**: यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी**: रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

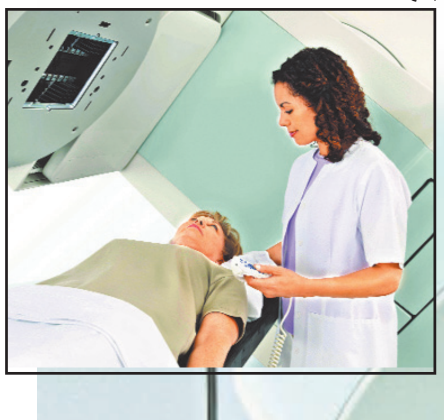

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माड्यूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की सथिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

मोस्ट वांटेड क्रिमिनल के हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, एक गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में गुड्डू खान ने कराई थी अपराधी छोटू रंगसाज की हत्या

CRIME REPORTER RANCHI : डेली मार्केट थाना क्षेत्र स्थित कपड़ा मंडी में दिनदहाड़े छोटू रंगसाज उर्फ बजरुद्दीन नामक अपराधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते की। इस दौरान फिरदौस खान उर्फ गुड्डू खान नाम के अपराधी को गिरफ्तार किया। गुड्डू खान गढ़वा जिले के पिपरा गांव का रहने वाला है। गुड्डू का पूर्व का लंबा अपराधिक इतिहास रहा है। गुड्डू ने पुलिस को बताया की छोटू रंगसाज से पुरानी दुश्मनी रहने के कारण अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। साल 2016 में छोटू रंगसाज ने अपने अन्य साथियों के मिलकर गुड्डू खान पर जानलेवा हमला किया था, तभी से गुड्डू खान छोटू की हत्या की साजिश में जुट गया था।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपी के बारे में जानकारी देते रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता व अन्य।

पलामू और गढ़वा जिले का मोस्ट वांटेड अपराधी था छोटू

पलामू और गढ़वा जिले का मोस्ट वांटेड अपराधी छोटू था। उसके ऊपर पलामू और गढ़वा जिले के अलग-अलग थाने में कुल 30 मामले दर्ज थे। मृतक युवक छोटू रंगसाज चर्चित सेल्स मैनेजर अंजनी कुमार सिन्हा हत्याकांड का आरोपी था। 18 जून 2022 को पलामू टाउन थाना क्षेत्र के रेड़मा इलाके में एक मोटर पार्ट्स कंपनी के सेल्स मैनेजर अंजनी कुमार सिन्हा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के ठीक एक वर्ष बाद 18 जून 2023 को हत्याकांड के मुख्य आरोपी छोटू रंगसाज को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

शहर में लूटपाट-छिनतई करने वाले गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने शहर में लूटपाट और छिनतई करने वाले गिरोह के दो सदस्य ऐयान रजा और मुर्शीद आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा हुआ साढ़े आठ हजार रुपये, चार बैग और मोबाइल बरामद किया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि मंगलवार की रात दोनों आरोपितों ने फरीदाबाद में रहने वाले संदीप शर्मा अपनी पत्नी के साथ होटल जा रहे थे। तभी दोनों आरोपियों ने संदीप शर्मा की पत्नी का बैग लूट लिया था। बैग में 50 हजार रुपये था। पुलिस ने घटना स्थल के समीप लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला तो दोनों आरोपियों की पहचान हो गई। दोनों आरोपी लोअर बाजार थाना क्षेत्र में रहते हैं। पुलिस दोनों के घर गई और उन्हें पकड़कर थाना ले आई। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शहर में वह कई छिनतई की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस का कहना है कि मुर्शीद के खिलाफ आठ केस दर्ज है। मुर्शीद को मिस्टर के नाम से भी जाना जाता है। मुर्शीद छिनतई करने में काफी शातिर है। मुर्शीद बार जेल जाता है और निकलने के बाद छिनतई की घटना को अंजाम देने लगाता है। इसके गिरोह में और भी सदस्य हैं। पुलिस सभी का सत्यान कर रही है। पुलिस का कहना है कि छिनतई करने के मामले में और लोगों की जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

सीता ने जेएमएम पर साधा निशाना, पति की मौत पर खड़े किए सवाल, कहा- 14 साल मैं प्रताड़ित होती रही

PHOTON NEWS RANCHI : जेएमएम छोड़ भाजपा का दामन थामने वाली पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने अपने पति दुर्गा सोरेन की मौत पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड की जांच होनी चाहिए, ताकि लोगों को पता चले कि उनकी मौत कैसे हुई। आज भी उनकी मौत रहस्य है। रांची में सीता सोरेन ने कहा कि मैं खटट में कई काम करना चाहती थी, लेकिन मुझे काम करने नहीं दिया गया। खटट में महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता है। पार्टी में दलाल और भ्रष्टाचारी एक्टिव है। सीता सोरेन ने जेएमएम पर निशाना साधा। उनहोंने कहा मैं बीजेपी में शामिल होने के बाद खुश महसूस कर रही हूं। मैं 14 सालों तक संघर्ष करती रही। मुझे वह सम्मान नहीं मिला, जिसका मैं हकदार थी। मेरे पति दुर्गा सोरेन, शिबू सोरेन ने अलग राज्य बनाया। दुर्गा सोरेन जी का योगदान अहम था। जेएमएम मेरे घर की मेरे परिवार की पार्टी थी। मैं उसे परिवार की तरह मानती थी, लेकिन दुर्गा सोरेन का सपना पार्टी में पूरा होता नहीं दिखा। उनके निधन के बाद मैंने पीड़ा झेली। मेरे छोटे-छोटे बच्चो को मैंने मुश्किल से पाला। सीता सोरेन ने कहा कि शिबू सोरेन की तबीयत ठीक नहीं है। वह पहले हमारी देखभाल करते थे, लेकिन अब काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था।

झारखंड बीजेपी कार्यालय में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करतीं सीता सोरेन।

पति की मौत आज भी रहस्य, जांच होनी चाहिए

सीता ने कहा कि झारखंड का विकास मोदी की विचारधारा से ही होगा। मैं कई ऐसे काम करना चाहती थी, जो मैं नहीं कर सकी। मैं जामा चौक पर प्रतिमा लगााना चाहती थी, वह नहीं लगा सकी। मैंने हेमंत जी से इस संबंध में बात की। मैंने कई बार उनकी मौत पर जांच की मांग की, लेकिन इस पर भी ध्यान नही दिया और मेरी बातों को अनसुनी करते रहे। आज तक लोग यह जानना चाहते है कि दुर्गा सोरेन की मौत कैसे हुई। मैं दुर्गा सोरेन का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगी। सीता सोरेन ने कहा कि महिलाओं के लिए भाजपा सबसे अच्छी पार्टी है। उन्होंने कहा कि जब तक दुर्गा सोरेन थे, तब तक जेएमएम पार्टी का सिद्धांत था। अब पार्टी में दलाल एक्टिव हैं। मैं जहां जाती थी, वहां दलाल ही मिलते थे। चारो तरफ भ्रष्टाचार है।

झारखंड में आज से फिर बदलेगा मौसम

30-31 मार्च को बारिश-वज्रपात का यलो अलर्ट, चल सकतीं तेज हवाएं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में शुक्रवार से एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। राज्य में साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले दो दिन आंधी, बारिश और वज्रपात की संभावना है। 30 और 31 मार्च को राज्य के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा 30 और 31 मार्च को पूरे राज्य में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान वज्रपात की भी संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पूर्व असम और आसपास के क्षेत्र में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है। उत्तरी कर्नाटक से विदर्भ तक मौसम में बदलाव है। कल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र पर भी वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने वाला है। पश्चिमी राजस्थान और उससे आसपास के इलाकों पर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन की स्थित बन रही है। साथ ही साथ बंगाल की खाड़ी में भी लो प्रेशर की संभावना दिख रही है। यही वजह है कि मौसम में बदलाव फिर होगा।

नकली शराब बनाने की मिनी फैक्टरी का खुलासा, तीन धराए

CRIME REPORTER RANCHI : उत्पाद विभाग की टीम ने नकली विदेशी शराब बनाने वाली एक मिनी फैक्टरी का खुलासा किया है। उत्पाद विभाग के सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि नामकुम के लोवाडीह में बुधवार देर रात छापेमारी की गयी और भारी मात्रा में अलग-अलग विदेशी ब्रांड की नकली शराब 207 लीटर, रंगीन तैयार शराब 20 लीटर, खाली बोतले, 700 लीटर स्प्रीट, स्टीकर और अन्य केमिकल जब्त किये हैं। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने नकली शराब बनाने वाले किंगपिन नरेश सिंधिया, अरुण सिंधिया और शैलेश हजाम को भी गिरफ्तार किया है। टीम गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर रही है। नरेश लंबे समय से नकली विदेशी शराब बना रहा था। इसकी सूचना उत्पाद विभाग की टीम को मिली थी। गिरफ्तार अभियुक्तों ने उत्पाद विभाग की टीम को बताया कि वे स्प्रिट में केमिकल मिलाकर नकली शराब तैयार कर रहे थे। वे विदेशी ब्रांडों की नकली शराब तैयार कर रहे थे, जो मार्केट में कम दर में बिकती हैं।

लोहरदगा सांप्रदायिक हिंसा के चार साल बाद 91 प्रभावित लोगों को मिला मुआवजा

CRIME REPORTER RANCHI : लोहरदगा जिला में 23 जनवरी 2020 को विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न संगठनों द्वारा नागरिक संशोधन कानून के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। इस दौरान भड़की हिंसा के प्रभावितों को घटना के चार साल बाद सरकारी मुआवजा मिला है। सरकार ने 91 लोगों को कुल 51.53 लाख रूपया का मुआवजा दिया है। इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दी गई है। इस घटना में सैकड़ों लोग प्रभावित हुए थे। करोड़ों की संपत्ति बर्बाद हो गई थी। कई लोग घायल हुए थे। कथित रूप से एक युवक की मौत भी हो गई थी। 23 जनवरी 2020 को नागरिक संशोधन कानून यानी सीसीए के समर्थन में विश्व हिंदू परिषद और दूसरे संगठनों द्वारा यह तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

इन पीड़ितों को मिला मुआवजा

अब्दुल रजाक, दुखहरण राम, मो। अबरार, जान खलीफा, सरफराज अंसारी, इरफान आलम, जियाउल हक, आफताब अंसारी, आकिब जावेद, मुस्तकीम अंसारी, प्रसुक कुमार, साबिर अंसारी, सलाउद्दीन, इस्लाम अंसारी, मोखतार अंसारी, मुजुर अंसारी, सुहैल अख्तर, इजराइल अंसारी, अयाल आलम, तबरेज अंसारी, कौशर अशरफ, जसीम अंसारी, राजेश प्रसाद, फि रदौस अंसारी, यूसुफ अंसारी, अमजद अंसारी, गुलाम सरवर, असलम, आलम अंसारी, अशर अंसारी, साहिद अंसारी, रुस्तम , सयुफ अंसारी, इकबाल अंसारी, साजीद अंसारी, गिरवर प्रसाद, दीपक कुमार, सामू प्रसाद, खालिक खान, इंजामामुल हक, इदरीश अंसारी, अजहरउद्दीन, फिरोज अंसारी, मोजाहिद तौक ीर, साबिर अंसारी, मिनहाज, मेराज आलम, नेसार अंसारी, फैयाज आलम, बजरंग साहू, अताउल्लाह अंसारी, अफसर अंसारी, एकराम कुरैशी, मोहताब आलम, रामकेवल सोनी, सुनील कुमार, अजीत कुमार, अभिषेक पाठक, ज्ञानचंद बरई, गुलाम जिलानी, शहिद हक, इम्तियाज अंसारी, आफताब अंसारी, शहजाद आलम, अख्तर आलम, रफीक अंसारी, किशोर साहू, जीमल अख्तर, रतिया उरांव, राजीउल्लस अंसारी, तुलसी साहू, अहमद खान, मुंशी लाल साहू, मुमताज अंसारी, विनय कुमार साहू, रंजीत मुखर्जी, शशि कुमार, महफूज अंसारी, फिरोज आलम, सलाउद्दीन, संजित विश्वास, मुमताज खान, जुमन अंसारी, जमील अहमद, जाकिर अंसारी, सलीम अंसारी, महमूद अंसारी, कयूम अंसारी, मजीद अंसारी, शेख अताउल और अजीज अंसारी शामिल है।

अंकों में हेराफेरी का गरमाया मामला, छात्र आजसू ने किया मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य का घेराव

छात्र नेताओं ने दी चेतावनी, कहा- गड़बड़ियों का संज्ञान लें प्रिंसिपल

PHOTON NEWS RANCHI : 50 अंकों की परीक्षा में छात्र-छात्राओं को 73, 68, 67, 72 अंक कैसे मिले, स्पष्टीकरण देने के साथ दोषियों पर कार्रवाई की मांग जैसे मामलों को ले गुरूवार को दिनभर मारवाड़ी कॉलेज परिसर में गहमागहमी देखने को मिली। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के सदस्यों ने परीक्षा परिणाम में अंकों की गड़बड़ी एवं बायोटेक्नोलाजी के छात्र छात्राओं की समस्या को ले मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार का घेराव करने के दौरान जमकर नारेबाजी की। घेराव का नेतृत्व रांची युनिवर्सिटी अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला एवं मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष विशाल कुमार यादव कर रहे थे। लगभग ढ़ाई घंटे तक विद्यार्थियों ने घेराव किया और कॉलेज प्रशासन के करतूतों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। छात्र आजसू एवं छात्र-छात्राओं में परीक्षा परिणाम में हुई गड़बड़ी को लेकर आक्रोश का माहौल है। मौके पर अभिषेक शुक्ला ने कहा कि कॉलेज में आए दिन ऐसी स्थिति बनी रहती है, जिससे विद्यार्थियों की परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने चेतावनी देते कहा कि कॉलेज के परीक्षा विभाग को होश में आ जाना चाहिए। कहा कि बीएससी आइटी के छात्र-छात्राओं को 50 अंक की परीक्षा में 73, 72, 67, 68 अंक आखिर कैसे मिले। कॉलेज प्रशासन इस पर अपना स्पष्टीकरण दे एवं दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करें। वहीं विशाल कुमार यादव ने कहा इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई, इस पर प्राचार्य को सख्ती से संज्ञान लेना चाहिए अन्यथा छात्र आजसू के सदस्य कॉलेज में तालाबंदी करेंगे। मारवाड़ी महिला कॉलेज अध्यक्ष रूफी परवीन ने कहा बायोटेक्नोलाजी के लगभग 75 प्रतिशत से अधिक छात्र-छात्राओं को एक ही विषय में 29-29 अंक देकर फेल कर दिया गया है जो कापी जांचने में हुई गड़बड़ी की ओर इशारा कर रहा है। कॉलेज प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करें। ढ़ाई घंटे तक प्रदर्शन करने के बाद कॉलेज के प्राचार्य मौके पर पहुंचे एवं छात्र-छात्राओं को वार्ता के लिए बुलाया। सभी समस्याओं को सुनने के बाद प्राचार्य ने कहा सभी मामलों का निराकरण जल्द ही कर दिया जाएगा। छात्र आजसू की सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच छात्र आजसू के सदस्यों ने अल्टीमेटम देते कहा कि यदि 15 दिनों के अंदर सभी मांगें पूरी नहीं हुई तो कॉलेज में तालाबंदी की जाएगी। मौके पर मुख्य रूप से विशाल कुमार यादव, विशाल कुमार गुप्ता, रूफी परवीन, गुंजा कमर, आलिया हसन, तमन्ना परवीन, शहीम नवाज, काजल परवीन, बिल्किस परवीन, निष्ठा अंशु, मनस्वी जायसवाल, निशा कुमारी, अनमोल कुमार, साहिल कुमार के अलावे कई अन्य छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते अखिल झारखंड छात्र संघ के सदस्य।

NEWS OF ROURKELA

नशे में धुत्त पोते ने टांगी से मारकर की नाना की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

BANAI : शराब के नशे में होश खो बैठे पोते ने अपना नाना की हत्या कर दी। होली पर पोता बिमल तिर्की शराब पीकर नशे में घर आया। नाना बेन तिर्की अपने पोते के नशे में धुत होने पर चिल्लाने और डांटने पर गुस्साए बिमल ने नाना को टांगिया से मार कर मार डाला। घटना सुंदरगढ़ जिले के गुरुंडिया थाना क्षेत्र के टूंगुरी टोली गांव की है। पुलिस ने पोते बिमल को गिरफ्तार कर कोर्ट चलान कर दिया। इस घटना से अंचल के लोगों में पोते के प्रति रोष व्यक्त किया।

दोल मेलन महोत्सव का हुआ आयोजन

ROURKELA : आधुनिक समाज में ओडिशा की संस्कृति और परंपरा को बनाए रखने के लिए पिछले 9 वर्षों से, केंद्रीय दोल मेलन समिति सेक्टर -7 दुर्गा पूजा मैदान में दोल मेलन महोत्सव का आयोजन कर रही है। केंद्रीय दोल मेलन समिति के अध्यक्ष बिराज विश्वाल ने कहा, इस साल यह दोल मेलन धूम धाम में मना रही है। राउरकेला की जनता शाम सेक्टर-7 दुर्गा पूजा क्षेत्र में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अनूठे आयोजन का आनंद उठाया।

मधुबैश्य समाज का वार्षिकोत्सव मना

ROURKELA : राउरकेला सेक्टर 20 स्थित गणेश मंदिर परिसर में मधुबैश्य समाज का 45वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इस्पात कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष भवानी शंकर चंदेल शामिल हुए और मधुबैश्य समाज के विभिन्न समाज के कल्याण कार्यों की सराहना की। आईजीएच की उप निदेशक मधुमिता साहू सम्मानित अतिथि थीं / उन्होंने संगठन की एकता और सद्भाव पर जोर दिया। कार्यवाहक अध्यक्ष अंतर्यामी साहू ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि अध्यक्ष नकुल चंद्र साहू ने उन्हें समाज की समग्र भलाई के लिए काम करने की सलाह दी। इस अवसर पर कामिनी मेधा एवं सीता मेधा पुरस्कारों में नकद राशि एवं पुरस्कार दिये गये। इस अवसर पर मधुबैश्य समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रधान संपादक काशीनाथ साहू ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और अंत में कार्यकारी अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान कृष्णचंद्र साहू, सुदीप्त कुमार साहू, त्रिलोचन परवारी, अक्षय साहू, अशोक साहू, चंद्रकांत साहू, नरेंद्र साहू, गंगाधर साहू, निमाई साहू सहित अन्य उपस्थित थे,और कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया।

एक अप्रैल को मनाया जाएगा उत्कल दिवस

ROURKELA : एक अप्रैल, 1936 को ओडिया भाषा के आधार पर एक अलग प्रांत के रूप में ओडिशा का गठन किया गया। जिसे पूरे भारत में प्रथम भाषा आधारित राज्य के रूप में मान्यता मिली। इसे याद रखने के लिए हर साल 1 अप्रैल को उत्कल दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। यह जाति और धर्म से परे विभिन्न राजनीतिक दलों, सरकारी, निजी, साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा भव्य समारोहों मनाया जाता है। इस अवसर पर वे पूर्वजों की स्मृति को नमन करते हुए इस अवसर को पालन किया जाता है। हालांकि, इस साल चुनाव के कारण यह दिन मनाया जाएगा या नहीं, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।हालांकि शहर के विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के कार्यकताओं ने अप जिलापाल से मुलाकात कर इसकी जानकारी दी। उत्कल सम्मेलन के संपादक अक्षय दास एवं उत्कलमेल के संपादक डॉ. पीतावास मिश्र के नेतृत्व में विभिन्न संस्थाओं के कार्यकताओं ने अपजिलापल के कार्यालय में बैठक कर चर्चा की।जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सीमा फातिमा एक्का की उपस्थिति में आयोजित इस सम्मेलन में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्कल दिवस मनाया जायेगा।हालाँकि, पिछले वर्ष के विपरीत, शहर में विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर मालाएँ चढ़ाई जाएंगी और शाम को महानगर निगम के कार्यालय में एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सरकारी स्तर पर 8:30 बजे मधुसूदन मार्ग स्थित मधु बाबू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी।शहर के विभिन्न साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के कार्यकताओं से इसमें भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

राउरकेला स्मार्ट सिटी के लोगों ने काटा बवाल

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम के सामने सुभाष चन्द्र बोस फिटनेस पार्क में साफ सफाई एवं जिम के मशीनों की रख रखाव को लेकर सुबह बालाजी मार्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों नगर निगम कार्यालय में वबाल काटा। टुटे फुटे बेंच, बुरी कडिशन में पड़े लाइट के शिकायत दर्ज कराने निगम कार्यालय गए ब्रज मोहन अग्रवाल के अगुवाई में संदीप शर्मा,बामकेश सुलेखा,राजू सिंह, सोमनाथ जयसवाल, विनोद जयसवाल, संजय मितल, ललित छबरिया,के पी अग्रवाल,सोहन जैन,शिवदानी, प्रवीण गोयल, आनन्द अग्रवाल, शिव अग्रवाल, राजेश सांगवी,राधे श्याम बलेरिया, जय भगवान अग्रवाल ने महानगर निगम के सफाई कार्य पर सबाल किया है कि जब सामने के पार्क की सफाई नहीं हो रही है तो शहर केसे साफ होगा। कुछ दिन पहले भी उतर भारतीय समन्वय समिति ने पार्क की साफ सफाई के लिए ज्वाइंट कमिश्नर पल्लवी नायक से मुलाकात कर शिकायत दर्ज किया था तो उन्होंने ने आश्वासन दिया था जल्द जल्द से कार्यवाही करेंगे। मगर आज 15 दिन से ज्यादा हो गया अभी तक कोई कार्य नहीं हुए। बालाजी मार्निंग वॉक ग्रुप ने कहा है कि जल्द जल्द से कार्यवाही नहीं शुरू हुई तो राउरकेला महानगर निगम के विरुद्ध धरना देने की चेतावनी दी ।

युवती लापता, परिजन परेशान

ROURKELA : शहर के टांगरपाली थाना इलाके से गत 24 मार्च से लापता युवती का सुराग न मिलने से परिजन चिंतित हैं।इसकी शिकायत होने पर पुलिस जांच में जुटी है।लेकिन इस मामले में किसी के गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार टांगरपाली थाना अंतर्गत मुंडा बस्ती निवासी मनु प्रसाद की 20 वर्षीया पुत्री अनुपमा प्रसाद गत 24 मार्च की सुबह परिवार के लोगों को बिना बताये कहीं चली गयी थी।लेकिन वह शाम तक घर न लौटने से इसकी शिकायत थाना में की गयी है। लेकिन शिकायत होने के दो दिनों के बाद भी उसका सुराग न मिलने से परिजन चिंतित हैं।

आरजेडी 12 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है

गिरिराज बोले-लालू राजा की भूमिका में

बिहार। लोकसभा चुनाव में पहले चरण के नामांकन की आज अंतिम तारीख है। अभी तक महागठबंधन की ओर से सीट शेयरिंग और कैंडिडेट्स के नामों का ऐलान नहीं किया गया है। बुधवार तक दिल्ली में फखऊ-कांग्रेस के बीच बैठकों का दौर जारी रहा। आज गुरुवार को इसका ऐलान पटना में किया जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। माले को चार सीट मिल सकती हैं। इसमें आरा से सुदामा प्रसाद, काराकाट से राजाराम सिंह, नालंदा से संदीप सौरभ या महानंद सिंह और सीवान से अमरनाथ यादव के

चुनाव लड़ने की संभावना है। सीट शेयरिंग से पहले ही 12 सीटों पर लालू प्रसाद ने सिंबल बांट दिया है। इधर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीट शेयरिंग नहीं होने पर कहा कि लालू यादव राजा की भूमिका में हैं। बेगूसराय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि फखऊके सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव कांग्रेस के नेताओं को औकात बता रहे हैं। महागठबंधन बिहार में नहीं है, यह एक तरह से लालू जी की दया पर यहां चल रहा है। महागठबंधन का कोई वजूद नहीं है। इससे पहले लालू प्रसाद यादव फखऊ उम्मीदवारों को सिंबल बांटते रहे। जिस पूर्णिया सीट पर काफी पेंच फंसा रहा उससे जुड़ा फोटो भी बुधवार को सामने आ गया। बीमा भारती को लालू प्रसाद ने कई दिनों पहले ही सिंबल दे दिया था। बेगूसराय की सीट पर उढक ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। जानकारी है कि पशुपति पारस को ठऊअ के बाद महागठबंधन में भी जगह नहीं दी जा रही है। मुकेश सहनी की पार्टी को भी ठऊअ में जगह नहीं मिली और उनकी विकासशील इंसान पार्टी का झुकाव महागठबंधन की तरफ है। वे फखऊ से महागठंधन में तीन सीटों की चाहत रखते हैं। फखऊ उन्हें ये सीटें दे सकती है। लालू प्रसाद ने पूर्णिया से बीमा भारती, गया से कुमार सर्वजीत, जमुई से अर्चना रविदास, नवादा से श्रवण कुशवाहा, औरंगाबाद से अभय कुशवाहा, मुंगेर से अशोक महतो की पत्नी अनिता कुमारी, बांका से जयप्रकाश नारायण यादव को सिंबल पहले ही दे दिया है। जानकारी है कि पाटलिपुत्र सीट से लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती और सारण से लालू प्रसाद की रोहिणी आचार्या; जिन्होंने लालू प्रसाद को किडनी डोनेट की है और सिंगापुर में रहती हैं, चुनाव लडेंग़ी। बक्सर से सुधाकर सिंह और उजियारपुर से आलोक मेहता चुनाव लडेंग़े। वैशाली से मुन्ना शुक्ला लडेंग़े तो शिवहर सीट से फखऊ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव लड़ने की पूरी संभावना है। रामा सिंह भी लालू प्रसाद से मुलाकात कर चुके हैं। जहानाबाद में फखऊ सुरेन्द्र यादव को उतार सकती है। हालांकि, यहां से अजय कानू ने अपनी पत्नी शारदा देवी के लिए लालू प्रसाद से टिकट की मांग रखी है। गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू जी जिस पर दया करते हैं, उस पर खुश होते हैं। लालू यादव का जो मन होता है कर रहे हैं। आज प्रथम चरण के नामांकन का अंतिम दिन है, लेकिन अभी तक उनके सीट शेयरिंग में ऊहापोह बनी हुई है। कांग्रेस को पता ही नहीं चल रहा है राजद उम्मीदवार नहीं दें।

संक्षिप्त डायरी

10 महीने पहले हुई थी शादी विवाहिता के परिजनों ने लगाया था हत्या का आरोप

समस्तीपुर। में बुधवार की सुबह एक महिला का शव मिला। मृतका के परिजनों ने पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। लेकिन, शाम में आरोपी पति का शव पेड़ से लटका मिला है। मामला सरायरंजन थाना क्षेत्र के मेयारी गांव का है। दलसिंहसराय विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि पत्नी की मौत के सदमे में युवक ने फंदे से लटककर जान दी है। हालांकि, अभी मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि निक्की कुमारी (19) की शादी संजय राय के बेटे उदन कुमार (22) से 10 महीने पहले हुई थी। ताजपुर थाना क्षेत्र के राजवा गांव निवासी निक्की के भाई हरिंदर राय ने बताया कि निक्की गर्भवती थी। ससुराल वालों ने भ्रूण जांच कराया। इस दौरान पता चला कि निक्की के गर्भ में बच्ची पल रही है। इसके बाद से ही ससुरालवाले अबॉर्शन के लिए दबाव बना रहे थे। निक्की ने इनकार किया, तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद ससुरालवाले घर छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए निक्की के शव को सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के बसढ़िया चौर में 35 और 36 नंबर रेलवे गुमटी के बीचों-बीच लाइन के पास पेड़ से लटका एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र के मेयारी गांव निवासी संजय राय के बेटे उदन कुमार के रूप में की गई, जिस पर आज सुबह ही पत्नी की हत्या का आरोप लगाया गया था।

दादा लालू ने पोती को खिलाया केक लाड करती दिखीं राबड़ी

बिहार। लालू प्रसाद की पोती और तेजस्वी-राजश्री की बेटी कात्यायिनी का पहला जन्म दिन लालू परिवार ने दिल्ली में मनाया। उसके जन्म दिन से जुड़ी कई तस्वीर तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर बुधवार की देर रात पोस्ट की। तेजस्वी ने लिखा- बिटिया कात्यायनी को प्रथम जन्म दिवस पर शुभाशीष और अनंत प्यार। तस्वीरों में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद, कात्यायिनी को केक खिलाते हुए दिख रहे हैं। राबड़ी देवी पोती को गोद में ली हुई दिखीं। इस मौके पर कात्यायिनी हल्की गुलाबी रंग की खूबसूरत फ्रॉक और राजश्री क्रीम रंग की डिजाइनर ड्रेस में नजर आईं। तेजस्वी ने काले रंग का कुर्ता पहना है। तेजप्रताप यादव की मौजूदगी भी कार्यक्रम में नजर आई। लोग कात्यायिनी को बधाई देते हुए यह भी लिखते रहे कि हजारों लोगों को नौकरी देने वाले कात्यायिनी के पापा तेजस्वी यादव को याद कर रहे हैं और कात्यायिनी को जन्मदिन की लाखों बधाईयां मिल रही हैं, जन्मदिन मुबारक हो कात्यायिनी। पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज मेरी प्यारी कात्यायिनी के प्रथम जन्म दिन पर इतना प्यार आशीर्वाद देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। तेजप्रताप यादव ने जो फोटो पोस्ट किया है उसमें लालू प्रसाद की बेटियां सब भी दिख रही हैं। बता दें कात्यायिनी का जन्म जब हुआ तो लालू प्रसाद ने उसका नाम कात्यायिनी रखा था।

दहेज के लिए हत्या कर घर से 4 किमी दूर फेंकी लाश वारदात के बाद ससुराल वाले फरार

वैशाली। में गेहूं के खेत में विवाहिता का शव मिला है। महिला की हत्या उसके ससुराल वालों ने कर दी। ससुराल वाले दहेज मांग रहे थे। न देने पर वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद महिला के शव को घर से चार किमी दूर गेहूं के खेत में फेंक दिया। ग्रामीणों की नजर लाश पर पड़ी तो सूचना पुलिस को दी गई। जुड़ावनपुर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव की पहचान होने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया।

मृतका बेगूसराय जिले के सिंघौल ओपी क्षेत्र के कमरुद्दीन गांव निवासी महेंद्र यादव की 20 वर्षीय पुत्री आरती देवी है। घटना जुड़ावनपुर थाना के राघोपुर घाट जाने वाले रोड राघोपुर पश्चिमी पंचायत की है। आरती की शादी 29 मई 2023 को पहाड़पुर पश्चिमी गांव निवासी सुजीत कुमार के साथ हुई थी। उस समय उपहार स्वरूप दहेज और सारे सामान दिए गए थे।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल करने में जुटी है। महिला के गर्दन और शरीर पर कई जख्म के निशान मिले हैं। जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि एक महिला की लाश मिलने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक की पहचान पहाड़पुर पश्चिमी पंचायत के सुजीत कुमार की पत्नी आरती देवी के रूप में हुई है। दहेज हत्या का मामला सामने आया है। फिलहाल जांच-पड़ताल की जा रही है।

1991 में मिला था पद्मश्री अब बिहार में लोकसभा के पहले चरण के लिए भरा नामांकन

बिहार। उत्कृष्ट सेवा के लिए 1991 में ही महज 36 साल की उम्र में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री सम्मान पाकर चर्चा में आए डॉ. जगदीश प्रसाद एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। कारण है उनकी चुनावी मैदान में उतरना। पिछले साल अपनी पार्टी (लोकतांत्रिक सामाजिक न्याय पार्टी) बनाने वाले देश के जाने-माने ह्रदय रोग विशेषज्ञ व स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर जनरल रहे पद्मश्री डॉ. जगदीश प्रसाद ने जमुई लोकसभा सीट से नामांकन पर्चा दाखिल किया। डॉ. जगदीश प्रसाद का कहना है कि वह बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार की सर्जरी करने के लिए वह चुनावी मैदान में उतरे हैं। जमुई की जनता ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया है। जनता भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना चाहती है। डॉ. जगदीश प्रसाद का कहना है कि पिछले तीस वर्षों में बिहार की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। राज्य में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ते ही जा रहा है। भ्रष्टाचार व महंगाई से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। बिहार में पुलों और सड़कों का निर्माण भ्रष्टाचार की सीमेंट-छड़ से किया जा रहा है, जो बनते ही ध्वस्त हो जा रहा है। अगुवानी गंगा पुल दो बार और सुपौल में बकौर पुल का हिस्सा एक बार गिर चुका है। कई ऐसे पुल हैं जो निर्माण होने के कुछ ही वर्ष में जर्जर हो गए। डॉ. जगदीश प्रसाद ने आरोप लगाया कि सरकारी संरक्षण में भ्रष्टाचार परवान पर है. एक गरीब को न्याय पाने से इसलिए वंचित होना पड़ रहा है, क्योंकि उनके पास पैसा नहीं है।

बता दें कि डॉ.जगदीश प्रसाद ने पिछले 38 साल चिकित्सक में सेवा दे रहे। ह्रदय रोग से पीड़ित लोगों को जीवन दान दिया है। उनका निःशुल्क इलाज किया है। उनके उत्कृष्ट सेवा को देखते हुए उन्हें पद्मश्री से सम्मान से नवाजा गया है। इस बार उन्होंने जमुई लोकसभा सीट से नामांकन किया है।

लव मैरिज के 15 महीने बाद महिला की मौत

नालंदा। में एक नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। 15 महीने पहले उसने लव मैरिज की थी। अपने चचेरे भाई के साले के साथ उसने भाग कर शादी की थी। मायके वालों का आरोप है कि दामाद 2 लाख की डिमांड कर रहा था। पैसे नहीं देने पर बेटी की हत्या कर दी गई। मामला तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत केशोपुर गांव का है। मृतका की पहचान केशोपुर गांव निवासी शंकर कुमार की पत्नी अंजली कुमारी (18) के रूप में हुई है। मायके वाले गुरुवार की

सुबह शव के पोस्टमॉर्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। परिजन ससुराल परिवार पर दहेज हत्या का आरोप लगा रहे हैं। घटना के बारे में जहानाबाद जिला के काकोपाली निवासी और मृतका के पिता रामबाबू मिस्त्री ने बताया कि करीब 15 महीने पहले उनकी बेटी ने शंकर कुमार से लव मैरिज शादी की थी। शंकर कुमार और उसका परिवार 2 लाख रुपए की डिमांड कर रहा था। नहीं देने पर गला दबा कर उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। दामाद ने ही फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद वे लोग बेटी के ससुराल पहुंचे जहां देखा कि शव बेड पर पड़ा हुआ है और गले में काला निशान है। ससुराल के सभी सदस्य फरार है। मायके वालों ने बताया कि युवक फर्नीचर बनाने का काम करता है वह दुकान खोलने के लिए 2 लाख रुपए की डिमांड कर रहा था। चार दिन पूर्व भी उसने फोन कर पैसे और अन्य सामान देने की मांग की थी। पैसे और सामान नहीं देने के कारण उसने गला घोंट अंजलि की हत्या कर दी। इस घटना में युवक समेत उसका पूरा परिवार शामिल है। अंजलि ने अपने चचेरे भाई के साले के साथ 15 महीने पूर्व घर से भाग कर शादी रचाई थी। इसमें उसके चचेरे भाई समेत गोतिया का भी सहयोग था।

भागलपुर सीट पर राजद या कांग्रेस कलेक्ट्रेट में नामांकन की तैयारी के बीच फंसा पेंच

भागलपुर। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है, जबकि महागठबंधन में अभी यह तय नहीं हो पा रहा है कि यह सीट राजद को जाएगी या कांग्रेस को। हालांकि दोनों दल के नेता दावा कर रहे हैं कि यह सीट उनके खाते में रहेगी।राजद की तरफ से टिकट के प्रमुख दावेदार अरुण साह ने अपना चुनाव कार्यालय खोल लिया है, जबकि कांग्रेस के दावेदार अजीत शर्मा भी क्षेत्र दौरा करने लगे हैं। पूरे दिन यह चर्चा रही कि भागलपुर से कांग्रेस चुनाव

लड़ेगी। वहीं, दूसरी तरफ जिला प्रशासन ने नामांकन प्रक्रिया को लेकर अपनी तैयारियां भी पूरी कर ली है। जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन दाखिल किए जाएंगे। लोकसभा क्षेत्र के चुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है। समाहरणालय परिसर स्थित डीएम कार्यालय कक्ष में नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की बिक्री का सिलसिला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में शुरू होगा। कचहरी मार्ग पर दो जगह बैरियर लगाए जाएंगे। बैरियर पर ही प्रत्याशियों के वाहनों के काफिले रोक दिए जाएंगे। तीन वाहनों को ही वहां से आगे जाने दिया जाएगा, लेकिन उन्हें नामांकन स्थल से 100 मीटर की दूरी पर ही रोक दिया जाएगा। प्रशासन ने नामांकन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन तेजी से तैयारियों को पूरा करने में जुटा है। समाहरणालय परिसर में आज यानी 28 मार्च से नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण रूप से कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुबह 11 बजे से नामांकन पत्रों की बिक्री व दाखिल करने की कार्रवाई प्रारंभ होगी। यहां पर बैरिकेडिंग कराई जाएगी। शाम पांच बजे तक पर्चे बिकेंगे। चार अप्रैल तक नामांकन चलेंगे। छह अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच व आठ को नाम वापसी होगी।

पहले दौर के नामांकन का आखिरी दिन गया में एनडीए ने दिखाया दम

बिहार। लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। पहले चरण के लिए आज नामांकन का अंतिम दिन है। इसी को देखते हुए एनडीए और महागठबंधन के प्रत्याशियों ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। गया लोकसभा सीट से एनडीए के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने नामांकन भरा तो वहीं महागठबंधन से पूर्व मंत्री सह बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत ने नामांकन भरा। अपने-अपने दावेदारों के समर्थन में एनडीए और

महागठबंधन के दिग्गज नेता पहुंचे हैं। गया की हाईप्रोफाइल सीट एनडीए पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने समाहरणालय पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के समर्थन में सभा स्थल पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, लोजपा रामविलास सुप्रीमो चिराग पासवान, मंत्री डॉ प्रेम कुमार, मंत्री मंगल पाण्डेय, डॉ संजय जायसवाल, एमएलसी जीवेश मिश्रा, पूर्व एमएलसी महाचंद्र सिंह, मंत्री संतोष सुमन समेत कई दिग्गज नेता शामिल हो रहे। वहीं महागठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री सह बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले वह श्री जगन्नाथ मंदिर गए और वहां पूजा-अर्चना की। इस दौरान राजद के पूर्व मंत्री डा. सुरेंद्र प्रसाद यादव समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए। जहां एनडीए की गांधी मैदान तो महागठबंधन की गया कालेज खेल परिसर में सभा होगी। जहां दोनो दलों के दिग्गज नेता जुटेंगे। मालूम हो कि अब तक 15 एनआर काटे गए हैं। इसमें तीन लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। सबसे पहले पीपुल्स पार्टी आफ अरुण कुमार ने पर्चा भरा है।

हाजीपुर में 2 नाबालिग सहेलियों से गैंगरेप

वैशाली। में दो नाबालिग लड़कियों के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। दोनों सहेलियां हैं और कपड़े की खरीदने बाजार गई थीं। 6 आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। घटना महुआ थाना क्षेत्र की है। पीड़ित लड़की के भाई ने बताया कि मंगलवार की दोपहर 12 बजे के करीब दोनों महुआ बाजार में कपड़ों की खरीदारी करने गईं थीं। इस दौरान गांव के ही 6 लड़कों ने उन दोनों को जबरन पकड़ लिया। इसके बाद वो गेहूं के खेत में लेकर चले गए। जहां पर उनके साथ रेप किया। सभी आरोपियों की पहचान हो गई है। इसमें एक आरोपी एक पीड़ित

नाबालिग का चचेरे जीजा का भाई बताया जा रहा है। जो पहले उसे पकड़कर गेहूं के खेत की तरफ लेकर गया था। इसके बाद गांव के कुछ और लड़के ने देख लिया और उन लोगों ने भी परिवार को दी। इसके बाद परिजनों ने महुआ थाना में सूचना दी। वहीं, एक नाबालिग का परिवार इस मामले पर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। बुधवार को पुलिस ने पीड़ित लड़की का मेडिकल जांच कराने के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा।

गांव का युवक लड़की से करना चाहता था बात विरोध करने पर मारपीट

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के गीधा ओपी अंतर्गत विशुनपुरा गांव में बुधवार को लड़की से बात करने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष से दंपती समेत 4 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए, जबकि दूसरे पक्ष के एक युवक को चोट आई है। मामला शांत होने के बाद सभी जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में एक पक्ष के गीधा ओपी अंतर्गत विशुनपुरा गांव निवासी स्व वर्मा पासवान का 42 वर्षीय पुत्र विनोद पासवान उनकी पत्नी बेबी देवी(36),दो बेटी नैनाझरी(19) और करीना कुमारी(14)शामिल है। इधर, युवती ने बताया कि गांव का युवक मुझे बात करना चाहता था, लेकिन हम नहीं बात करना चाहते थे। जब भी रास्ते से कहीं जाते थे तो उसके द्वारा धमकी दी जाती थी कि जब भी बात करेंगे तो तुम ही से करेंगे। तुम कही भी रहो तुम हमसे ही बात करेंगी। वो हमसे प्रेम करता था,लेकिन हम नहीं करते थे। मेरे साथ मैट्रिक तक पढ़ा था, उसके बाद वो मैट्रिक में फेल कर गया और हम पास कर गए । इस बात की शिकायत लड़के के परिवार वालों से भी की थी ।

लालू का ऑफर ठुकराना पप्पू यादव को महंगा पड़ा

बीमा भारती को 23 मार्च को ही मिला पूर्णिया का टिकट कैसे खेल हुआ

बिहार। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का ऑफर ठुकराना पप्पू यादव को महंगा पड़ा। लालू प्रसाद ने पूर्णिया सीट से बीमा भारती को टिकट दे दिया है। पप्पू यादव पिछले एक साल से पूर्णिया सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने इसके लिए बाकायदा लालू यादव से हाथ जोड़कर गुहार भी लगाई थी। लेकिन आखिरकार वही हुआ, जिसका पप्पू यादव को डर था। बीते 20 मार्च को पप्पू यादव ने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय किया

था। पप्पू यादव कांग्रेस के टिकट पर पूर्णिया से चुनाव लड़ना चाहते थे। इसी बीच 23 मार्च को जदयू की विधायक बीमा भारती ने राजद का दामन थाम लिया। उसी दिन बीमा भारती ने पूर्णिया सीट पर दावा ठोंक दिया और कहा- अगर लालू यादव और तेजस्वी यादव चाहेंगे तो वो पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगी। अब बीमा भारती की लालू यादव से सिंबल लेते हुए तस्वीर सामने आई है, जिसे देखकर यही लग रहा कि उन्हें उसी दिन टिकट दे दिया गया था, जिस दिन वो आरजेडी में शामिल हुई थीं। बीमा भारती दोनों तस्वीरों में एक ही साड़ी पहनी हुई है। तस्वीर राबड़ी आवास की है और लालू परिवार 24 मार्च से ही दिल्ली में है। ऐसे में ये माना जा रहा कि बीमा भारती को पार्टी में शामिल कराने के साथ ही उन्हें पूर्णिया का टिकट दे दिया गया था। हालांकि, बुधवार को खुद बीमा भारती ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा कर पूर्णिया से उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा की। ये ऐलान ऐसे समय में आया, जब दिल्ली में तेजस्वी यादव सीट शेयरिंग के मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक आरजेडी बिहार में कांग्रेस को 9 सीटें देने को तैयार है, लेकिन बदले में झारखंड में आरजेडी एक और सीट मांग रही है। सीट शेयरिंग के मुद्दे पर तेजस्वी यादव ने मंगलवार की रात कहा था- सब कुछ ठीक है और अगले एक-दो दिन में घोषणा हो जाएगी। कांग्रेस को दरकिनार कर लालू पहले चरण की सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार चुकी है, दोनों में पुरानी राजनीतिक अदावत रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस में शामिल होने से पहले तक अखिलेश सिंह ने पूरी कोशिश की कि पप्पू यादव पार्टी में न शामिल हों। इसके लिए उन्हें आधिकारिक फोरम पर गुंड़ा एलिमेंट तक कहा। अखिलेश सिंह को डर है कि पप्पू यादव के आ जाने से पार्टी में उनका बैलेंस हो जाएगा। अखिलेश सिंह पर लालू यादव की हां में हां मिलाने का आरोप लगता रहा है। पहले पूर्णिया सीट पर दावा ठोकने वाले अखिलेश सिंह कांग्रेस में पप्पू कटिहार लेने को तैयार हो गए। पप्पू यादव के पूर्णिया से टिकट कटने में अखिलेश सिंह की भी अहम भूमिका बताई जा रही है। को फिर से चुनाव लड़ाना चाहते हैं। इसके भी सेट करना चाहते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य की सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद पार्टी में बुधवार को यह चर्चा तेजी से फैली

बरेली। हाईकमान ने जिले के नेताओं से इस बारे में फीडबैक मांगा है। सपा ने आंवला से अब तक नीरज मौर्य को प्रत्याशी घोषित कर रखा है लेकिन उन्हें अब तक वहां अपने पैर जमाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए बहुत संभव माना जा रहा है कि पार्टी आंवला में अपना प्रत्याशी बदलकर संघमित्रा को उतारने का फैसला करने पर बिचार। स्वमी प्रसाद मौर्य की सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद पार्टी में बुधवार को यह चर्चा तेजी से फैली। कहा जा रहा है कि हाईकमान ने जिले के नेताओं से इस बारे में फीडबैक मांगा है। सपा ने आंवला से अब तक नीरज मौर्य को प्रत्याशी घोषित कर रखा है लेकिन उन्हें अब तक वहां अपने पैर जमाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए बहुत संभव माना जा रहा है कि पार्टी आंवला में अपना प्रत्याशी बदलकर संघमित्रा को उतारने का फैसला कर ले। स्वमी मंडल में अबकी पिछली बार से ज्यादा कड़े हो सकते हैं मुकाबले चुनावी तस्वीर जैसे-जैसे साफ हो रही है, उससे बरेली मंडल की कई सीटों पर पिछली बार से ज्यादा कड़े मुकाबले होने के आसार बनते जा रहे हैं। बरेली में भाजपा की ओर से छत्रपाल सिंह गंगवार पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ने जा रहे हैं और उनका मुकाबला पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन से होना है। पीलीभीत में भाजपा की ओर से जितिन प्रसाद और बदायूं में दुर्विजय सिंह शाक्य भी पहली बार उतारे गए हैं। अंदरखाने इस तरह की संभावना जता रहे पार्टी के लोग यह भी तर्क दे रहे हैं कि आंवला प्रत्याशी नीरज मौर्य की स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ काफी नजदीकी रही है।

स्वामी प्रसाद ही उन्हें भाजपा से सपा में लाए थे, इसलिए इस बात की उम्मीद नहीं है कि नीरज मौर्य अपनी जगह संघमित्रा को आंवला से चुनाव लड़ाने का फैसला होने पर बहुत ज्यादा विरोध करें। हालांकि संघमित्रा की ओर से टिकट कटने के बाद भाजपा के ही साथ रहने का दावा किया गया है, लेकिन इसे सिर्फ राजनीतिक बयान माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का यह भी कहना है कि चूंकि बरेली में तीसरे चरण में मतदान होना है, इसलिए पार्टी के पास आंवला सीट पर फैसला करने के लिए काफी वक्त है। मौर्य प्रत्याशी ही दे सकता है कड़ी टक्कर आंवला लोकसभा क्षेत्र में मौर्य बिरादरी के मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। इसी वजह से सपा ने शाहजहांपुर की जलालाबाद सीट से विधायक रहे नीरज मौर्य को यहां लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। बसपा ने 2004 के चुनाव में मौर्य बिरादरी के सुधीर मौर्य को आंवला से प्रत्याशी बनाया था जो सिर्फ तीन हजार वोटों से हार गए थे। सुधीर मौर्य के इसी प्रदर्शन के कारण अगली बार बसपा ने उन्हें बरेली सीट से प्रत्याशी घोषित किया लेकिन नामांकन के तीन दिन पहले उमेश गौतम बसपा का टिकट ले आए। इसके बाद सुधीर मौर्य ने बसपा से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली थी।

सपा प्रत्याशियों के चयन से लेकर रणनीति बनाने तक पूरा जोर लगा रही है। बदायूं में धर्मेंद्र यादव की जगह शिवपाल सिंह को चुनाव मैदान में उतारा जा चुका है। अब आंवला में भी सिर्फ इसलिए प्रत्याशी बदले जाने की संभावना जताई जा रही है ताकि मुकाबले में कोई कमी न रहे। बरेली में बसपा महिला मुस्लिम को उतार सकती है बसपा का जोर मुस्लिम प्रत्याशी पर ही है। पार्टी ने मंडल की पांच सीटों में से अब तक तीन पर प्रत्याशी घोषित किए हैं जिनमें से दो मुस्लिम हैं। बरेली से भी पहले पार्टी की ओर से चुनाव लड़ चुके मुस्लिम प्रत्याशी को दोबारा टिकट देने की चर्चा थी लेकिन अब इसमें फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि एक राजनीतिक परिवार की मुस्लिम महिला को प्रत्याशी बनाने पर विचार किया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि बसपा के मुस्लिम प्रत्याशियों को चुनाव में उतारने से सपा की राह कठिन होती जा रही है।

संसद में अगर मैं पहुंचा तो नगीना को जिला बनाने का काम मनोज कुमार

नहटौर। नगीना लोकसभा क्षेत्र की नहटौर विधानसभा क्षेत्र के नूरपुर रोड नहटौर स्थित संगम सरोवर में इंडिया गठबंधन कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगीना लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी पूर्व जज मनोज कुमार रहे ।कार्यक्रम मे पहुंचे पर सर्वप्रथम पूर्व जज मनोज कुमार का समस्त कार्यकताओं द्वारा फूल मालाएं डालकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे वक्ताओं ने इंडिया गठबंधन प्रत्याशी पूर्व जज मनोज कुमार के लिए अपने विचार रखें। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व राज्य मंत्री विधायक मनोज पारस ने कहा कि मौजूदा सरकार में हर कोई परेशान है पढ़े लिखे युवा बेरोजगार घूम रहे हैं समाजवादी सरकार ने युवाओं को नौकरी देने का काम किया था आज के समय में मात्र संविदा की नौकरी मिल रही है वह भी समय पर नहीं मिल पा रही है। इसलिए अब समय आ गया है कि इंडिया गठबंधन के हाथों को सभी मिलकर मजबूत करें यह गठबंधन एक नया इतिहास रचने जा रहा है वही कार्यक्रम में उपस्थित नगीना लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व जज मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि अगर नगीना लोकसभा की जनता ने मुझे चुनकर संसद भेजने का काम किया तो मेरा पहला काम नगीन को जिला बनाने का काम करूंगा और दूसरा नगीना लोकसभा क्षेत्र में एक मेडिकल कालेज देने का काम रहेगा। और हर एक कमजोर समाज की आवाज बनकर संसद में उनकी आवाज उठाने का काम करूंगा संविधान को न मानने वाले लोग संविधान में विश्वास न करने वाले लोग जो नफरत फैला रहे हैं वह संविधान को पूरी तरह से 2024 के चुनाव के बाद खत्म करने का काम करना चाह रहे हैं। संविधान ने ही हमें उठने बैठने बातचीत करने एवं सर उठाकर जीने का अधिकार दिया है । इसलिए इंडिया गठबंधन से ही हमें संविधान को बचाने की ताकत मिलेगी और यह ताकत हमें अपने वोट से ही लेनी है आने वाले चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को वोट देकर संसद में भेज कर संविधान को बचाने का काम करें कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष शेरबाज पठान ,सपा जिला अध्यक्ष अनिल यादव ,पूर्व राज्य मंत्री विधायक मनोज पारस ,पूर्व सांसद ओमवती देवी ,पूर्व आईएएस आरके सिंह, नजाकत अली, मीनाक्षी, कमलेश , सैयद जागीर, हिमांशु, रामपाल सिंह ,सुरेश सैनी, अकबर अहमद ,हुकम सिंह ,मोहम्मद सलीम, एडवोकेट शमशाद अहमद, एडवोकेट प्रीतम सिंह, सैनी प्रधान ,भारत सिंह सैनी, धर्मवीर सिंह सैनी ,पंकज चौधरी, चौधरी दिलशाद अहमद, मोहम्मद अकरम ,अरविंद चौधरी ,जीतू शर्मा ,कल्याण सिंह सैनी, हुकम सिंह कांग्रेस जिला महासचिव ,कमलेश देवी, नरेश फौजी, राजपाल सिंह, मुकेश सैनी ,ब्रह्मपाल सैनी ,रमेश सैनी, ओम प्रकाश सैनी, विजेंद्र सैनी ,आदि इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैनी समाज ने नगीना लोकसभा इंडिया गठबंधन प्रत्याशी पूर्व जज मनोज कुमार को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा नहटौर विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद सिकन्दर कस्सार ने की।

मेडिकल के छात्र पर हमला, डंडे और हॉकी से पीटा, तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र स्थित रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज के छात्र पर होली की रात हमला किया गया। तीन लोगों ने लाठी-डंडे और हॉकी से उसे जमकर पीटा। अमरोहा से आए पीड़ित छात्र के पिता ने बृहस्पतिवार को बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमरोहा की आवास विकास कॉलोनी निवासी आदर्श रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज में एमडी पाठ्यक्रम के छात्र हैं। वह आशीष रायल पार्क में रहते हैं। होली की रात करीब 11 बजे आदर्श अपने कमरे से किसी काम को कॉलेज परिसर जाने को निकला। आरोपियों ने गाड़ी पर की थी पेशाब आदर्श ने अपनी गाड़ी कॉलेज के बाहर खड़ी कर दी थी। यहां ग्रीन पार्क निवासी आयुष तनेजा, सुभाषनगर के किताब बाबू का हाता निवासी शुभम मल्होत्रा व इनके एक अन्य साथी मकान की तीसरी मंजिल पर खड़े थे। वहां से तीनों ने आदर्श की गाड़ी पर पेशाब कर दी। विरोध करने पर तीनों ने आदर्श को दौड़ा लिया। आदर्श अपनी जान बचाने को मेडिकल कॉलेज में घुस गए तो ये लोग डंडो व हॉकी लेकर उनके पीछे दौड़ पड़े। उनकी जमकर पिटाई कर दी। कॉलेज परिसर में मौजूद लोगों ने आदर्श को बचाया। घायल आदर्श को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। आदर्श के पिता यशवीर ने बारादरी थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रुहेलखंड क्षेत्र के सांसदों में जानिये किसका कितना रहा बेहतर प्रदर्शन

बरेली। देश की सबसे बड़ी पंचायत में लोकसभा में रुहेलखंड क्षेत्र के सांसदों की उपस्थिति तो 90 फीसद के आसपास रही, कुछ ने आमजन से जुड़े मुद्दे भी सदन में उठाए लेकिन बरेली से आठवीं बार जीतकर लोकसभा में पहुंचे और कई भारी-भरकम मंत्रालय भी संभाल चुके संतोष गंगवार उम्रदराज, आठ बार के सांसद और कई बार मंत्री रहे 75 वर्षीय संतोष गंगवार की पिछले पांच साल में लोकसभा में उपस्थिति तो 94 फीसद रही लेकिन सदन की सिर्फ एक बहस में ही भाग ले पाए और सिर्फ 9 प्रश्न ही पूछ पाए।बाकी ज्यादातर मुद्दो पर चुप्पी ही साधे रहे। आंवला के 55 वर्षीय सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने 8 डिबेट्स में हिस्सा लिया और 138 प्रश्न भी पूछे। सदन में उनकी उपस्थिति 93 फीसद रही। बदायूं सांसद 39 वर्षीया संघमित्रा मौर्य ने पांच साल में 98% उपस्थिति के साथ कुल 86 प्रश्न पूछे और लोकसभा की 57 चचाओं में हिस्सा लिया। पीलीभीत के फायरब्रांड

सांसद वरुण गांधी ने लोकसभा के सत्रों में आम लोगों से ताल्लुक रखने वाले सवाल तो सरकार से काफी पूछे लेकिन सदन की बहसों में सिर्फ पांच बार ही सहभागिता कर पाए। हालांकि, अपने मौजूदा कार्यकाल में उन्होंने सबसे ज्यादा पांच प्राइवेट बिल सदन में चर्चा के लिए पेश किए। धौरहरा सांसद रेखा वर्मा ने सदन की 61 बहसों में भाग लिया। अपने लोकसभा क्षेत्र में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना की मांग उठाई और दार्जिलिंग के गोरखा लोगों को राजनीतिक पहचान दिलवाने के लिए भी पैरवी की। जनहित से जुड़े 92 प्रश्न पूछे। सदन में उनकी उपस्थिति 83% रही। शाहजहांपुर सांसद 47 साल के अरुण कुमार सागर ने सदन की 40 चचाओं में पार्टिसिपेट किया। 172 प्रश्न भी पूछे। 92 फीसद हाजिरी दर्ज कराई। हालांकि ये सभी बिल अभी भी सदन की मंजूरी के लिए लंबित हैं। उन्होंने कई मौकों पर सदन में जनहित से जुड़े सवाल भी पूछे। वरुण ने सदन में कुल 206 सवाल पूछे और पांच डिबेट्स में हिस्सा भी लिया। पांच साल में लोकसभा में उनकी उपस्थिति 79% रही। उनसे पीछे लखीमपुर खीरी के सांसद और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी रहे, जिन्होंने चार प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए। लखीमपुर खीरी के एमपी और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने लोकसभा की 56 डिबेट्स में हिस्सा लिया। 160 प्रश्न पूछे और सदन में 96% हाजिरी भी दर्ज कराई। रुहेलखंड क्षेत्र के बाकी पांच सांसदों में से कोई अपने पांच साल की सांसदी में एक भी प्राइवेट बिल लेकर नहीं आ सका। किसानों और बेरोजगारों के मुद्दों पर कई मौकों पर अपनी ही सरकार पर हमलावर रहे सांसद वरुण गांधी किसानों के लिए फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), भारतीय रोजगार संहिता और रेलवे ट्रैक किनारे रह रहे लोगों के लिए स्थायी आवास बनवाने और बाढ़ पीड़ितों की राहत के लिए नेशनल बोर्ड का गठन समेत जनहित से जुड़े पांच प्राइवेट बिल सदन में चर्चा के लिए पेश किए और रुहेलखंड मंडल के सभी सांसदों में नंबर वन रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने मास्टर ट्रेनर्स को समझाया निर्वाचन की बारीकियां

अमरोहा। जनपद अमरोहा के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मास्टर ट्रेनर्स का तीसरा व अंतिम प्रशिक्षण कुशलता के साथ दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि आज इस प्रशिक्षण में सभी मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित कर दिया गया है जो उनकी कोई कमी थी। किसी प्रश्न पर शंका थी उसको दूर कर दिया गया है ।उनका टेस्ट भी लिया गया है अब वह पूरी तरह से पारंगत हो गये हैं। अब यह मास्टर ट्रेनर लिटिल स्कॉलर्स अकादमी में आयोजित पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण इनके द्वारा दिया जाएगा । मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षणर्थियों को सीआरसी , मॉकपोल सी यू, बी यू, श्ळअळ के खराब होने पर क्या करेंगे , मतदाता रजिस्टर मत पत्रलेखा, चैलेंज वोट निविदत्त मत, मतदान अधिकारी की नियुक्ति के प्रारूप , मतदाता पर्ची का सील बंद लिफाफा किस पैकेट में रखा जाएगा, चैलेंजिंग मतों की सूची सील बंद लिफाफा किस पैकेट में रखा जाएगा , मतदान की समाप्ति पर क्लोज बटन दबाना , प्रोक्सी वोटर , श्ढअळ ले जाते समय आवश्यक सावधानी , एश्ट ऑन ऑफ सहित विभिन्न मतदान के दौरान आने वाली समस्याओं को बारीकी से समझाया गया । प्रशिक्षण के अंत मे मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों मास्टर ट्रेनर्स को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई । प्रशिक्षण परियोजना निदेशक, अमरेंद्र प्रताप जिला विद्यालय निरीक्षक उपनिदेशक कृषि श्री राम प्रवेश जी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा दिया गया । इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त डायरी

सपा सांसद एसटी हसन का नामांकन खारिज

मुरादाबाद। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मुरादाबाद सीट से समाजावादी पार्टी के टिकट पर रुचि वीरा ने नामांकन दाखिल किया. इसके साथ ही वर्तमान सपा सांसद डॉ एसटी हसन ने भी मुरादाबाद सीट से पर्चा दाखिल किया था जो अब निरस्त हो गया है. दरअसल आजम खान के दबाव में सांसद एसटी हसन के टिकट को काटकर अखिलेश यादव ने रुचि वीरा को सपा उम्मीदवार बना दिया है।

ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण संगोष्ठी मे 24 निपुण स्कूलों को किया गया सम्मानित।

देवरनियां। समग्र शिक्षा के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्षों की एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण संगोष्ठी का आयोजन वृहस्पतिवार को ब्लाक संसाधन केन्द्र रिछा की ओर से रिछा के जिया बैंकट हाल मे किया गया। संगोष्ठी मे उपस्थित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और एस एम सी अध्यक्षों को ब्लाक के खण्ड शिक्षाधिकारी प्रेमसुख गंगवार ने विघालय के प्रति उनके अधिकार और कर्तव्यों के बारे मे बताया। इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। बीईओ प्रेमसुख गंगवार ने निपुण भारत अभियान के तहत दमखोदा ब्लाक के 24 स्कूल निपुण घोषित होने पर उनके प्रधानाध्यापकों और इंचार्ज अध्यापकों मोहम्मद हसन,विनोद वर्मा, जेबा खान, माया गंगवार, उमैर सिद्धीकी, अताउर्रहमान, सीमा आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सम्मानित किया गयो पूरे ब्लाक के अभयपुर स्कूल से इस्पायर अबार्ड में सिलेक्ट होंने पर विनोद वर्मा सम्मानित किया गया`कार्यक्रम का संचालन एआरपी डॉ० देवकुमारी गंगवार ने किया। प्राथमिक शिक्षण संघ अध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा, ब्लाक मंत्री मोहम्मद हसन, एआरपी मोहम्मद फहीम, उवैस खान, हरीश गंगवार ने भी सम्बोधित किया। संगोष्ठी की व्यवस्थाओं पर बीईओ प्रेमसुख गंगवार ने लेखाकार इमरान की सरहाना की। यह स्कूल हुए निपुण । प्राथमिक विद्यालय मितीपुर,आनन्दीपुर,बालपुर, निजामपुर,मुंडिया नबीबख्श,करनपुर, कन्या क्रमोत्तर देवरनियां,कुन्डरा, दमखोदा,मुंडिया जागीर, मोहनपुर, सेमीखेडा,बकैनिया कालेखां,मिन्तरपुर,ढकिया, गरगय्या,भुडवा,नवादा,बसन्तनगर, खिरना शामिल हैं।

खबर छपने के बाद चेता नगर पंचायत प्रशासन।

देवरनियां। नगर पंचायत देवरनियां के मोहल्ला फहीमांचल के बाशिदें सडक पर जलभराव की वजह से गन्दे पानी से होकर निकलने को मजबूर थे। अखबारों मे खबर छपने के बाद चेते नगर पंचायत प्रशासन ने नाला सफाय कराई है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि वह काफी सम से इस समस्या को झेल रहे थे,मगर हर बार उनकी शिकायत को अनसुना कर दिया जाता था। बुधवार को इस समस्या को लेकर जताए गये विरोध और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत को अखबारों ने छापा तो नगर पंचायत प्रशासन ने संज्ञान लिया। चेयरमैन मोहम्मद कलीम अन्सारी और अधिशासी अधिकारी अंकित कुमार ने वृहस्पतिवार को अपनी निगरानी मे जेसीबी से जलभराव की वजह बना काफी समय से चोक नाले की सफाई कराई। इससे मोहल्ले वासियों ने राहत महसूस की। चेयरमैन कलीम ने अन्सारी ने बताया कि अब समस्या से निजात दिला दी गयी है।

अभी से इतनी आगे क्या होगा, अधिकतम तापमान 36 डिग्री पर पहुंचा

बरेली। होली के बाद अचानक तापमान बढ़ने से गर्मी असहनीय होने लगी। तेज धूप मानो झुलसाने पर आमादा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस है। मौसम वैज्ञानिक अभी तापमान बढ़ने का अनुमान बता रहे हैं। 29-30 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। होली के बाद गर्मी व उमस बढ़ने लगी है। बिना पंखा, कूलर, एसी के काम नहीं चल रहा है। घरों व कार्यालयों में इसका प्रयोग शुरू हो गया है। गुरुवार को सुबह से ही कड़ी धूप निकली। अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह से तेज धूप पसीना निकाल रही है। लोग पंखा, कूलर, एसी चलाकर गर्मी से राहत ले रहे हैं। दोपहर में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। आर्द्रता 52 प्रतिशत और आठ किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने से थोड़ी राहत है। लोग गर्मी से राहत पीने के लिए शीतल पेय पदार्थ का सेवन कर रहे हैं। बाजारों में गन्ने के जूस, कोल्ड ड्रिंक्स की दुकानों पर भीड़ हो रही है। वहीं नारियल पानी का भी प्रयोग लोग कर रहे हैं। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर उत्तराखंड के एग्रोमेट्रोलाजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते 29-30 मार्च को कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन इससे तापमान बहुत कम नहीं होगा। गर्मी बढ़ेगी। अप्रैल-मई में इस बार लू चलेगी। इससे बचने के लिए लोगों को सावधानी बरतनी होगी।

बीआरसी केंद्र नारंगपुर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा। जनपद अमरोहा के बीआरसी केंद्र नारंगपुर जोया में खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद जी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव (प्रधानाध्यापक) एवं समिति के अध्यक्षों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी महोदय श्री प्रकाश चंद द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक प्रत्येक महीने के प्रथम बुधवार को होती है जिसमें सभी

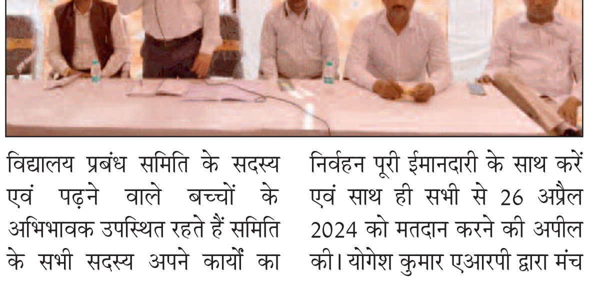

विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य एवं पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहते हैं समिति के सभी सदस्य अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करें एवं साथ ही सभी से 26 अप्रैल 2024 को मतदान करने की अपील की। योगेश कुमार एआरपी द्वारा मंच संचालन किया गया एवं एसएमसी गठन पर चर्चा की गई और साथ ही मेरा वोट मेरा अधिकार पर भी चर्चा की गई एवं एआरपी जहांगीर अहमद द्वारा विद्यालय प्रबंध समिति की संरचना एवं कार्यकाल तथा कार्य पर चर्चा की गई एवं एआरपी सुभाष जी द्वारा पठन-पाठन में एमसी की क्या भूमिका होती है इस पर चर्चा की गई तथा एआरपी हेवेंद्र जी द्वारा विद्यालय प्रबंध समिति के वित्तीय दायित्वों का किस प्रकार निर्वहन करना है इस पर विस्तार से चर्चा की गई एवं अंत में एआरपी सत्येंद्र द्वारा बाल अधिकार पर चर्चा की गई। अंत में प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों द्वारा आए प्रश्नों का उत्तर आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा दिया गया एवं भोजन करने के पश्चात प्रशिक्षण का समापन कर दिया गया

चतुर ही नहीं शातिर भी हैं रामदेव

निर्मल रानी

रामदेव ने योग व इसके टी वी प्रचार के माध्यम से पहले तो स्वयं को प्रसिद्धि दिलाई। उसके बाद जब योग के बहाने राष्ट्रीय स्तर पर उनके समर्थकों की संख्या बढ़ने लगी तो नेता उनकी ओर स्वयं आकर्षित होने लगे। क्योंकि स्वभाविक है नेताओं को वह व्यक्ति बहुत भाता है जिसमें भीड़ को आकर्षित करने की क्षमता हो। इसी का लाभ उठाकर रामदेव ने अपने पतञ्जलि परिसर में नरेंद्र मोदी से लेकर बड़े से बड़े नेताओं मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को किसी न किसी आयोजन के बहाने आमंत्रित किया।

योग गुरु बाबा रामदेव व उनका व्यवसायिक उद्यम पतंजलि आयुर्वेद पिछले दिनों एक बार फिर उस समय सुर्खियों में आया जबकि रामदेव व पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक व सी ई ओ आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में चल रहे पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले एक दवा विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय में बिना शर्त अपनी गलती की माफी मांगी।गौरतलब है कि पतंजलि वेलनेस ने एक विज्ञापन देश के टी वी चैनल्स व विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किया था जिसके माध्यम से एलोपैथी पर गलतफहमियां फैलाने का आरोप लगाया गया था। इसी विज्ञापन को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 17 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका की सुनवाई में आईएमए ने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में देश के अनेक अखबारों में जारी किए गए गुमराह करने वाले विज्ञापनों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही 22 नवंबर 2023 को पतंजलि के उएड बालकृष्ण व बाबा रामदेव की उस पत्रकार वार्ता के बारे में भी बताया गया जिसमें पतंजलि ने मधुमेह और अस्थमा को पूरी तरह से ठीक करने का दावा किया था। इसी मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पतंजलि को सभी भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करने का आदेश देते हुये यह भी कहा था कि अदालत ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक जुमार्ना लगा सकता है। इसी मामले में अवमानना नोटिस का जवाब नहीं देने पर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण दोनों को 2 अप्रैल को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश भी दिया गया था। परन्तु पतंजलि आयुर्वेद ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बिना शर्त माफी मांग ली। अदालत को दिये गये एक हलफनामे में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि उन्हें कंपनी के अपमानजनक वाक्यों वाले विज्ञापन पर खेद है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोर्ट में हाजिर होने के आदेश के बाद पतंजलि आयुर्वेद द्वारा झूठे दावों वाले विज्ञापन के मामले में यह हलफनामा दायर किया गया । इस हलफनामे में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने न सिर्फ बिना शर्त माफी मांगी बल्कि न्यायालय में दी गई अंडरटेकिंग में यह भी कहा कि यह गलती दोबारा नहीं होगी। हलफनामे पर दिये गये इसी माफीनामे में इसतरह के विज्ञापन को पुनः प्रसारित न करने का भी वचन दिया गया है।

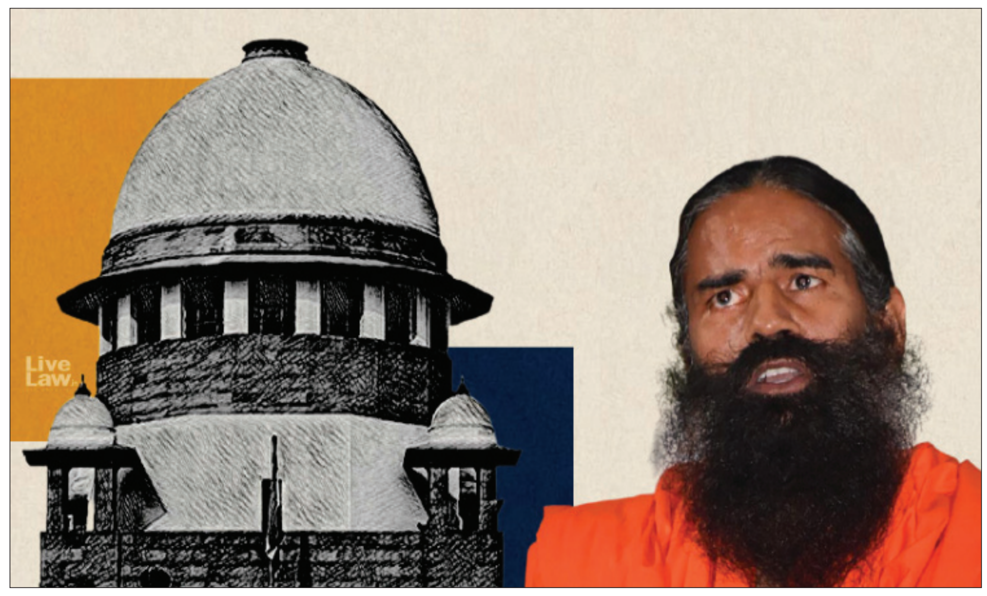

योग विद्या को माध्यम बनाकर दिन दूनी रात चौगुनी की दर से अपना व्यवसाय चमकाने वाले रामदेव का विवादों से पुराना नाता रहा है। पतंजलि आयुर्वेद में हालांकि मुख्य चेहरा रामदेव का ही है परन्तु रामदेव ने पतंजलि आयुर्वेद का चेयरमैन व सी ई ओ अपने सबसे विश्वस्त सहयोगी नेपाली मूल के बाल किशन को बनाया है। यही वजह है कि पतंजलि आयुर्वेद में जहां रामदेव का कोई हिस्सा नहीं है वहीं इसके 94 % हिस्से के मालिक अकेले बाल किशन हैं। 51 वर्षीय बालकिशन की गिनती इस समय देश के 68 वें सबसे रईस व्यक्ति के रुप में होती है। उनका नाम फोर्ब्स पत्रिका में अरबपतियों की सूची में भी शामिल है। फोर्ब्स पत्रिका के मुताबिक बाल किशन की अनुमानित नेट वर्थ 3.8 बिलियन डॉलर है। राम देव व बाल किशन ने 2022 में अपना व्यवसायिक टर्न ओवर 40 हजार करोड़ का बताया था साथ ही यह भी कहा था कि उनका लक्ष्य 5 वर्ष में इसे दुगना करने का है।

रामदेव द्वारा आयुर्वेद अथवा इससे सम्बंधित उत्पादों को बनाना बेचना व इनके उचित विज्ञापन देना तक तो ठीक है परन्तु प्रायः वे अपने उत्पाद को सही ठहरने के लिये अक्सर दूसरी औषधीय प्रणालियों पर भी हमलावर हो जाते हैं। उन्हें विश्व विख्यात व सर्व स्वीकार्य एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली से बड़ी चिढ़ है। लोगों का कहना है कि रामदेव अपने उत्पाद बेचने के लिये एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली की आलोचना करते हैं। कोरोना काल में जिस भारतीय वैक्सीन को लेकर भारत सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है उसकी आलोचना में भी रामदेव ने कोई कसर बाकी नहीं रखी। अभी भी कई जगह सार्वजनिक मंचों से वे यह कहते नजर आते हैं कि वैक्सीन लगवाने के बाद तमाम लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यानी एक ओर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरी भारत सरकार ने देश के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगवाने हेतु प्रोत्साहित किया जबकि ठीक इसके विपरीत रामदेव लोगों को वैक्सीन लगवाने के प्रति हतोत्साहित करते रहे। सवाल यह है कि उनमें इतना साहस आता कहाँ से है ?

दरअसल रामदेव ने योग व इसके टी वी प्रचार के माध्यम से पहले तो स्वयं को प्रसिद्धि दिलाई। उसके बाद जब योग के बहाने राष्ट्रीय स्तर पर उनके समर्थकों की संख्या बढ़ने लगी तो नेता उनकी ओर स्वयं आकर्षित होने लगे। क्योंकि स्वभाविक है नेताओं को वह व्यक्ति बहुत भाता है जिसमें भीड़ को आकर्षित करने की क्षमता हो। इसी का लाभ उठाकर रामदेव ने अपने पतञ्जलि परिसर में नरेंद्र मोदी से लेकर बड़े से बड़े नेताओं मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को किसी न किसी आयोजन के बहाने आमंत्रित किया। यहाँ तक कि कोरोनकाल में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के हाथों कोरोना की अपनी दवाई कोरोनिल का भी उद्घाटन करा दिया जिसे लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने दवा की विश्वसनीयता को खुली चुनौती दी। रामदेव अनेक मुख्यमंत्रियों व केंद्रीय नेताओं से सम्बन्ध बनाकर विभिन्न राज्यों में अपने उद्योग के विस्तार हेतु जमीनें भी ले चुके हैं। वह रामदेव ही थे जिन्होंने पहले तो 2012 में ट्वीट किया कि अगर कालाधन वापस आ गया तो पेट्रोल 30 रुपये प्रति लीटर मिलेगा परन्तु जब तेल की कीमतें 100 रुपए से ऊपर चली गयीं तो बड़ी ही चतुराई से उन्होंने वो ट्वीट डिलीट कर कर डाला। बाबा रामदेव 2014 से पहले लोगों से पूछा करते थे कि 'आप लोगों को कौन सी सरकार चाहिए? 40 रुपए पेट्रोल वाली सरकार या 300 रुपए वाली सरकार? नरेंद्र मोदी की सरकार बनाओ, 40-45 रुपए लीटर पेट्रोल और 30-35 रुपए लीटर डीजल मिलेगा। यही नहीं गैस की कीमत भी 400 रुपए कर देंगे। रामदेव 20 करोड़ युवाओं को रोजगार दिलाने का वादा भी करते फिरते थे। इसी सम्बन्ध में करनाल में जब एक पत्रकार ने रामदेव से पेट्रोल की कीमतों संबंधी उनके पुराने बयान के बारे में पूछा तो रामदेव उसपर आग बबूला हो गए। रामदेव ने पहले तो उसे चुप हो जाने को कहा। फिर कहा कि -हाँ मैंने कहा था। क्या पूंछ उखाड़ लेगा मेरी ? तुम्हारे प्रश्नों के उत्तर देने का कोई ठेका ले रखा है मैंने? कर ले क्या कर लेगा। चुप हो जा। आगे कुछ पूछेगा तो ठीक नहीं।' इसी तरह कुछ समय पूर्व बाबा रामदेव ने ओबीसी समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुये कहा कि मेरा मूल गोत्र है ब्राह्मण गोत्र, और मैं अग्निहोत्री ब्राह्मण हूं। ओबीसी वाले ऐसी तैसी करायें। परन्तु जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो बाबा रामदेव साफ मुकर गये और कहा कि मैंने कभी ओबीसी पर कोई बयान नहीं दिया बल्कि मैंने तो ओवैसी कहा था क्योंकि उनके पूर्वज हमेशा राष्ट्रविरोधी रहे हैं। अपनी ही कही बात से साफ मुकरने और इसतरह घुमाने की कला कम ही लोगों को आती है। कहना गलत नहीं होगा कि बाबा रामदेव केवल चतुर ही नहीं बल्कि शातिर भी हैं।

(यह लेखिका के अपने विचार हैं)

संपादकीय

जरूरी है युद्ध विराम

रमजान के महीने में भी गाजा में नरसंहार जारी है। इस अमानवीय घटनाक्रम से चिंतित होकर अंततः संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25 मार्च को एक प्रस्ताव पारित करके गाजा में युद्ध विराम रोकने की मांग की है। प्रस्ताव में सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई और गाजा के युद्ध क्षेत्र में तत्काल राहत सामग्री भेजने का भी उल्लेख है। सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इजराइल पर हमला किया था, उसके बाद से ही इजराइल बदले की कार्रवाई करते हुए गाजा में हजारों निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार चुका है। इस छह महीनों के दौरान विश्व मंचों से युद्ध विराम की मांग की गई लेकिन यह पहला अवसर है जब सुरक्षा परिषद युद्ध विराम का प्रस्ताव पारित करने में सफल हो पाई। यह भी इसलिए संभव हो पाया कि अमेरिका मतदान से अनुपस्थित रहा। इससे पहले वह तीन बार युद्ध विराम के प्रस्ताव पर वीटो लगा चुका था। इजराइल अमेरिका के इस बदलते रुख से स्तब्ध है। उसने अमेरिका पर यह आरोप लगाया है कि उसने अपने सदाबहार मित्र का साथ छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वार्ता के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका जाने पर रोक लगा दी है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका और इजराइल के संबंधों में मतभेद की दीवार खड़ी हो गई है। हालांकि अमेरिका ने अपनी सफाई में कहा है कि हमास को लेकर हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है, और सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव गैर-बाध्यकारी है। अमेरिका चाहे जो कहे, अब इसका कोई असर इजराइल पर नहीं पड़ने वाला है। वास्तव में अमेरिका फिलिस्तीन और इजराइल के बीच जारी युद्ध को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं बना पा रहा है। एक ओर वह हमास को तबाह करने के लिए इजराइल को सैनिक मदद मुहैया करा रहा है, और दूसरी ओर गाजा में हजारों नागरिकों के मारे जाने पर घड़ियाली आसूं भी बहा रहा है। इस समूचे घटनाक्रम का सबसे दुखद पहलू यह है कि हमास और इजराइल दोनों युद्ध विराम को लेकर अड़ियल रुख अपनाए हुए हैं। सुरक्षा परिषद द्वारा पारित युद्ध विराम का यह प्रस्ताव दोनों पक्षों ने खारिज कर दिया है। इजराइल इस प्रस्ताव को विभेदकारी बता रहा है, और हमास को यह भरोसा नहीं है कि इजराइल ईमानदारी से युद्ध विराम को लागू करेगा। इसमें संदेह नहीं है कि गाजा में जारी नरसंहार के कारण इजराइल दुनिया से अगल-थलग पड़ता जा रहा है। इसलिए युद्धरत दोनों पक्षों को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर युद्ध विराम के लिए राजी हो जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

सियासत के झटके या झटके की सियासत ?

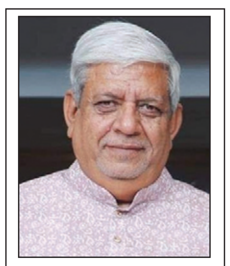

राकेश अचल

फिहम जैसे रोजाना लिखने वाले लेखकों के लिए मुश्किल ये है कि हमें देश में उनके सामने सियासत के अलावा कुछ भी नया नहीं होता दिखाई देता । नया होता भी होगा तो सियासत का चेहरा इतना बड़ा है कि वो सबको अपने मायामंडल से छिपा लेती है। कल मैंने आपको राजनीतिक दलों की लिस्टों के बाबद बताया था । आज मेरी कोशिश है कि मै आपको सियासत में लगने वाले झटकों या झटके वाली सियासत से रूबरू कराऊँ। मानसिक कसरत आपको भी करना होगी।

चुनावी मौसम में जब लिस्टें बनतीं हैं तब किसी को टिकट मिलता है ,किसी का कटता है। टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया ही झटका आधारित होती है । सियासत का काम ही झटके का दिया जलाकर रखने का है । बात बिहार से करें तो वहां राजद ने बेचारे पप्पू यादव को झटका दे दिय। उनकी पारम्परिक सीट से राजद के पुराने सुप्रीमो लालू यादव की बेटी को टिकट दे दिया गय। बेचारे पप्पू भाजपा से छिटककर राजद के करीब आये थे की बात बन जाये लेकिन नहीं बनी ,उलटे झटका और लग गया।

आपको पता ही है कि भाजपा भी अपने एक युवा तुर्क वरुण गांधी को टिकट न देकर झटका दे चुकी है । वरुण गांधी के बागी होने की आशंका थी लेकिन वे बागी नहीं हुए । खामोशी से अपनी माँ श्रीमती मेनका गांधी का चुनाव प्रचार करने में लग गए । वरुण को जोर का झटका जोर से ही लगा । धीरे से लगता तो और बात थी। लगता है कि भाजपा ने वरुण की राजनीतिक नसबंदी कर दी है। वरुण न खुलकर रो पाए और न अपनी बदनसीबी पर हंस पाए। ऐसे नौजवानों के प्रति मेरी सहानुभूति हमेशा रही है ,भले ही वे किसी भी दल के कार्यकर्ता हों।

सियासत में झटका और हलाल का चलन बहुत पुराना नहीं है। कांग्रेस चाहकर भी झटका राजनीति में दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। आम जनता को उम्मीद थी की कांग्रेस अपने बिभीषण केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ कोई मजबूत प्रत्याशी देगी,लेकिन खोदा पहाड़ और निकली चुहिया।

समाजवादी पार्टी को भी आजम खान साहब के गढ़ रामपुर से अंतिम मौके पर उम्मीदवार बदलना पडा। जामा मस्जिद के शाही इमाम को ऐन मौके पर प्रत्याशी बनाया गया इसलिए चुनाव चिन्ह तक चार्टेड प्लेन से भेजना पड़ा । सपा के इस फैसले से निवर्तमान सांसद हैं साहब को झटका लगना स्वाभाविक है। लेकिन रामपुर नरेश आजम खान साहब नहीं चाहते थे कि उनकी सल्तनत में पार्टी उनकी मर्जी के खिलाफ किसी को अपना प्रत्याशी बनाये ,कहते हैं कि आजम साहब ठीक उसी तरह से जेल से सियासत कर रहे हैं जैसे अरविंद केजरीवाल जेल से दिल्ली की सल्तनत सम्हाले हुए हैं।

झटके देने में भाजपा दूसरे दलों से सबसे आगे चल रही है । भाजपा की अब तक सात सूचियां आ चुकी हैं और 407 प्रत्याशियों के नाम घोषित हो चुके हैं। भाजपा की सूचियां हर बार किसी न किसी को झटका देतीं हैं । भाजपा ने जब मंडी सीट से अभिनेत्री कंगना रानौत को अपना प्रत्याशी बनाया तो पता नहीं कितनों को झटका लगा। सियासत में झटका देने की शुरूवात 1985 में कांग्रेस ने की थी । कांग्रेस ने उस दौर में सबसे बड़ा झटका ग्वालियर से चुनाव लड़ रहे भाजपा के अटल बिहारी बाजपेयी को दिया था । कांग्रेस ने ऐन मौके पर पंडित जी के सामने सिंधिया घराने के प्रमुख माधवराव सिंधिया को उतार दिया था। कांग्रेस ने तब आज के शहंशाह अमिताभ बच्चन को भी ठीक उसी तरह मैदान में उतारा था जैसे इस चुनाव में भाजपा कंगना को लेकर आयी है।

झटके देने के तरिके में भी तब्दीली आ रही है । पहले टिकट काटकर या देकर झटके दिए जाते थे,अब पार्टियां स्टार प्रचारकों की सूची में नाम शामिलकर या नाम काटकर झटका देतीं है। मिसाल के तौर पर हरियाणा से भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई को पार्टी ने 3 दिन में दूसरा झटका दिया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए जारी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में उनका नाम गायब है। इस लिस्ट में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत एवं राजस्थान से विधायक बाबा बालकनाथ और केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का नाम शामिल है।भाजपा की स्टार प्रचारकों की सूची में मोदी जी के हनुमान अमित शाह का नंबर चौथा है। उनसे ऊपर राजनाथ सिंह ,जेपी नड्डा और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी खुद हैं।

झटका देने में केंचुआ भी पीछे नहीं है । केंचुआ ने हाल ही में बंगाली नेता सुश्री ममता बनर्जी पर टिप्पणी करने वाले भाजपा सांसद दिलीप घोष और कंगना रानौत पर टिप्पणी करने वाली कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस देकर झटकाने की कोशिश की है। केंचुआ ने सबसे पहले यानि चुनावों की घोषणा से भी कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी को भी एक एडवाइजरी जारी कर झटका देने की कोशिश की थी,लेकिन राहुल ठहरे झटकाप्रूफ नेता। दरअसल राहुल गांधी पिछले एक दशक में इतने झटके खा चुके हैं कि उनके ऊपर झटकों का असर होना ही बंद हो गया है । सियासत में ये झटकेबाजी कब तक चलने वाली है ये कोई नहीं जानता। इसलिए आप भी तेल देखिये और तेल की धार देखिये।

मुद्दा : महिलाओं में जागरूकता

कमलेश जैन

पिछले 30-35 वर्षों में जैसे-जैसे स्त्रियों में जागरूकता आई है, नये कानूनों के प्रति वैसे-वैसे उनके अंदर सदियों से दबे-कुचले होने, दोयम दर्जे की नागरिक होने का अहसास गहराया है। पहले वे इसे अपनी नियति मानती थीं, पर अब अधिकार। यह अधिकार खासकर शहरी, शिक्षित स्त्रियों ने समझा है। वे इस अधिकार को अब छीन कर, दूसरे पक्ष को कुचल कर, नेस्तनाबूद करना चाहती हैं। एक हिंसक प्रवृत्ति उनमें जाग गई है। यह घातक है समाज-देश के प्रति। वे जगें अच्छा है, अपना अधिकार भी पाएं पर दूसरे पक्ष को नष्ट करके यह अच्छा नहीं है। इसमें वे खुद भी कहीं की नहीं रहतीं। उनका भी परिवार नष्ट होता है। बच्चे तितर-बितर हो जाते हैं।

एक और बात भी है। वे ऐसा इसलिए करती हैं कि अकेली भी रहें तो तगड़ी एलिमनी या मेंटेनेंस लेकर, बिना काम किए अच्छा जीवन गुजार सकें। इस पूरे काम में उनके माता-पिता, भाई-बहन भी शामिल हो जाते हैं। वे उन्हें लड़ने-झगड़ने, अलग होने, बच्चा लेकर मायके बैठ जाने को प्रेरित करते हैं। ऐसे में उन्हें सास-ससुर, देवर-ननद के लिए कुछ भी करना शुरू से बोझ लगता है। ससुराल जाते ही उनकी रट लग जाती है अलग रहो, मां-बाप को छोड़ो, मेरे घर के पास रहो या वहीं रहो। मेरे मां-बाप की वैसी सेवा करो जैसे अपने मां-बाप की करते हो। वे भी तुम्हारे मां-बाप ही हैं आदि-आदि। आज असंतुष्ट जोड़े लाखों में हैं।

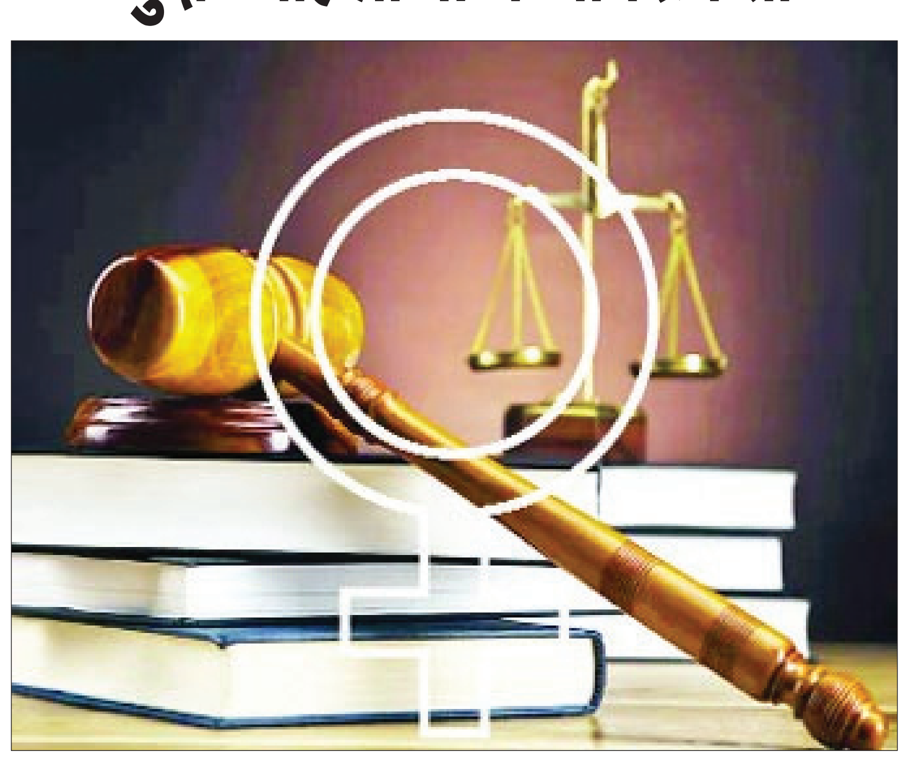

शुरू-शुरू में लड़की ससुराल वालों पर दहेज का, भरण-पोषण के अधिकार का, घरेलू हिंसा का, तलाक का अलग-अलग मुकदमा, चार अलग-अलग राज्यों में करती तो विभिन्न तारीखों पर पति हमेशा इस राज्य से उस राज्य, नौकरी छोड़ भागते रहने को मजबूर हो जाता। माता-पिता को दुखी देखते, 498ए आईपीसी में पूरे परिवार को, नाते-रिश्तेदारों को जेल जाते देख हताशा में वह आत्महत्या भी कर लेता था। पति बचाओ आंदोलन दूर-दूर तक फैलने लगे। वे खुले में अपना ऑफिस भी नहीं चला पाते थे। यह उनके लिए शर्म भरी बात थी कि पत्नी से पीड़ित हैं। ऐसे वकील भी शमार्ते थे, यहां तक कि न्यायालय पूरी तरह से वधुओं के पक्षधर लगते थे।

धीरे-धीरे अदालतों की भी आंखें खुलने लगी हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में देखा है कि स्त्रियों ने एक ही केस के 4-5 टुकड़े कर देश के 4-5 भागों में जाकर एक-एक केस करना शुरू किया है। पति चारों तरफ भागता हुआ, अपनी नौकरी, मानसिक शांति खोकर, परिवार को दुखी कर, हताश हो, 15-20 वर्षों में लुटा-पिटा सारी शर्तें मान नष्ट हो जाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय कहता है छह वर्ष होते-होते सर्वोच्च न्यायालय आओ और एलिमनी तलाक यहीं पाकर सारे झंझटों से मुक्ति पाओ। पर हैरानी की बात है कि वह ऐसा नहीं कह रहा कि एक ही मुकदमे में सारी बातें एक जगह कह कर सारे झगड़ों से मुक्त हो जाओ।

हाल का सर्वे कहता है-पिछले तीन सालों में देश भर में कार्यरत परिवार अदालतों में सवा तीन लाख से अधिक मुकदमे हुए हैं। यह खुलासा केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के आंकड़ों से हुआ है। इसकी वजह पति-पत्नी के बीच अहं (इगो) बताया जाता है। हम इसी बात से संतोष किए जा रहे हैं कि विवाद बढ़े तो पर सबसे कम तलाक भारत में होते हैं। देश भर में 812 परिवार अदालत कार्यरत हैं जहां 11 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। परिवार मामलों में विभिन्न तरीकों के केस का अर्थ है-घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, तलाक, बच्चों की कस्टडी, दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना, किसी भी व्यक्ति की वैवाहिक स्थिति की घोषणा, वैवाहिक संपत्ति का मामला, गुजारा भत्ता, पति-पत्नी में विवाद पर बच्चों से मिलने का अधिकार, बच्चों का संरक्षक होने का मामला आदि।

बीते तीन वर्षों में दाखिल घरेलू विवाद हैं-2021 में 4,97,447; 2022 में 7,27,587; 2023 में 8,25,502। बीते तीन वर्षों में निपटाए गए विवाद-2021 में 5,31,506; 2022 में 7,44,700 और 2023 में 8,27,000। ऐसा होने का मुख्य कारण है लड़कियों का ऐसे घर में विवाह करना जहां इकलौता लड़का हो, अमीर हो, अच्छी जॉब में हो, माता-पिता वृद्ध हों। ऐसे घर में विवाह करने के बाद लड़की के माता-पिता लड़की को ट्रेनिंग देते हैं-छोटी-छोटी बात पर किच-किच करो, अलग होने की जिद करो, चार-पांच केस करो, जहां जाओ वहां एक केस अलग-अलग राज्य में, हो सके तो एक बच्चा पैदा करो, प्रेग्नेंट होते ही मायके चली आओ, आते ही बच्चे और अपना मासिक भत्ता मांगो, हम साथ हैं। जो लड़की बचपन से मायके में है, उसे वहां का परिवेश जाना-पहचाना लगता है, मोटे माल, संपत्ति की आशा में अब उसे वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाता है मायके में। पर वह लड़की अपना भविष्य, अपने बच्चे का भविष्य नहीं सोचती। आसान जिंदगी की आशा में एक वीरान जिंदगी उसका आसरा देखती होती है। ऐसे में लड़कियां सोचें, सावधानी से आगे बढ़ें, केस करना है तो आपसी सहमति से तलाक लें, और जल्द अलग हो जाएं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बैंकाक में 45 वें इंटरनेशनल मोटर शो में एमजी साइबरस्टर कार को देखते हुए लोग।

मस्क और बेजोस के बीच लगातार चल रही है प्रतिद्वंदिता

- 27 दिन में 11 बार हो चुकी है उलट-पलट

वाशिंगटन । फोर्ब्स की रियल टाइम रिच लिस्ट में लगातार बदलाव हो रहा है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार इस महीने अब तक दूसरे स्पॉट पर 11 बार बदलाव हो चुका है। मजेदार बात यह है कि हर बार यह प्रतिद्वंदिता केवल 2 ही लोगों के बीच हो रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क, ये दोनों दुनिया के सबसे अमीर शख्स भी रह चुके हैं। हालांकि, फिलहाल यह ताज एलवीएमएच के संस्थापक बर्नार्ड आरनॉल्ट एंड फैमिली के पास है। फोर्ब्स के मुताबिक एलन मस्क और जेफ बेजोस दोनों की अनुमानित नेटवर्थ इस वक्त 196.4 अरब डॉलर ही है। इन दोनों की नेटवर्थ में अंतर इतना कम है कि शेयरों में हल्की हलचल से इनका स्थान बदल जा रहा है। वहीं दुनिया के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड आरनॉल्ट की तो उनकी अनुमानित नेटवर्थ 223.6 अरब डॉलर है। वहीं बर्नार्ड की अनुमानित नेटवर्थ भारतीय करेंसी में 18.607 लाख करोड़ रुपये है। इस महीने 6 मार्च को पहली बार मस्क को हटाकर जेफ बेजोस दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति का स्थान ले लेते हैं। हालांकि ये कुछ समय के लिए होता है और फिर इसी दिन मस्क दोबारा अपने स्थान पर हो जाते हैं। 8 मार्च को भी 2 बार ऐसा होता है। 13 मार्च को बेजोस एक बार फिर मस्क से आगे निकल जाते हैं। 18 मार्च को मस्क बेजोस को पछाड़कर आगे निकल जाते हैं। 19 मार्च को फिर बेजोस ऊपर और मस्क नीचे आ जाते हैं। अगले ही दिन यानी 20 मार्च को मस्क फिर ऊपर निकल जाते हैं। 21 मार्च को बेजोस और 26 मार्च को फिर मस्क ऊपर आ जाते हैं। 26 मार्च को ही बेजोस एक बार फिर मस्क को पटखनी देते हुए यूएस के सबसे अमीर और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन जाते हैं।

अडाणी गुजरात में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगाएगी

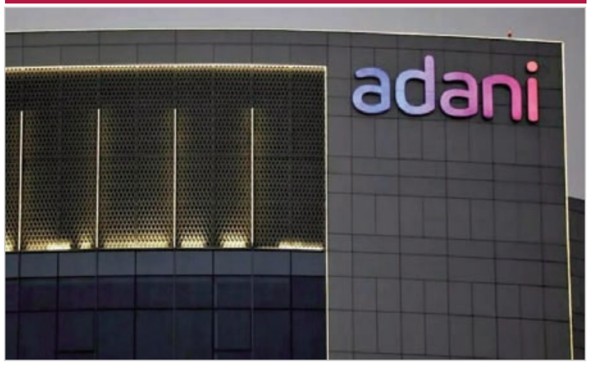

नई दिल्ली ।

अडाणी समूह ने गुजरात के मुंद्रा में अपने पहले तांबा संयंत्र शुरू करने की घोषणा की है। अडाणी एंटरप्राइजेज दो चरणों में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगा रही है।

बयान के अनुसार पहले चरण में करीब 1.2 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह धातु उद्योग में अडाणी समूह की शुरुआत का प्रतीक है। कंपनी ने कहा कि ग्रीनफील्ड इकाई की सफल प्रगति अडाणी समूह की बड़े पैमाने की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की क्षमता को दर्शाती है। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि कच्छ कॉपर (तांबा संयंत्र) का परिचालन शुरू होने के साथ अडाणी समूह न केवल धातु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, बल्कि भारत को एक स्थायी तथा आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी, भव्य-आकार की परियोजना को पूरा करने की हमारी गति भारत को वैश्विक तांबा क्षेत्र में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मानना है कि घरेलू तांबा उद्योग परिपक्व पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ हमारे हरित बुनियादी ढांचे को मजबूत करके 2070 तक हमारे देश के कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चालू होने पर हमारा आधुनिक स्मेल्टर नवीन हरित प्रौद्योगिकी पर अधिक जोर देने के साथ, तांबे के उत्पादन में नए मानक स्थापित करेगा। कच्छ कॉपर दूसरा चरण पूरा होने पर 10 लाख टन वार्षिक क्षमता के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान कस्टम स्मेल्टर होगा। इससे रोजगार के 2,000 प्रत्यक्ष तथा 5,000 अप्रत्यक्ष अवसर उत्पन्न होंगे।

मारुति सुजुकी दिग्गज भारतीय कंपनियों के ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी मारु ति सुजुकी दिग्गज भारतीय कंपे नियों के समूह में शो मिल हो गई है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने 27 मार्च को 4 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप का माइलस्टोन छू लिया है। ऐसा करने वाली वह देश की 19वीं लिस्टेड कंपनी बन गई है। साल 2024 में मारुति सुजुकी के शेयर 23 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। अब मारुति सुजुकी रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और एसबीआई जैसी दिग्गज कंपनियों के ग्रुप में शामिल हो गई है। हाल ही में मारुति सुजुकी की मार्केट वैल्यू अपनी पैरेंट कंपनी जापान की सुजुकी मोटर कॉर्प से दोगुनी हो गई थी। बुधवार को कारोबार के दौरान दोपहर 12.30 बजे बीएसई पर कंपनी के स्टॉक ने 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 12,724,95 रुपए का आंकड़ा छू लिया था। यह एक दिन पहले के आंकड़े से 4 फीसदी ऊपर चला गया था। शाम को इसके शेयर 2.40 फीसदी ऊपर जाकर 12,550 रुपए पर बंद हुए। इसके साथ ही कंपनी ने 4 लाख करोड़ रुपए की मार्केट वैल्यू हासिल कर ली थी।

इससे पहले रिलायंस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, एलआईसी, एचयूएल, आईटीसी, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, अडानी एनर्जी, अडानी ग्रीन, एचसीएल टेक, अडानी इंटरप्राइजेज, कोटक महिंद्रा बैंक और अडानी टोटल गैस ने यह माइलस्टोन हासिल किया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले मजबूत संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 655.04 अंकों की बढ़त के साथ ही 53,515.19 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 203.25 अंक बढ़कर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। ये तेजी बैंक, ऑटो, वित्तीय सेवाओं के साथ ही एफएमसीजी और आईटी शेयरों में आई। इसके अलावा निफ्टी के चार क्षेत्रों के अलावा अन्य सभी में उछाल रहा।

आज पेंट बनाने वाली कंपनी ग्रासिम, बजाज फिनजर्व, हीरो मोटोकॉर्प , बजाज फाइनैंस और ऑयशर मोटर्स के शेयर उछले। वहीं श्रीराम फाइनैंस , एक्सिस बैंक , बजाज ऑटो , टेक महिंद्रा और रिलायंस के शेयर नीचे आये । इससे पहले आज सुबह सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इंट्रा-डे कारोबार में मजबूती मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर खुले। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण बाजार बंद रहेंगे।

गुरुवार को एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 300 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 73,300 के स्तर पर खुला।

निफ्टी 50 को 22,200 के स्तर के ऊपर कारोबार करते देखा गया। मार्च में अब तक निफ्टी में 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और वित्तीय वर्ष 24 के लिए इसमें 27.4 फीसदी की तेजी आई है। आरबीआई द्वारा बैंकों और एनबीएफसी के लिए अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) में निवेश के मानदंडों में ढील देने के बाद बजाज फायनेंस और बजाज फिनसर्व लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप पर रहे। विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इंफोसिस और पावर ग्रिड अन्य उल्लेखनीय मूवर्स रहे।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सीडीएसएल में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) में अपनी पूरी 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। यह बिक्री 1,266 करोड़ रुपये में की गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सीडीएसएल के 75 लाख शेयर बेचे। हिस्सेदारी बिक्री औसतन 1,688.64 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर की गई। इससे सौदे का मूल्य 1,266.48 करोड़ रुपये है। एनएसई के पास उपलब्ध शेयरधारिता आंकड़ों के अनुसार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के पास दिसंबर, 2023 तक सीडीएसएल में 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। सीडीएसएल के शेयरों के खरीदारों के बारे में जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है। एनएसई में सीडीएसएल का शेयर 5.58 प्रतिशत टूटकर 1,689 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई में एक अलग लेनदेन में शिकॉगो स्थित इक्रिटी इंटरनेशनल ने खुले बाजार सौदे में 209 करोड़ रुपये में साम्ही होटल्स में 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है।

बीएचईएल को अडाणी पावर से मिला 4,000 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 1,600 मेगावाट के रायगढ़ चरण- 2 ताप-विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए अडाणी पावर लिमिटेड से 4,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इसे छत्तीसगढ़ के रायगढ़ चरण-2 में अति-महत्वपूर्ण तकनीक पर आधारित दो गुणा 800 मेगावाट की परियोजना के लिए उपकरणों की आपूर्ति, निर्माण और परिचालन के पर्यवेक्षण के लिए 27 मार्च, 2024 को ऑर्डर मिला है।

कल्पतरु और उसकी शाखाओ को मिले 2,071 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल और उसकी शाखाओं को 2,071 करोड़ रुपये के ठेके हासिल हुए हैं। कंपनी के अनुसार नए ठेकों में विदेशी बाजारों में ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय के ठेके शामिल हैं। इसके अलावा उसे भारत में एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना के डिजाइन व निर्माण का ठेका भी मिला है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ब्राजील में टीएंडडी ठेके तथा भारत में भूमिगत मेट्रो रेल-टनलिंग ठेके ने फास्टटेल और अर्बन इंफ्रा व्यवसाय के लिए भविष्य में विकास की संभावना को काफी बढ़ा दिया है। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है और 70 से अधिक देशों में इसकी वैश्विक उपस्थिति है।

2,500 एक्स यूजर्स को प्रीमियम सेवा मुफ्त

वाशिंगटन । अरबपति एलन मस्क ने गुरुवार को कहा कि 2,500 सत्यापित सब्सक्राइबर फॉलोअर्स वाले एक्स यूजर्स को प्रीमियम सुविधाएं मुफ्त में मिलेंगी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने यह भी कहा कि 5,000 से अधिक सत्यापित सब्सक्राइबर फॉलोअर्स वाले यूजर्स को प्रीमियम सेवा मुफ्त में मिलेगी। एक्स के मालिक की इस घोषणा का यूजर्स ने स्वागत किया और कुछ ने स्पष्टीकरण मांगा। एक फालोअर ने कहा कि यह वास्तव में अच्छी खबर है। लेकिन मैं स्पष्टीकरण चाहूंगा, क्या आप सत्यापित फालोअर्स की बात कर रहे हैं, या आप एक्स सदस्यता के संदर्भ में सब्सक्राइबर पर चर्चा कर रहे हैं? एक अन्य ने पोस्ट किया कि किसी के एक लाख फॉलोअर्स हो सकते हैं, लेकिन अगर उनके बीच सब्सक्राइबर्स 2,500 से कम हैं, तो प्रीमियम सेवा मुफ्त में नहीं मिलेगी।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.33 पर स्थिर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.33 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सकारात्मक घरेलू बाजारों और विदेशी कोषों के प्रवाह ने भारतीय मुद्रा में गिरावट को रोकने में मदद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.32 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों में गिरावट के बाद 83.33 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया बुधवार को चार पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.33 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.07 पर कारोबार कर रहा था।

गौतम अडानी ग्रुप का ऐलान, अपने पहले तांबा संयंत्र का परिचालन शुरू किया

अहमदाबाद ।

देश के बड़े कारोबारी घरानों में शुमार गौतम अडानी ग्रुप ने अपने कारोबार विस्तार को आगे बढ़ाकर गुरुवार को घोषणा की कि ग्रुप ने गुजरात के मुंद्रा में अपने पहले तांबा संयंत्र का परिचालन शुरू कर दिया है। अडाणी एंटरप्राइजेज दो फेज में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगा रही है। पहले फेज में करीब 1.2 अरब डॉलर का निवेश होगा। यह मेटल इंडस्ट्री में अदानी ग्रुप की शुरुआत का प्रतीक है। कंपनी ने कहा कि ग्रीनफील्ड यूनिट की सफल प्रगति समूह की बड़े पैमाने की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की क्षमता को दर्शाती है। खबर के मुताबिक, अदानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि कच्छ कॉपर (तांबा संयंत्र) का ऑपरेशन शुरू होने के साथ अदानी ग्रुप न सिर्फ धातु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, बल्कि भारत को एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जा रहा है। गौतम अडानी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी, भव्य-आकार की परियोजना को पूरा करने की हमारी गति भारत को वैश्विक तांबा क्षेत्र में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मानना है कि घरेलू तांबा उद्योग परिपक्व पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ हमारे हरित बुनियादी ढांचे को मजबूत करके 2070 तक हमारे देश के कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अदानी ने कहा कि प्लांट चालू होने पर हमारा आधुनिक स्मेल्टर न्यू ग्रीन टेक्नोलॉजी पर ज्यादा जोर देने के साथ, तांबे के उत्पादन में नए मानक स्थापित करेगा। कच्छ कॉपर दूसरा फेज पूरा होने पर 10 लाख टन वार्षिक क्षमता के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान 'कस्टम स्मेल्टर' होगा। इससे रोजगार के 2,000 प्रत्यक्ष और 5,000 अप्रत्यक्ष अवसर पैदा होने वाले हैं।

बैंकों में पिछले 10 सालों में 5.3 लाख करोड़ की धोखाधड़ी हुई

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा फ्राड के मामले देखे गए

नई दिल्ली ।

पिछले 10 सालों में देश के बैंकों में 5.3 लाख करोड़ रुपए के धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के बैंकों ने 2013-14 से 2022-23 के बीच कुल 4,62,733 धोखाधड़ी की सूचना दी। एक आरटीआई अर्जी के जवाब में पता चला कि महाराष्ट्र में सबसे जे यादा धोखाधड़ी की सूचना मिली। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में सबसे जे यादा बैंक फ्रॉड हुए। पिछले 10 वित्तीय वर्षों में कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में करीब 8 से 12 हजार फ्रॉड के मामले सामने आए हैं। इस बारे में केयर रेटिंग्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक धोखाधड़ी में वृद्धि देखी गई है, लेकिन बैंक क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की कुछ हालिया वार्षिक रिपोर्टों के विश्लेषण से पता चला है कि जे यादातर धोखाधड़ी कार्ड और डिजिटल या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए हुई है। वित्त वर्ष 23 में दर्ज किए गए कुल 13,530 मामलों में से 6,659 मामले कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए हुए। वहीं एडवांस राशि से जुड़े फ्रॉड की संख्या भी 4,109 से ज्यादा थी। एक साल पहले वित्त वर्ष 2022 में कुल 9,097 धोखाधड़ी मामलों में से एडवांस को लेकर फ्रॉड के 3,833 मामले सामने आए। वहीं

कार्ड और इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी के 3,596 माले सामने आए। आरबीआई ने 2 फरवरी को अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) मानदंडों को अपडेट करने की आड़ में हो रही धोखाधड़ी को लेकर ग्राहकों को सतर्क किया था। आरबीआई ने कहा कि ऐसे मामलों में कार्यप्रणाली में आमतौर पर ग्राहकों को फोन कॉल, एसएमएस या ईमेल सहित अनचाहे मैसेज मिलते हैं, जिसके माध्यम से उन्हें व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करने के लिए कहा जाता है, जिसमें बाद में हेरफेर किया जाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं के उपयोग में वृद्धि के कारण बैंक धोखाधड़ी में वृद्धि देखी गई है।

एसबीआई ने डेबिट कार्ड पर सालाना मेंटेनेंस चार्ज बढ़ाया

- 75 रुपए तक की बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से लागू

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने विभिन्न डेबिट कार्ड के लिए सालाना मेंटनेंस चार्ज को बढ़ाने की घोषणा कर दी है, जो अगले सप्ताह से प्रभावी होने वाली है। एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार विभिन्न डेबिट कार्ड के मामले में सालाना मेंटनेंस चार्ज में 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की जा रही है। यह मेंटेनेंस चार्ज 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी हो जाएगा। देश में करोड़ों लोग एसबीआई के डेबिट कार्ड का उपयोग करते हैं। एसबीआई ग्राहकों की संख्या के हिसाब से देश का सबसे बड़ा बैंक भी है। एसबीआई के क्लासिक, सिल्वर, ग्लोबल, कॉन्टैक्टलेस डेबिट कार्ड के मामले में अब ग्राहकों को मेंटनेंस चार्ज के रूप में 200 रुपए प्लस जीएसटी का भुगतान करना होगा। अभी यह चार्ज 125 रुपए प्लस जीएसटी है। इसी तरह युवा, गोल्ड, कॉम्बो डेबिट कार्ड, माय कार्ड (इमेज कार्ड) के मामले में 175 रुपए के बजाय 250 रुपए का चार्ज लगेगा। एसबीआई प्लैटिनम डेबिट कार्ड पर अब 250 रुपए की जगह 325 रुपए का चार्ज लगेगा। प्राइड और प्रीमियम बिजनेस डेबिट कार्ड के लिए सालाना मेंटनेंस चार्ज अब 350 रुपए से बढ़कर 425 रुपए हो जाएगा। सभी चार्ज पर अलग से जीएसटी लागू है। एसबीआई क्रेडिट कार्ड के मामले में भी कुछ बदलाव हो रहे हैं। एसबीआई कार्ड्स ने इसके बारे में बताया है कि उसके कुछ क्रेडिट कार्ड के मामले में रिवार्ड पॉइंट से जुड़े बदलाव 1 अप्रैल से लागू होने जा रहे हैं। इस बदलाव के तहत कुछ विशेष क्रेडिट कार्ड धारकों को क्रेडिट कार्ड से रेट पेमेंट करने पर अब रिवार्ड पॉइंट का फायदा नहीं मिलेगा।वहीं एसबीआई कार्ड के उन क्रेडिट कार्ड धारकों को भी नुकसान होने वाला है, जिन्हें अब तक क्रेडिट कार्ड से रेट पेमेंट करने पर रिवार्ड पॉइंट का लाभ मिल चुका है।

अडाणी पावर ने 19,700 करोड़ का ऋण एकल दीर्घकालिक ऋण में समेकित किया

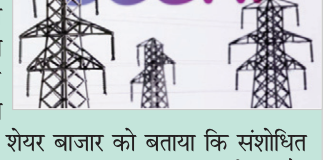

नई दिल्ली । अडाणी पावर ने कंपनी के छह विशेष प्रयोजन वाहनों द्वारा हो सिल 19,700 करोड़ रुपये की विभिन्न अल्पकालिक ऋण सुविधाओं को एक दीर्घकालिक ऋण में समेकित कर दिया है। अडाणी पावर ने शेयर बाजार को बताया कि संशोधित व्यवस्था से कंपनी को एक समान कार्यकाल का लाभ मिलेगा और प्रभावी ब्याज दर कम होगी। कंपनी के अनुसार अडाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) की क्रेडिट रेटिंग एए- तक बढ़ाए जाने के बाद आठ ऋणदाताओं वाले कंसोर्टियम वित्तपोषण व्यवस्था के तहत ऋण समेकन उसके छह विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) के समामेलन के साथ संभव हुआ। अडाणी पावर ने अलग से एक जानकारी में शेयर बाजार को बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महान एनर्जेन लिमिटेड (एमईएल) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के साथ 20 साल का दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता किया है। यह समझौता विद्युत नियम 2005 में परिभाषित कैप्टिव उपयोगकर्ता नीति के तहत 500 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए किया गया है।

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है । दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्र + थायरम 50त्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग –

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग –

प्रबंधन–

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)–

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)– प्रबंधन –

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे – पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3135

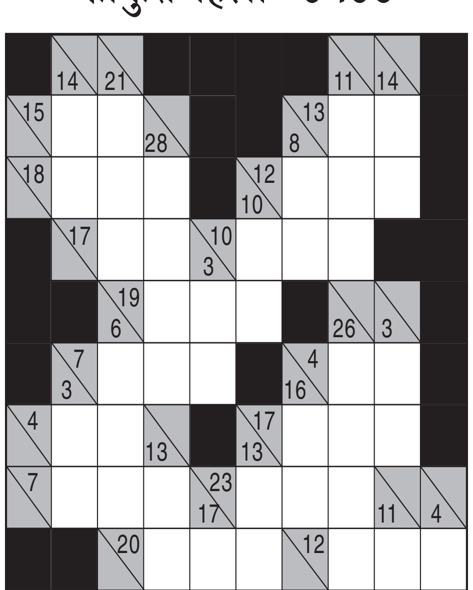

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

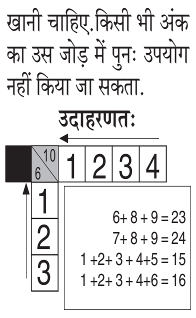

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3134 का हल

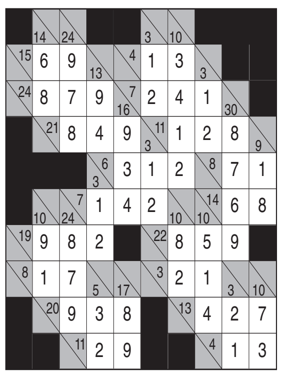

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुज़ूर।

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ़ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

फिल्म वर्ग पहेली- 3135

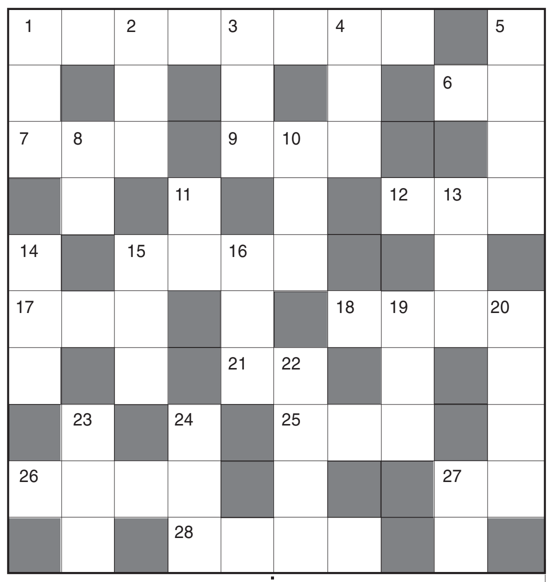

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसर्मी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3134

सूडोकु -3135

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3134 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -3135

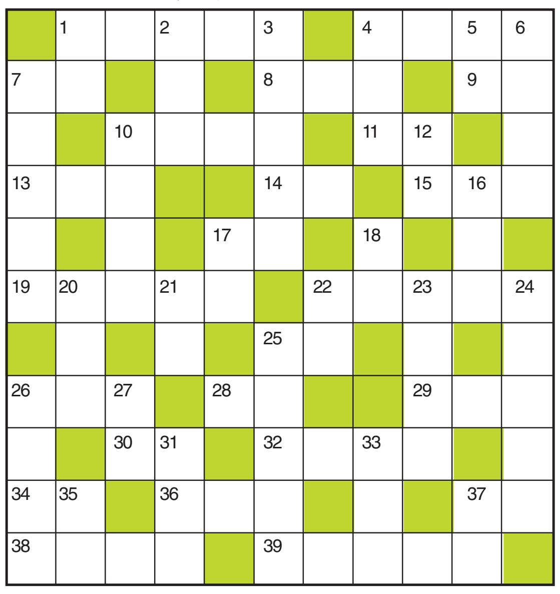

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3134 का हल

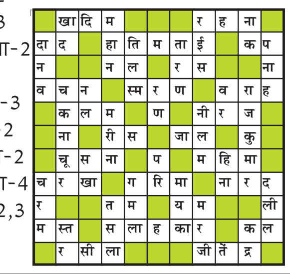

आरसीबी और केकेआर के बीच होगा कड़ा मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में कड़ा मुकाबला होगा। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। दोनों ही टीमों ने अब तक एक-एक मैच जीता है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। फाफ डु प्लेसी की कप्तानी में आरसीबी ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया जबकि श्रेयस अय्यर की कप्तानी में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार रनों से हराया था। दोनों ही टीमें अपने शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मुश्किलों में है। इस मैच में दोनों ही टीमें जमकर रन बना सकती हैं। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच सपाट और बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। इसमें नई गेंद से तेज गेंदबाजों को लाभ मिलता है। इसके पावरप्ले में बल्लेबाज जमकर शॉट्स खेलते है। वहीं धीमें गेंदबाज यहां हमेशा महंगे साबित हुए हैं। इसमें छोटी बाउंड्री से चौके-छक्के ज्यादा लगते रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए गेंदबाज गति में बदलाव कर बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल देते हैं। पिछले मैच में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अर्धशतक लगाया था जिससे आरसीबी की टीम उत्साहित है। टीम को कप्तान फाफ डुप्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार से भी अच्छी पारी की उम्मीदें हैं। वहीं केकेआर के पास शीर्ष और मध्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर , वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन और नीतिश राणा जैसे खिलाड़ी हैं जो ईडन गार्डंस पर सनराइजर्स के खिलाफ रन नहीं बना पाये थे। अब इन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल ने छठे, सातवें और आठवें नंबर पर उतरकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर पिछले मैच में शून्य पर ही आउट हो गये थे और अब इस मैच में वह भी रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रेयस का पिछला प्रदर्शन अच्छा रहा है। पिछले साल विश्व कप में उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ नाबाद 128 और दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टी-20 में 53 रन बनाए थे। वहीं गेंदबाजी में पिछले मैच में युवा नदीम ने 19 रन देकर एक विकेट लिया था पर मिचेल स्टार्क और वरूण चक्रवर्ती विफल रहे थे। आरसीबी की ओर से पिछले मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और यश दयाल ने अच्छी गेंदबाजी की थी पर अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। अब उन्हें भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी की बल्लेबाजी डु प्लेसी के अलावा विराट और मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी जबकि केकेआर की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा नीतिश राणा, मनीष पांडे और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी।

टीम

आरसीबी टीम : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

केकेआर टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतीश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा।

श्रीजेश एफआईएच एथलीट समिति के सह अध्यक्ष बने, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

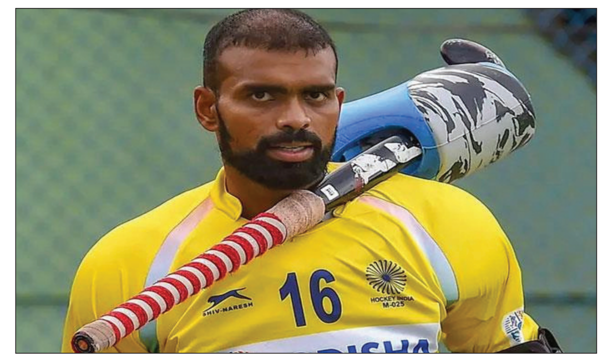

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पी आर श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह साथी खिलाड़ियों की बेहतरी में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने बुधवार को नई एथलीट समिति का ऐलान किया जिसके अध्यक्ष श्रीजेश और चिली महिला हॉकी टीम की डिफेंडर कामिला कारम होंगी। कारम को कार्यकारी बोर्ड में एथलीट समिति का प्रतिनिधि और सह अध्यक्ष बनाया गया है जबकि श्रीजेश सह अध्यक्ष होंगे के साथ नियोजन और बैठकों में अगुवाई करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'यह देखकर अच्छा लगा कि पी आर श्रीजेश को एफआईएच में ऐसी भूमिका मिली है जो हॉकी खिलाड़ियों के जीवन को सीधे प्रभावित कर सकती है। उनके पास अपार अनुभव है और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए वह बहुत कुछ कर सकते हैं।' एफआईएच एथलीट समिति सलाहकार ईकाई है जो एफआईएच कार्यकारी बोर्ड, समितियों, सलाहकार पेनल और अन्य ईकाइयों को सलाह देती है। उनका काम खिलाड़ियों की ओर से एफआईएच को फीडबैक देने के साथ खिलाड़ियों के लिए संसाधनों और नई पहल का विकास करना है।

सूर्यकुमार जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से करेंगे वापसी, बीसीसीआई सूत्र ने फिटनेस पर दी जानकारी

नई दिल्ली(एजेंसी) । दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और आईपीएल के कुछ और मैचों में नहीं खेल पाएंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है। मुंबई इंडियन्स के लिए खेलने वाले सूर्यकुमार मौजूदा सत्र में अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं और उनकी टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने कहा, 'सूर्या (सूर्यकुमार) काफी अच्छी प्रगति कर रहा है और काफी जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से वापसी करेगा। शुरुआती दो मैच में नहीं खेल पाने के बाद हालांकि उसे कुछ और मुकाबलों से बाहर रहना पड़ सकता है।' मुंबई इंडियन्स को सूर्यकुमार की कमी खल रही है लेकिन बीसीसीआई इस आक्रामक बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, 'बीसीसीआई के लिए मुख्य चिंता यह है कि वह टी20 विश्व कप में खेलने की राह पर हैं या नहीं और वह इस स्थिति में है।' मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए 33 साल के सूर्यकुमार की तुलना कई बार दक्षिण अफ्रीका के संन्यास ले चुके दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स से होती है। उन्होंने इस प्रारूप में 171.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने भारत के लिए 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में चार शतक की मदद से 2141 रन बनाए हैं।

क्लासेन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

–पर्पल कैप के लिए मुस्ताफिजुर का दावा

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में सनराइजइर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप पर अपना दावा मजबूत कर लिया है। क्लासेन की पारी की सहायता से सनराइजइर्स ने इस मैच में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर पांच बार की खिताब विजेता मुम्बई इंडियंस का हराया। क्लासेन अब इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस प्राकर उन्होंने ऑरेंज कैप की दौड़ में आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है।

क्लासेन ने अपनी पारी के दौरान 34 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 235.29 रन रहा। इस पारी के बल पर क्लासेन इस आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। क्लासेन के अब 2 मैचों में 143 रन हो गए हैं। वहीं आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के 2 मैचों में 98 रन हैं और वह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं। अभिषेक ने 2 मैचों में 95 रन बनाए हैं। वहीं मुम्बई के तिलक वर्मा 89 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि सैम करेन 86 रन के साथ पांचवें नंबर हैं।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान पहले नंबर पर होने के साथ ही पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। मुस्ताफिजुर ने 2 मैचों में सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए हैं। वहीं 11 गेंदबाजों के एक समान 3 विकेट हैं पर लेकिन बेहतर इकॉनोमी रेट की वजह से पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार दूसरे नंबर पर हैं। सनराइजर्स के तेज गेंदबाज टीम नटराजन तीसरे जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स के हर्षित राणा चौथे व मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह पांचवें नंबर पर हैं।

मफाका सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बने

हैदराबाद । मुम्बई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं । मफाका इस मैच में प्रभावित नहीं कर पाये और उनकी गेंदों की जमकर पिटाई हुई । हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने मफाका के दूसरे ही ओवर में 22 रन बना दिये । हेड ने इस गेंदबाज के खिलाफ दो छक्के और दो चौके लगाये । मफाका से पहले आईपीएल डेब्यू करने वाले सबसे युवा विदेशी खिलाड़ी बांग्लादेश के मुजीब उर रहमान थे । मुजीब ने 17 वर्ष, 11 दिन की उम्र में पहली बार आईपीएल खेला था । मफाका ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर इस 17 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अंडर 19 विश्व कप में 9.71 की औसत से 21 विकेट लिए थे और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था । इसके अलावा इस गेंदबाज के नाम अंडर–19 विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक तीन बार 5 विकेट लेने का भी रिकार्ड है ।

सनराइजर्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बोले अभिषेक शर्मा– आउट होने के बाद मुझे पता चला

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि मुंबई के खिलाफ रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी प्रदर्शन के पीछे टीम प्रबंधन का खुलकर खेलने का संदेश था। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड की झड़ी लगाते हुए मुंबई के खिलाफ आईपीएल का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 277 रन बनाक 31 रन से जीत दर्ज की । ट्रेविस हेड ने 24 गेंद में 62 और शर्मा ने 23 गेंद में 63 रन बनाए जबकि हेनरिच क्लासेन ने 34 गेंद में नाबाद 80 रन की पारी खेली । इससे पहले आईपीएल का सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 263 रन था जो 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बनाया था । शर्मा ने कहा, 'मुझे अहसास ही नहीं हुआ कि यह सनराइजर्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक था । मैं सिर्फ खुलकर खेलना चाहता था और आउट होने के बाद ही मुझे यह पता चला । मुझे काफी मजा आया ।' उन्होंने कहा, 'मैच से पहले टीम बैठक में बल्लेबाजों के लिए सीधा और साफ संदेश था कि मैदान पर उतरकर खुलकर खेलो। यह काफी सकारात्मक संदेश था जो कप्तान और कोच से मिला था। इससे सभी बल्लेबाजों को मदद मिली ।' ट्रेविस और शर्मा ने सिर्फ 22 गेंद में 68 रन की साझेदारी की । उन्होंने कहा, 'ट्रेविस मेरे पसंदीदा बल्लेबाजों में से है और उनके साथ बल्लेबाजी करके काफी मजा आया ।'

मैड्रिड स्पेन मास्टर्स 2024: पीवी सिंधु का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल में की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में पूरी तरह से सिंधू का दबदबा दिखा जिन्हें विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज ताइवान की क्वालीफायर खिलाड़ी से कोई चुनौती नहीं मिली।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने 36 मिनट तक चले मैच को 21-14, 21-12 से अपने नाम किया। पिछले सत्र की उपविजेता सिंधू के सामने अब थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त सुपानिदा केटथोंग या जापान की नात्सुकी निदाइरा में से किसी एक की चुनौती होगी। सिंधू ने शुरुआती गेम में 3-0 की बढ़त बनायी लेकिन इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए लय गंवा दी। वह लगातार शटल को नेट पर खेल रही थी जिससे उनकी बढ़त घट कर 7-6 हो गयी।

भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया और प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए अपनी बढ़त को 18-12 करने में सफल रही। सिंधू ने इसके बाद आठ गेम प्वाइंट हासिल किये और तीसरे प्रयास में उसे भुना कर पहला गेम जीत लिया। छोर बदलने के बाद भी यू-हसुन का संघर्ष जारी रही। उनके पास सिंधू के ताकतवर प्रहार का कोई जवाब नहीं था। ताइवान की यह खिलाड़ी बार-बार शटल को कोर्ट के बाहर खेल रही थी। उन्होंने 'ड्रॉप शॉट' और 'प्लेस्मेंट' का इस्तेमाल किया लेकिन स्मैश में कोई ताकत नहीं होने से सिंधू को परेशान नहीं कर सकीं।

इस गेम में सिंधू ने आठ मैच प्वाइंट हासिल किये और यू-हसुन के शटल को नेट पर खेलने के साथ ही मुकाबला जीत लिया। पिछले दो सप्ताह में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और स्विस ओपन में खिताब जीतने वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन की कैरोलिना मारिन के टूर्नामेंट से हटने के बाद सिंधू इस प्रतियोगिता में चैम्पियन बनने की मजबूत दावेदार हैं। सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर अपना पिछला खिताब 2022 सिंगापुर ओपन सुपर 500 में जीता था।

आईपीएल उद्घाटन समारोह को रिकार्ड संख्या में दर्शकों ने देखा

मुंबई । आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है । इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 17वें सत्र के पहले दिन उद्घाटन समारोह और मैच को रिकॉर्ड 16 करोड़ 80 लाख लोगों ने देखा।

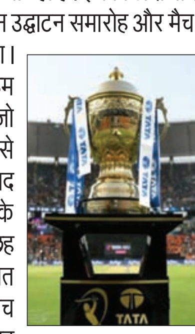

आईपीएल के पहले दिन के खेल का 'वाचटाइम (देखने का समय) 1276 करोड़ मिनट रहा जो किसी भी सत्र में पहले दिन का एक रिकॉर्ड है । इससे पहले के सत्रों में कभी भी पहले दिन इतनी बड़ी तादाद में प्रशंसक नहीं थे। इसके साथ ही आईपीएल के 17वें सत्र में पहले दिन डिजनी स्टार नेटवर्क पर छह करोड़ से अधिक लोगों ने मैच देखा। वहीं गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराया था । प्रसारणकर्ता कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'यह बड़ी उपलब्धि है जो दर्शकों के इस खेल के प्रति प्यार के कारण ही संभव हो पायी है । हम अपने सभी साझेदारों और बीसीसीआई के साथ ही टूर्नामेंट के प्रायोजक टाटा आईपीएल के प्रति आभार प्रकट करते हैं ।

बुमराह को शुरुआत में गेंदबाजी नहीं दिये जाने से हैरान हैं स्मिथ

–पांड्या के रवैये पर सवाल उठाये

हैदराबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को देर से ओवर दिये जाने के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या की आलोचना की है। स्मिथ ने कहा कि वह इससे हैरान हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि पांड्या ने इस प्रकार का फैसला कैसे किया। उन्होंने कहा कि 13वें ओवर तक बुमराह जैसे मुख्य गेंदबाज को केवल एक ओवर ही दिया जाना हैरान करने वाला है।

स्मिथ ने बताया, मैं मुंबई के लिए पहली पारी में उनके गेंदबाजी में कुछ बदलावों से हैरान था। चौथे ओवर में बुमराह ने गेंदबाजी की, उन्होंने 5 रन दिए और फिर हमने उन्हें 13वें ओवर तक दोबारा नहीं देखा, जब वे 173 रन पर थे। तब तक सनराइजर्स को बढ़त मिल गयी थी। शुरुआत में ही अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को लगाने की जरूरत थी पर ऐसा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पांड्या ने कुछ फैसले गलत लिए। मेरा कहना है कि आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक को एक ओवर ही गेंदबाजी करने के लिए नहीं कह सकते। स्मिथ ने कहा कि बुमराह को देर से आक्रमण पर दोबारा शामिल किया गया पर तब तक बल्लेबाजों के लय में आने से वह प्रभावहीन हो गए। उन्होंने कहा, जब गेंद इस तरह घूम रही होती है, तो आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को अपनी इच्छा से पहले वापस लाना होता है। यह बस चलते-फिरते खुद को ढालने के बारे में है और मैं 15वें, 16वें ओवर तक बुमराह के ओवर खत्म कर चुका होता कुछ विकेट लेने की कोशिश करें, अगर उसे विकेट मिलते हैं, तो आप वैसे भी गति धीमी कर देते हैं।

हनुमा की मुश्यिलें बढ़ीं, एसीए ने नोटिस दिया

बेंगलुरू । बल्लेबाज हनुमा विहारी की मुश्किलें बढ़ सकती है । आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने हनुमा के गत माह दिये विवादास्पद बयान के लिए उन्हें नोटिस जारी किया था जिसका उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है । हनुमा ने तब एसीए की आलोचना करते हुए कहा था कि उन्हें गलत तरीके से कप्तानी से हटा दिया गया था ।

हनुमा ने ये भी कहा था कि अब वह कभी भी आंध्र की ओर से नहीं खेलेंगे । इसके बाद एसीए की शीर्ष परिषद की बैठक में ये मामला उठा था और हनूमा को नोटिस जारी किया गया था जिसका उन्होंने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है । एसीए के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने कुछ दिन पहले उसे नोटिस जारी किया है और जवाब का इंतजार है । उन्होंने कहा, 'हम केवल यह जानना चाहते हैं कि उन्होंने ऐसी प्रतिक्रिया किस कारण से दी थी । उन्होंने हमसे संपर्क नहीं किया । उनके पास अपनी बात कहने का ये अवसर है । हम प्रदेश क्रिकेट के विकास में उनके योगदान की सराहना करते हैं । वहीं रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के खिलाफ आंध्र की हार के बाद इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद ही उसके कप्तानी से हटा दिया गया था । उस समय उन्होंने हालांकि कहा था कि निजी कारणों से उन्होंने यह फैसला लिया है । वहीं सोशल मीडिया में इस क्रिकेटर ने लिखा था कि एक स्थानीय नेता के बेटे को उन्होंने फटकारा था इसी कारण उन्हें कप्तानी से हटाया गया था ।

ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 के लिए राष्ट्रीय अनुबंध की घोषणा की, कई बड़े खिलाड़ी हुए बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 के लिए केंद्रीय अनुबंधित पुरुष खिलाड़ियों के 23 सदस्यीय समूह की घोषणा की जिसमें अनुभवी ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस, स्पिनर एश्टन एगर के साथ सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस, तेज गेंदबाज माइकल नेसर सूची में शामिल नहीं हैं।

स्टोइनिस हाल के दिनों में पीठ की चोटों से जूझ रहे हैं और पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड टी20 दौरे से चूक गए थे। उन्होंने कोच जस्टिन लैंगर के नेतृत्व में आईपीएल 2024 के ओपनर के रूप में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए वापसी की और नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 3 रन बनाए जबकि गेंदबाजी नहीं की। इस बीच एगर ने पिछले सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है, जहां मार्नस लाबुशेन के साथ मैच जिताने वाली साझेदारी के दौरान उन्हें पिंडली में चोट लग गई थी।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को इसमें जगह नहीं मिली है क्योंकि उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। अनुबंध सूची में अपग्रेड होने के बाद ऑलराउंडर मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी और तेज गेंदबाज नाथन एलिस को नए खिलाड़ी हैं। युवा दाएं हाथ के जेवियर बार्टलेट ने भी इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से प्रभावित करने के बाद पूर्णकालिक अनुबंध हासिल किया।

शॉर्ट ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार एकदिवसीय मैच खेले। इसी तरह हार्डी ने डरबन में उसी खेल में 7 टी20आई और चार एकदिवसीय मैच खेलकर अपना ऑस्ट्रेलियाई पदार्पण किया। बार्टलेट ने बिग बैश लीग और क्वींसलैंड के लिए प्रभावित किया है और इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के साथ खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टी20 और एकदिवसीय टीमों में जगह बनाई है। उन्होंने मेलबर्न में पदार्पण पर 4-17 के साथ शानदार प्रदर्शन किया, फिर कैनबरा में 4-21 के साथ प्रभावित किया।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के पुरुष अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, 'मैट, आरोन और जेवियर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के शुरुआती दौर में बेहद प्रभावशाली रहे हैं। उनका प्रदर्शन और जिस तरह से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनाया है, वह देखना रोमांचक रहा है। पैनल का मानना ??है कि उनके पास मजबूत भविष्य है और वे अपने अनुबंध के हकदार हैं क्योंकि वे ऑस्ट्रेलियाई सेटअप में नियमित बनने के प्रयास में काम करते हैं।'

बेली ने कहा कि स्टोइनिस, एगर और नेसर राष्ट्रीय चयन के लिए फ्रेम में बने हुए हैं और अभी भी हैं। अगले साल के लिए अपने राष्ट्रीय अनुबंध खोने के बावजूद जून में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप में भूमिका निभाने का अनुमान है। बेली ने कहा, 'हम अप्रैल के अंत में एक टीम तैयार करने के लिए एक साथ आएंगे और 'स्टोइन' और एश एगर दोनों टीम में मजबूती से शामिल होंगे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुबंधित पुरुष खिलाड़ी 2024-25

सीन एबॉट, जेवियर बार्लेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन , मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एडम जम्पा

टेबल टेनिस खिलाड़ी पोयमंती की सहायता करेगा अदाणी समूह

अहमदाबाद । युवा महिला टेबल टेनिस स्टार पोयमंती बैस्या की सहायता के लिए अदाणी समूह सामने आया है । अडानी समूह ने अपनी गर्व है पहल के तहत पोयमंती को समर्थन देने की घोषणा की है । इस कारोबारी समूह का कहना है कि पोयमंती में शीर्ष स्तर पर पहुंचने की क्षमताएं हैं और उसे इसके लिए सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध करायी जाएगी । पश्चिम बंगाल के हुगली की रहने वाली पोयमंती ने अपने अब तक के करियर में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है । 2019 में वेस्ट जोन राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट में चैम्पियन रही पोयमंती ने 85वें सीनियर नेशनल में अयहिका मुखर्जी को हराकर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीती थी । इसके अलावा, उन्होंने ओलंपियन सुतीर्था मुखर्जी के साथ महिला युगल में भी जीत दर्ज की थी । इसके अलावा वह मिश्रित युगल स्पर्धा में आकाश पाल के साथ उपविजेता रहीं थीं ।

वरुण ने टिकट कटने के बाद पीलीभीत के नाम लिखा भावुक संदेश

-मेरा आपसे रिश्ता प्रेम और विश्वास का, मैं आपका था, हूं और रहूँगा

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कई नए चेहरे तो कई सांसदों को दोबारा भी टिकट दिया है, लेकिन उत्तरप्रदेश के पीलीभीत सीट से इस बार उन्होंने वरुण गांधी का टिकट काट कर जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा है, जिससे वरुण गांधी अपनी पार्टी से काफी नाराज हैं। बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख खत्म होने के बाद अब वरुण ने पीलीभीत की जनता के नाम एक भावुक संदेश लिखा है। वरुण गांधी ने पत्र में लिखा- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों पीलीभीत की जनता की सेवा करने का मौका मिला। एक सांसद के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। पत्र में वरुण ने आगे लिखा- एक सांसद के तौर पर मेरा कार्यकाल भले खत्म हो रहा हो, पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं होगा। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर सही, मेरा पूरा जीवन आपकी सेवा के लिए है और मेरे दरवाजे आपके लिये हमेशा खुले रहेंगे। वरुण ने कहा कि मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज आपसे यही आशीर्वाद मांगता हूं कि मैं हमेशा यह कार्य करता रहूं, भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। मेरा और पीलीभीत का रिश्ता प्रेम और विश्वास का है, मैं आपका था, हूं और रहूँगा। वरुण गांधी ने अपने पत्र में अपनी मां मेनका गांधी का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि अनगिनत यादों ने मुझे भावुक कर दिया है। मुझे वो 3 साल का छोटा सा बच्चा याद आ रहा है जो अपनी मां की उँगली पकड़ कर 1983 में पहली बार पीलीभीत आया था, उसे कहां पता था एक दिन यह धरती उसकी कर्मभूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे।

सीएम केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के यहां ईडी का छापा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच ईडी लगातार छापेमारी कर रही है। अभी हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि अब ईडी ने केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के घर पर भी छापमार कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के रिश्तेदार एसपी गुप्ता के घर पर 26 मार्च को सुबह 8 बजे से 27 मार्च शाम 6 बजे तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा। एसपी गुप्ता का घर दिल्ली के सुंदर नगर इलाके में है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी ने फेमा के एक पुराने मामले में गुप्ता के घर पर छापा मारा है लेकिन ईडी को वहां क्या मिला इसकी जानकारी नहीं लग पाई है।

नींबू को खरीदने की होड़ : 2 लाख 36 हजार में बिके 9 नींबू

चैन्नई। वैसे तो नींबू 5-10 रुपए में आसानी से मिल जाते हैं लेकिन इन निंबुओं की कीमत सुनकर आपको आश्चर्य होगा। यहां 9 नींबू 2 लाख 36 हजार में बिके हैं। वार्षिक पंगुनी उथिरम उत्सव के दौरान विल्लुपुरम के तिरुवनैनल्लूर गांव में दो पहाड़ियों के संगम पर स्थित एक छोटे से मंदिर में सैकड़ों नि :संतान जोड़े भगवान मुरुगा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा नीलाम किए गए नींबू के लिए बोली लगाते हैं। तमिलनाडु के विल्लुपुरम मंदिर में भगवान की मूर्ति के साथ लगे भाले पर निंबू चढ़ाया जाता है। इसके बाद इन निंबूओं की बोली लगाई जाती है। बीते मंगलवार को भी इसकी नीलामी की गई और 9 निंबू 2.36 लाख रुपये में बिके। ऐसी मान्यता है कि जिन दंपतियों को संतान नहीं होता है, उन्हें इसके पानी का सेवन करने से संतान की प्राप्ति होती है और परिवार में समृद्धि भी आती है। रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रामीण ने कहा, मंदिर अपने पवित्र नींबूओं के लिए प्रसिद्ध है। लोगों का दृढ़ विश्वास है कि भगवान मुरुगा के भाले में लगे नींबू में जादुई शक्तियां हैं।एक दूसरे ग्रामीण ने कहा, नि :संतान दंपति नींबू खरीदते हैं क्योंकि ऐसी दृढ़ मान्यता है कि नींबू बांझपन को ठीक करता है। व्यापारी और व्यवसायी अपने व्यापारिक उद्यमों में समृद्धि की तलाश में नींबू खरीदते हैं। यह त्योहार नौ दिनों तक चलता है। मंदिर के पुजारी हर दिन एक नींबू काटते हैं। उत्सव के आखिरी दिन मंदिर प्रबंधन नींबू की नीलामी करता है। त्योहार के पहले दिन भाले पर लगा नींबू सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है। कुलाथुर गांव के एक कपल ने 50,500 रुपये में नींबू खरीदा। नींबू के लिए बोली लगाने के बाद उन्होंने स्नान किया और मंदिर के पुजारियों के सामने घुटने टेककर उन्हें प्राप्त किया।

टोल पर महंगाई की मार,दिल्ली से मेरठ और हापुड़ से जयपुर तक का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली। महंगाई की मार अब टोल पर भी पड़ रही है। मतलब चार पहिया वाहनों को अब टोल टैक्स ज्यादा देना पड़ेगा।अब लोगों को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर करने के लिए पांच रुपए अधिक शुल्क देना होगा। अभी तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से हापुड़ की तरफ जाने पर छिजारसी (पिलखुवा) टोल प्लाजा पर 165 रुपये टोल लिया जा रहा था जो एक अप्रैल से 170 रुपए हो जाएगा।वहीं, सराय काले खां से मेरठ तक का काशी (परतापुर) टोल प्लाजा पर 160 रुपए टोल देना होता था जो अब 165 रुपए देना होगा। इसी तरह से छिजारसी टोल प्लाजा से मासिक पास 330 रुपए में अभी तक जारी किया जाता था जो अब एक अप्रैल से 340 रुपए में जारी किया जाएगा। एनएचएआई ने कार, हल्के व्यावसायिक वाहन समेत सभी श्रेणी के वाहनों से ली जाने वाली टोल दरों में इजाफा किया है।इसके साथ ही मासिक पास भी 10 रुपए प्रति महीने के हिसाब से महंगा हो गया है। ध्यान रहे कि नेशनल हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों को मासिक पास जारी किया जाता है। यह सिर्फ निजी श्रेणी के वाहनों के लिए जारी होती है। हालांकि मासिक पास को एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा पर जारी नहीं किया जाता है। एचएसआईआईडीसी की तरफ से केएमपी एक्सप्रेस वे पर टोल शुल्क को 29 मार्च तक तय कर दिए जाएंगे।एनएचएआई से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि टोल दरों में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है, जो हर एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे के हिसाब से अलग-अलग है। दिल्ली में प्रतिदिन दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-अंबाला, दिल्ली- रोहतक नेशनल हाईवे के साथ ही दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिए निजी और कमर्शियल वाहनों का आवागमन होता है।

राजनीति देश की सेवा करने का जरिया : कंगना रनौत

- हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही एक्ट्रेस

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि भारत के लोगों ने उन जैसे एक कलाकार को बहुत कुछ दिया है और वह उसे समाज को लौटाना जरूरी समझती हैं और राजनीति ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री ने एक इवेंट के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का नहीं, बल्कि देश की सेवा करने का जरिया है।उन्होंने कहा -'भगवान दयालु रहे हैं और उन्होंने मुझे बहुत आशीर्वाद दिया है। मेरे लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का साधन नहीं है, यह लोगों की सेवा करने का एक तरीका है। सार्वजनिक शख्सियतों और अभिनेताओं के रूप में हम उस बिंदु पर पहुंच जाते हैं, जहां दर्शक भी समाज को वापस देने के मामले में हमसे कुछ उम्मीद करते हैं।' 'मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब लोगों की वजह से है और भाजपा लोगों की पार्टी है। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि कोई कसर न छोड़ूं और लोगों ने मुझे जो आशीर्वाद दिया है, उसकी तुलना में उन्हें कहीं अधिक लौटाऊं। मैंने भाई-भतीजावाद शब्द का इस्तेमाल किया था और मैं कहना चाहूंगा कि भाजपा एक निष्पक्ष दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली वाली राजनीतिक पार्टी है।कंगना ने यह भी कहा कि वह पार्टी में बॉलीवुड स्टार के तौर पर नहीं, बल्कि एक पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा, 'आज मैं इस पार्टी में एक बॉलीवुड स्टार के तौर पर शामिल नहीं हुई हूं, मैं एक कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का हिस्सा बनी हूं। पार्टी व समाज के हित में काम करूंगी। आज बहुत सारे लोग यहां एकत्र हुए हैं और उन्होंने मुझे इस रास्ते पर मार्गदर्शन करते हुए यह अवसर दिया है।कंगना के पिता अमरदीप रनौत ने उनके बयान को दोहराते हुए कहा कि अभिनेत्री समाज के लिए काम करने के लिए पार्टी में शामिल हुई हैं।

चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य

अमेरिका की लगातार बयानबाजी पर विदेश मंत्रालय ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को जब्त करने पर टिप्पणी को लेकर भारत द्वारा अमेरिकी राजनयिक को समन भेजने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कल भारत ने अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणियों के संबंध में अपनी कड़ी आपत्ति और विरोध दर्ज कराया। विदेश विभाग की हालिया टिप्पणियां अनुचित हैं। हमारी चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर ऐसा कोई भी बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत में कानूनी प्रक्रियाएं कानून के शासन से ही संचालित होती हैं। जिस किसी का भी लोकाचार समान है, विशेषकर साथी लोकतंत्रों को, इस तथ्य की सराहना करने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

भारत को अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है। हम उन्हें किसी भी प्रकार के अनुचित बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपसी सम्मान और समझ अंतरराष्ट्रीय संबंधों की नींव बनाते है, और राज्यों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। अमेरिका ने एक बार फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में कमेंट किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सिर्फ केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले बल्कि उन्होंने कांग्रेस के फ्रीज बैंक खातों का मुद्दा भी उठा दिया। आपको बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से एक दिन पहले भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की गई थी।

अमेरिका ने निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अपना आह्वान को दोहराया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने नई दिल्ली में अमेरिकी मिशन के कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को भारत द्वारा तलब किए जाने पर सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लॉक कार्यालय में कल लगभग 40 मिनट तक बैठक चली, जिसमें भारत ने श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिकी टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई।

कंगना पर टिप्पणी ने बढ़ाई सुप्रिया श्रीनेता की मुश्किलें

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बनी अभिनेत्री कंगना रनौट पर कथित टिप्पणी कर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की मुश्किलें बढ़ गई है। कंगना पर आपत्तिजनक कमेंट करने पर सुप्रिया को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच अब कांग्रेस पार्टी ने भी उनपर सख्ती बरती है। कांग्रेस ने सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से किए गए गलत पोस्ट पर उन्हें सख्त संदेश दिया है। पार्टी ने सुप्रिया का उस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट काट दिया है, जहां से वो उम्मीदवार के रूप में 2019 का चुनाव लड़ी थीं। सुप्रिया ने पिछला लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से लड़ा था, लेकिन वह भाजपा के पंकज चौधरी से हार गयी थीं। इससे पहले चुनाव आयोग ने सुश्री श्रीनेत को उनके पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बुधवार को अपनी आठवीं सूची की घोषणा की। इसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और झारखंड के लिए 14 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। पार्टी अब तक 208 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने इस बार कंगना रनौट पर की गई कथित पोस्ट के बाद श्रीनेत को हटाकर वीरेंद्र चौधरी को इस सीट से टिकट दिया है। श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से रनौट की तस्वीर और अपमानजनक कैप्शन के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट डाला गया था। हालांकि, श्रीनेत ने तुरंत स्पष्ट किया कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और उनमें से एक ने ये अनुचित पोस्ट किया है।

लालू यादव ने पप्पू यादव के साथ कर दिया खेला

कांग्रेस के अगले कदम का इंतजार

पटना (एजेंसी)। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस में खींचतान के बीच लालू के करीबी पप्पू यादव के साथ बड़ा खेल हो गया। कोई सीट नहीं मिलने से पप्पू यादव दुःखी जरूर हैं, लेकिन अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर देने के बाद वो पीछे नहीं हटना चाह रहे हैं। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला तक अभी सामने नहीं आया है।

बिहार में पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी कर रहे हैं। ऐन वक्त पर लालू यादव ने पूर्णिया जिले की ही रुपौली सीट से नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की विधायक बीमा भारती को राष्ट्रीय अपनी पार्टी आरजेडी जॉइन कराकर लोकसभा का टिकट थमा दिया। पूर्णिया से बीमा की उम्मीदवारी का ऐलान भी लालू, तेजस्वी ने नहीं, खुद बीमा भारती ने ही सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया था।

पूर्णिया सीट पर आरजेडी के उम्मीदवार उतारने के बाद अब पप्पू यादव कांग्रेस से आस लगाए बैठे हैं। उन्होंने दोहराया है कि दुनिया छोड़ देंगे लेकिन पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला अभी तक सामने नहीं आया है, ऐसे में कांग्रेस और पप्पू यादव के सामने क्या विकल्प बचते हैं?

आरजेडी का टिकट फाइनल होने के बाद भी पप्पू यादव का जिस तरह का रुख नजर आ रहा है, उससे लगता है कि पूर्णिया सीट पर आरजेडी और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने आ जाएंगे। गठबंधनों के इतिहास में फ्रेंडली फाइट कोई नई बात भी नहीं है। पहले भी कई बार दो गठबंधन सहयोगी किसी सीट विशेष पर आमने-सामने नजर आ चुके हैं जिसे लेकर बात नहीं बन सकी हो। पप्पू यादव के लिए आरजेडी मधेपुरा सीट दे सकती है। पप्पू यादव पहले भी मधेपुरा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और उन्होंने यह कहा था कि लालू ने उनके सामने अपनी पार्टी का आरजेडी में विलय करने की शर्त रखते हुए मधेपुरा से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा था।

ऐसा भी है कि कांग्रेस लालू यादव के सामने अगर सरेंडर करती है तो पप्पू अपनी राह अलग कर लें। पप्पू 1991 और 1999 की तर्ज पर पूर्णिया सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर जाएं या फिर जिस तरह 1996 में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था, कुछ वैसा ही इस बार करें और किसी कम बेस वाली पार्टी का दामन थाम कर चुनाव लड़ सकते हैं। अपनी जन अधिकार पार्टी का वह कांग्रेस में विलय कर चुके हैं, ऐसे में उनके पास असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसी पार्टियों के विकल्प भी हैं जो न तो इंडिया ब्लॉक में शामिल हैं और ना ही एनडीए का हिस्सा हैं।

अब पप्पू के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ

लालू-तेजस्वी से पप्पू यादव की मुलाकात को आरजेडी की सहमति के तौर देखा गया बीमा भारती की सीन में एंट्री के साथ ही तस्वीर बदल गई। बीमा ने आरजेडी में आते ही कहा भी कि लालू यादव का निर्देश हुआ तो पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। तभी से यह चर्चा भी शुरू हो गई थी कि आरजेडी कहीं पप्पू यादव को कीर्ति आजाद न बना दे । कीर्ति आजाद 2019 के चुनाव से ठीक पहले दरभंगा सीट से टिकट की शर्त पर कांग्रेस में आए थे लेकिन इस सीट से गठबंधन में आरजेडी ने अपना उम्मीदवार उतार दिया था। अब पप्पू यादव के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ है।

मेरे पास इतना पैसा नहीं की चुनाव लड़ सकूं... इसलिए मना किया : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टिकट नहीं मिला है। इतना ही नहीं खुद निर्मला ने भी साफ कर दिया है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में नहीं लड़ेंगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि उन्हें तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया गया था। उन्होंने बताया कि पार्टी ने मुझसे पूछा था लेकिन कई हफ्तों के विचार के बाद मैंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुझसे पूछा था कि वे दक्षिण में आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती है। मगर उन्होंने खुद ही इसके लिए मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है, इसकारण मैंने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने भी मेरी परेशानी समझी, जिसके मैं पार्टी की आभारी हूं। उन्होंने बताया की उनके पास अधिक धन नहीं है, क्योंकि मेरा वेतन, मेरी कमाई और मेरी बचत मेरी है, भारत की संचित निधि नहीं। उन्होंने बताया कि मैंने भाजपा के प्रस्ताव को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी ''उस तरह का धन नहीं हैं। मुझे यह भी समस्या है कि आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु। जीतने लायक विभिन्न मानदंडों का भी सवाल है... आप इस समुदाय से हैं या आप उस धर्म से हैं? मैंने नहीं कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं।''

देश में 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव होने वाले है, यह देखकर निर्मला सीतारमण उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। बता दें कि पार्टी ने कई राज्यसभा सदस्यों को मैदान में उतारा है, जिसमें पीयूष गोयल, भूपेन्द्र यादव, राजीव चन्द्रशेखर, मनसुख मांडविया और ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम शामिल हैं। निर्मला सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा की सदस्य हैं।

सोनम वांगचुक का ऐलान, चीन से लगाती सीमा पर सात अप्रैल को होगा मार्च

श्रीनगर । लेह एपेक्स बॉडी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा सात अप्रैल को चीन की सीमा पर मार्च की घोषणा के बाद गुरुवार को लद्दाख में आंदोलन तेज हो गया। वांगचुक ने पर्यावरण और क्षेत्र के लोगों के हितों की रक्षा के लिए सीमा पर मार्च करने के फैसले को विरोध का गांधीवादी तरीका बताया है। गौरतलब है कि लेह एपेक्स बॉडी लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए क्षेत्र को संविधान की 6वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आंदोलनरत है। लेह एपेक्स बॉडी की ओर से कहा गया कि इसके बाद महिलाओं, युवाओं, धार्मिक नेताओं और बुजुर्गों द्वारा भूख हड़ताल की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी। सात अप्रैल का विरोध मार्च चांगथांग तक ले जाने का प्रस्ताव है, जिसकी सीमा चीन से लगती है। नेताओं ने कहा, यह गांधी जी की दांडी यात्रा की तरह होगा। वांगचुक ने आरोप लगाया है कि पश्मीना ऊन के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध चांगथांग चरागाहों को अपने जानवरों को बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उद्योगपतियों ने अपने संयंत्र स्थापित करने के लिए 20 हजार एकड़ से अधिक चरागाह भूमि ले ली है।

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी का लंदन वाला फ्लेट होगा नीलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को एक बार फिर झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने उनके लग्जरी फ्लैट को बेचने की मंजूरी दी है। फिलहाल ये फ्लैट नीरव के फैमिली ट्रस्ट की कस्टडी में है। फ्लैट की बिक्री से 52.5 लाख पाउंड यानी लगभग 55 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। यह फ्लैट सेंट्रल लंदन के मैरीलबोन इलाके में है। फ्लैट पर फिलहाल ट्राइडेंट ट्रस्ट कंपनी (सिंगापुर) की दावेदारी भी है। यह कंपनी फ्लैट की बिक्री में मुख्य दावेदार है। इसके बाद ईडी ने अदालत में याचिका दायर कर नीरव मोदी के फ्लैट को बेचने का अनुरोध किया था।

इस मामले में ईडी की ओर से पेश बैरिस्टर हरीश साल्वे ने कोर्ट को बताया कि वह लाभार्थी (भारत सरकार) के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लैट की बिक्री के लिए सहमत हुए हैं। ईडी का कहना है कि इस फ्लैट की बिक्री से मिलने वाली राशि से पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कर्ज को अदा किया जाएगा।जज ब्राइटवेल ने कहा कि ये कोई सामान्य मामला नहीं है। मुझे लगता है कि इस प्रॉपर्टी को 52.5 लाख पाउंड तक में बेचने की मंजूरी देने का फैसला सही है। दिसंबर 2017 में नीरव मोदी ने ये फ्लैट एक ट्रस्ट के नाम कर दिया था। ये ट्रस्ट नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी और उनके परिवार का है।4079 वर्गमीटर में फैला ये अपार्टमेंट बेकर स्ट्रीट स्टेशन के पास ही है। कानूनी तौर पर इस फ्लैट पर मालिकाना हक नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी का है। लेकिन ईडी ने कोर्ट को बताया कि इसके बावजूद इसका असल लाभार्थी नीरव मोदी ही है। बता दें कि इस दौरान अदालती सुनवाई में नीरव मोदी थेमसाइड जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

बदरुद्दीन अजमल का दावा, माहौल बीजेपी के खिलाफ, धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे

दिसपुर (एजेंसी)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से हाथ नहीं मिलाएगी। हालांकि, एआईडीयूएफ नेता ने कहा कि वे उन सभी तीन सीटों पर जीत हासिल करेंगे, जिन पर वे चुनाव लड़ रहे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया ब्लॉक में मचे घमासान से निराश बदरुद्दीन ने कहा कि अगर पार्टियां बरकरार रहतीं तो कुछ उम्मीद की जा सकती थी, लेकिन ये सभी लड़कर एकतरफा तौर पर बीजेपी को फायदा पहुंचा रहे हैं। बदरुद्दीन ने कहा कि एआईयूडीएफ तीनों सीटें जीतेगी। हम बीजेपी-एनडीए के साथ सरकार नहीं बना सकते। इसलिए हम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गुट एक साथ होता तो कुछ उम्मीद हो सकती थी लेकिन ये सभी अलग-अलग लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी और

तृणमूल कांग्रेस दो बड़ी पार्टियां हैं जो बिल्कुल अलग-अलग लड़ रही हैं। इससे बीजेपी को फायदा होगा। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भाजपा को भारी नुकसान होगा। एआईयूडीएफ नेता ने कहा कि मैं और कुछ नहीं कहना चाहूँगा; वे हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे, लेकिन माहौल बीजेपी के खिलाफ जा रहा है। लोगों को 15 लाख रुपये की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दो करोड़ नौकरियां नहीं मिलीं। युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि जिस युवा ने भाजपा को सत्ता में पहुंचाया वही युवा आज उनसे नाराज है। हमें जमीन की जानकारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बीजेपी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने दावा किया कि वे संविधान बदलने की सोच रहे हैं जिसके लिए उन्हें 400 से अधिक सीटें चाहिए, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि चीजें बीजेपी के पक्ष में नहीं जा रही हैं... यह बहुत मुश्किल है (बीजेपी को 370 हासिल करना) क्योंकि उन्होंने इस बार कुछ नहीं किया है।% हम भी बिजनेस करते हैं और हमें डर है कि अगर हम कुछ बोलेंगे तो वो हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे... दूसरी बड़ी बात ये है कि वो संविधान बदल देंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें 400 प्लस की जरूरत है जो कि बनी हुई है. उनके लिए सपना जो पूरा नहीं होगा. अगर भारत गठबंधन के भीतर पार्टियां एक साथ लड़ने के लिए सहमत होतीं, तो चीजें अलग होतीं, लेकिन अब इससे बीजेपी को फायदा होगा।

राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार पर निगरानी रख रहे आईटी एक्सपर्ट

-आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने बनाए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश की हर राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार अपने-अपने लेवल पर टीवी, अखबार और सोशल मीडिया के माध्यम से धुआंधार चुनाव प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया के इसी माध्यम से राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले प्रचार और खर्चों की निगरानी करना भी चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए आयोग ने इस बार बड़े सख्त कदम उठा रहा है। एक समय था जब चुनावों के दौरान झंडे, पोस्टर, बिल्ले के साथ-साथ सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों में कार, रिक्शा और ऑटो समेत अन्य गाड़ियों में लाउडस्पीकर लगाकर विभिन्न राजनीतिक पार्टियां और उम्मीदवार अपने-अपने चुनावी चिह्न लगे झंडों के साथ प्रचार करते थे। डिजिटल युग में तेजी से बदलते समय में जहां इन तरीके से किए जाने वाले चुनाव प्रचार को थोड़ा कम किया है, वहीं इसकी जगह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म तेजी से लेता जा रहा है। चुनाव आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने के लिए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम बनाए हैं। इनमें ना केवल सोशल मीडिया प्लैटफार्म बल्कि वेब कास्टिंग, टीवी, सी-विजिल के अलावा पीजी सेल पर निगरानी करने के अलावा यहां मिलने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए भी काम किया जा रहा है। इस बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी कहा था कि हर जिले और राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से सोशल मीडिया समेत अन्य तमाम चुनाव प्रचार करने और आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखी जाएगी। आयोग का कहना है कि इन कंट्रोल रूम में बैठी आयोग की आईटी एक्सपर्ट टीम राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले चुनावी प्रचार की निगरानी कर रही है। राजनीतिक पार्टियां ज्यादातर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें उसी राज्य या क्षेत्र की भाषा में प्रचार की सामग्री तैयार करवाई जाती है। इसके लिए इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, एक्स, फेसबुक, एमएमएस, वट्सऐप, विशेष प्रचार के लिए बनाए जाने वाले ऐप, टीवी, पहले से रिकॉर्ड संदेश, एआई के जरिए भी प्रचार, स्नैपचैट, ई-मेल, वेबसाइट, टीवी पर आने वाली फिल्म, सीरियल समेत न्यूज या अन्य किसी कार्यक्रम के बीच में दिए जाने वाले चुनावी विज्ञापन के अलावा सोशल मीडिया के वह तमाम माध्यम से चुनावी प्रचार किया जाता है। अगर कोई राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार सोशल मीडिया के किसी भी माध्यम से चुनाव प्रचार करता है, तो उसे ऐसा करने से पहले अपने इलाके के संबंधित चुनाव अधिकारी से इसे दिखाकर इसकी इजाजत लेनी होती है। चुनाव अधिकारी के संतुष्ट होने के बाद ही राजनीतिक दल या उम्मीदवार सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का चुनाव प्रचार कर सकते हैं। अगर राजनीतिक पार्टी ऐसा नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में कार्रवाई की जा सकती है। सोशल मीडिया पर प्रचार करने के लिए जो भी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवार किसी टीम या स्टाफ को हायर करता है तो इसकी जानकारी और खर्चे का ब्यौरा समेत रील बनाने या अन्य प्रचार पर किए जाने वाले खर्चे की जानकारी भी चुनाव अधिकारी को बतानी होती है।

संयुक्त राष्ट्र और सेव द चिल्ड्रेन की रिपोर्ट से खुलासा

–इजराइल के लगातार हमले से गाजा के स्कूल पूरी तरह तबाह

–इस कार्रवाई का दुनिया के मुल्कों में हो रहा विरोध

जिनेवा। गाजा में हमास और इजराइल के बीच चले युद्ध की मार वहां की आवाम झेल रही है। इस युद्ध में अब तक हजारों मासूम लोगों की जान जा चुकी है और घर, अस्पताल, स्कूल सभी इजराइल द्वारा की गई बमबारी में तबाह हो चुके हैं। इजराइल की इस तरह की कार्रवाई का दुनिया के सभी मुल्कों में विरोध भी हुआ और हो रहा है लेकिन इजराइल गाजा पर अपना अधिकार जमाने की जिद नहीं छोड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि इजरायल की ओर से गाजा में की गई बमबारी से एन्क्लेव के 212 स्कूलों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। सेटेलाइट से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि गत 7 अक्टूबर को संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 53 स्कूल पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। साथ ही फरवरी 2024 के बीच हुए स्कूल पर हमलों में तकरीबन नौ फीसदी की बढोतरी हुई है। यह बात संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), एजुकेशन क्लस्टर, और सेव द चिल्ड्रेन की रिपोर्ट में कही गयी है। रिपोर्ट के ने कहा गया है कि इजराइल द्वारा स्कूलों पर हमलों ने गाजा में पहले से ही गंभीर मानवीय स्थिति को और बिगाड़ दिया है।गाजा पट्टी के ज्यादातर हिस्सों में हवा, जमीन और समुद्र से तीव्र इजरायली बमबारी से पता चलता है कि दक्षिणी खान यूनिस गवर्नरेट में 62 स्कूल, मध्य क्षेत्र गवर्नरेट में 14, गाजा गवर्नरेट में 94, और उत्तरी गाजा गवर्नरेट में 42 स्कूलों को सीधे निशाना बनाया गया। यह आज तक का सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र है, जिसमें 86.2 फीसदी स्कूल पूरी तरह तबाह हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अक्टूबर से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के राहत एवं कार्य एजेंसी द्वारा संचालित दो में से एक से अधिक स्कूलों को भी निशाना बनाया गया है। यही नहीं सरकारी इमारतों को भी इजरायली ने निशाना बनाया है। इजराइल द्वारा की जा रही बमबारी के चलते गाजा में छह महीने से शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ी है। सेटेलाइट से मिली तस्वीर और अन्य स्रोतों से पता चलता है कि संघर्ष शुरू होने के बाद से इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा गाजा के स्कूलों का सैन्य उपयोग किया जा रहा है।

नोबेल विजेता अर्थशास्त्री डेनियल काह्नमैन का निधन

जेरूसलम ।इजराइली-अमेरिकी संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक और अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता डैनियल काह्नमैन का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया।इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने कहा, हमने बेहद प्रतिभाशाली लोगों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि काह्नमैन के शोध ने मानवता के समझने के तरीके को बदल दिया है, हमें उन पर बहुत गर्व है।इजराइली राष्ट्रपति के हवाले से कहा,काह्नमैन की मौत के बाद भी मानवता की भलाई के लिए किए गए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। गौरतलब है कि अनिश्चित परिस्थितियों में निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए काह्नमैन को 2002 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। काह्नमैन यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रेशनलिटी के फेलो, विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सदस्य और कई प्रमुख अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर और शोधकर्ता थे।

ढाई दर्जन पाकिस्तानी सैनिको को मारकर बीएलए ने चीन को धमकाया

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी(बीएलए) ने तुर्बत में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े नौसैनिक हवाई स्टेशन पीएनएस सिद्दीकी को निशाना बनाकर 30 से ज?यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया और बलूचिस्तान में अपनी अवैध बस्तियों और परियोजनाओं पर चीन को चेतावनी दी। संगठन ने एक बयान में कहा कि उसकी मजीद ब्रिगेड ने बलूच नरसंहार के खिलाफ जवाबी कार्रवाई और क्षेत्र को चीनी कब्जे और शोषण से बचाने के लिए ऑपरेशन जिरपहाजग के पांचवें चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा, ऑपरेशन जिरपहाजग के पांचवें चरण में बलूच लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने कल रात (सोमवार) दस बजे सेना के कब्जे वाले नौसेना एयरबेस, पीएनएस सिद्दीकी पर हमला किया, सुबह तक दुश्मन से उलझते रहे और तीस से अधिक दुश्मन सैनिकों को मारकर ऑपरेशन का मकसद पूरा किया। यह बयान तब आया, जब इस्लामाबाद में स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि हमले में अर्धसैनिक बल का एक जवान मारा गया, जबकि पाकिस्तान की ओर से सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में सभी पांच हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आतंकवादियों ने तुर्बत में पीएनएस सिद्दीकी पर हमला करने का प्रयास किया और सैनिकों की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के कारण हमला नाकाम कर दिया गया।

श्रीलंका पर चीन फिर मेहरबान, अब कोलंबो एयरपोर्ट पर नजर

बीजिंग। श्रीलंकाई पीएम दिनेश गुणवर्धने ने बुधवार को कहा कि चीन ने बीजिंग में अपने समकक्ष के साथ बातचीत के बाद द्वीपीय राष्ट्र के रणनीतिक गहरे समुद्री बंदरगाह और राजधानी के हवाई अड्डे को विकसित करने का वादा किया है। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि बीजिंग 2.9 अरब डॉलर के विदेशी ऋण के पुनर्गठन में भी सहायता करेगा। हालांकि, ऋण पुनर्गठन पर बीजिंग की स्थिति सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन श्रीलंकाई अधिकारियों ने कहा है कि चीन अपने ऋणों पर कटौती ना कर उसका कार्यकाल बढ़ा सकता है और ब्याज दरों को भी समायोजित कर सकता है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने इन दिनों चीन की छह दिनों की यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की और कुल नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। गुणवर्धने के साथ अपनी बैठक में, चीनी राष्ट्रपति ने चीन और श्रीलंका के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने कहा है कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक चीन श्रीलंका के गहरे समुद्री बंदरगाह और कोलंबो हवाई अड्डे का पुनर्विकास करेगा। बता दें कि श्रीलंका के डिफॉल्टर होने के बाद से कोलंबो हवाई अड्डे के विकास के लिए जापानी-मदद रुका हुआ है, जिसे अब चीन पूरा करेगा। दूसरी तरफ, हंबनटोटा के दक्षिणी समुद्री बंदरगाह को 2017 में ही चीन को 1.12 अरब डॉलर में 99 साल की लीज पर सौंप दिया गया था। इससे भारत के साथ चीन की क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और सुरक्षा चिंताएं दोनों बढ़ गई हैं। भारत के साथ-साथ अमेरिका भी चिंतित हैं कि हंबनटोटा में चीनी पैर जमाने से हिंद महासागर में उसकी नौसैनिक ताकत बढ़ सकती है। हालांकि, श्रीलंका ने जोर देकर कहा है कि उसके बंदरगाहों का उपयोग किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन नई दिल्ली हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाजों को बुलाने पर आपत्ति जता चुका है। दरअसल, चीन हंबनटोटा बंदरगाह और कोलंबो एयरपोर्ट के विकास के बहाने पूरे हिन्द महासागर की जासूसी करना और उस पर सामरिक वर्चस्व स्थापित करना चाह रहा है, जो भारत-अमेरिका समेत अन्य एशियाई देशों के लिए भी चिंता की बात है।

ब्रिज से क्यों और कैसे टकराई थी कार्गो शिप, गवर्नर ने किया खुलासा

– जहाज में बिजली संबंधी चुनौतियां थीं, इसके चलते अलर्ट कॉल किया था

वॉशिंगटन।अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में पुल से जहाज टकराने के हादसे को लेकर नई जानकारी सामने आई है।मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने बताया कि यह दस्तावेजित किया गया है कि जहाज में बिजली संबंधी चुनौतियां थीं। इसके चलते अलर्ट कॉल किया था। एक मीडिया से चर्चा के दौरान गवर्नर वेस मूर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अलर्ट कॉल का आह्वान बिजली की समस्याओं और जहाज को चलाने की क्षमता की कमी के कारण आया था। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम अभी भी जांच कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ था और हमारे पास इस बात का कोई जवाब फिलहाल नहीं है कि जहाज में पॉवर सप्लाई संबंधित समस्याएं क्यों थीं। हम जो बात जानते हैं वह यह है कि हमने दस्तावेजीकरण किया है कि जहाज में बिजली संबंधित चुनौतियां थीं। आगे इस बात पर जोर देते हुए कि गवर्नर मूर ने ब्रिज के ढहने की घटना को वैश्विक संकट बताया है। गवर्नर वेस मूर ने कहा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और दुनिया की अर्थव्यवस्था बाल्टीमोर के बंदरगाह पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि यह बंदरगाह देश के किसी भी अन्य बंदरगाह की तुलना में अधिक कारों और अधिक कृषि उपकरणों को संभालता है।

रुस में फायर व रेस्क्यू कालेज के कैडेटस एक अस्थायी रुप से बने स्मारक के सामने खड़े नजर आ रहे। यह स्मारक कंसर्ट में हुए आतंकी हमले में मारे गये लोगों का है।

सेनेगल के राष्ट्रपति होंगे डायोमाये फे, जीता चुनाव

–फेय को अप्रैल 2023 में कैद कर लिया गया था

डैकर। सेनेगल विपक्षी गठबंधन डायोमाये प्रेसिडेंट की ओर से चुनाव लड़ रहे बस्सिरौ डायोमाये फे ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। श्री फेय ने कुल 2,434,751 वोट हासिल किए, जो कुल वोटों का 54.28 प्रतिशत है। मतदान प्रतिशत 61.30 प्रतिशत है। सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमादौ बा 35.79 फीसदी वोटों से हार गए। श्री फेय का जन्म डैकर से 115 किमी पूर्व में स्थित नदिआगनियाओ में हुआ था। उन्होंने डैकर में शेख अंता डिओप विश्वविद्यालय से कानून में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने 2004 में नेशनल स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और स्नातक की पढ़ाई के बाद कर निरीक्षक बन गए थे।उन्होंने सेनेगल फॉर वर्क, एथिक्स एंड फेटरनिटी (पीएएसटीईएफ) पार्टी के अफ्रीकी पैट्रियट्स के महासचिव के रूप में कार्य किया, जिसे जुलाई 2023 में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा भंग कर दिया गया था। फेय को अप्रैल 2023 में कैद कर लिया गया था बाद में निवर्तमान राष्ट्रपति मैकी सॉल के माफी कानून लागू करने के बाद 14 मार्च को रिहा कर दिया गया था।

कर्ज में डूबा मालदीव, पड़ गए तेवर ढीले, राहत के लिए भारत आएंगे मुइज्जू?

माले (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति के टेबल पर जैसे ही कर्ज वाली फाइल पहुंची वैसे ही मुइज्जू की अकड़ ढीली हो गई और बैठकों का दौर शुरू हो गया। मालदीव को एक बार फिर से भारत के साथ संबंधों को सुधारणा है। मालदीव की मौजूदा सरकार अब इस दिशा में काम कर रही है कि कैसे भारत के साथ अपने संबंधों को फिर से ठीक किया जाए। भारत का बकाया मालदीव को समय रहते चुकाना है। वरना कर्ज का बोझ बढ़ता ही चला जाएगा। मालदीव के पास कर्ज वाली फाइल पहुंची तो मुइज्जू ये देख कर हैरान हो गए कि इस कर्ज को चुकाएंगे कैसे? इन सब के बीच पूर्व राष्ट्रपति की तरफ से मोहम्मद मुइज्जू के लिए सलाह भी पहुंच गई। मुइज्जू के लिए पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह ने कहा कि उन्हें अपनी जिद छोड़कर आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए पड़ोसी भारत से बात करनी चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम की टिप्पणी ऐसे वक्त में आई जब मुइज्जू को दुनियाभर में चीन समर्थक नेता के तौर पर देखा जा रहा है। वो चीन से भारी भरकम कर्ज लेने की तैयारी में हैं। इब्राहिम मोहम्मद सोलेह ने भारत से मालदीव को कुछ कर्ज चुकाने किए राहत देने की अपील भी की है। सोलेह ने आगे कहा कि मैंने मीडिया रिपोर्ट में देखा है जिससे पता चलता है कि

मुइज्जू कर्ज की रिस्ट्रक्चरिंग के लिए भारत से बात करना चाहते हैं। भारत विरोधी बयानबाजी के बाद मालदीव के प्रेजिडेंट मोहम्मद मुइज्जू का नरम रुख सामने आया है। उन्होंने अचानक अपने तेवर बदलते हुए कहा कि भारत मालदीव का निकटतम सहयोगी बना रहेगा। एक न्यूज पोर्टल के साथ इंटरव्यू में मुइज्जू ने भारत से कर्ज में राहत की मांग की। पिछले साल के अंत तक मालदीव पर भारत का करीब 400.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया था। पिछले साल नवंबर में प्रेजिडेंट पद की शपथ लेने के बाद से चीन समर्थक मुइज्जू ने भारत के प्रति सख्त रुख अपनाया है। खासकर, इस दौरान वह भारतीय सैन्य कर्मियों को उनके देश से भारत वापस भेजने को लेकर काफी सख्त दिखे हैं। हमें जो स्थितियां विरासत में मिली हैं, वे ऐसी हैं कि भारत से बहुत बड़ा कर्ज लिया गया है। हम इन कर्ज की वापसी में उदारता चाहते हैं। मुझे मालदीव-भारत संबंधों पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव का कोई कारण नहीं दिखता।

शहबाज की गलती पर जिनपिंग ने ये क्या कर दिया, पूरे पाकिस्तान को मिलेगी सजा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन का पाकिस्तान से नाराज होना और पाकिस्तान सरकार का डर दोनों जायज है। पिछले कुछ वर्षों में बार-बार चीन के नागरिकों को आतंकियों ने निशाना बनाया। कई चीनी नागरिकों की जान भी गई। लेकिन इस तरह के हमलों को रोकने में पाकिस्तान हमेशा नाकाम रहा है। पाकिस्तान काफी हद तक चीन पर निर्भर है। ऐसे में चीन ये बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा कि मदद के बदले में उसे अपनी नागरिकों की जान गंवानी पड़े। ताजा आतंकी हमले में अपने पांच नागरिकों की जान जाने से चीन गुस्से में है। चीन की तरफ से कहा गया है कि पाकिस्तान इस आत्मघाती हमले की जांच करे और दोषियों को सख्त से सख्ता सजा दे। चीनी इंजीनियरों की गाड़ी पर हमले के बाद शहबाज शरीफ इस कदर घबरा गए कि हमले के कुछ ही घंटे के बाद अपनी पूरी कैबिनेट के साथ चीनी दूतावास पहुंच गए। पाकिस्तान चीन के साथ अपनी दोस्ती को हिमालय से ऊंचा और समुद्र से गहरा बताता है। लेकिन डर की वजह से प्रधानमंत्री प्रोटोकॉल तोड़ते हुए खुद ही चीन के राजदूत से मिलने चले जाते हैं। शहबाज शरीफ की इतनी हिम्मत भी नहीं हुई कि वो चीनी राजदूत से आंखे मिलाकर बात कर पाए। पूरे वक्त वो डरे सहमे नजर आए। वहीं ऐसी अटकलें लग रही हैं कि बीजिंग इस्लामाबाद पर सीपीईसी परियोजनाओं की सुरक्षा के लिए अपनी सुरक्षा एजेंसियों को तैनात करने के लिए दबाव डाल सकता है। पाकिस्तान सरकार भले ही चीन के साथ दोस्ती निभा रही हो। लेकिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इसके जैसे दूसरे संगठनों को चीनी नागरिक देश में मंजूर नहीं हैं। इसलिए पिछले करीब पांच वर्षों से बार-बार चीनी नागरिकों पर हमले की घटनाएं सामने आई है। चीनी नागरिकों पर हमले करने में सबसे आगे बीएलए है। साल 2021 में भी एक बड़ा हमला हुआ था। पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई।

मलेशिया में अल्लाह मोजे स्कैंडल को लेकर बवाल

कुआलालंपुर। मुस्लिम बहुल देश मलेशिया में अल्लाह मोजे स्कैंडल को लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल, मलेशिया के एक सुपरमार्केट में बिक रहे मोजे पर अरबी में अल्लाह लिखा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लाह लिखे हुए मोजे की पांच जोड़ी की बिक्री हुई है। घटना के सामने आने के बाद से मलेशिया के एक खास समुदाय में आक्रोश है। मामले को लेकर मलेशिया के एक नेता को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। वहीं, सुपरमार्केट की एक ब्रांच पर पेट्रोल बम से हमला करने का प्रयास हुआ है। जिसके बाद मलेशिया के किंग सुल्तान इब्राहिम ने विवाद का फायदा उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मामले के सामने के बाद मलेशिया के किंग ने सभी राजनीतिक पार्टियों से आह्वान किया है कि वे अल्लाह शब्द वाले मोजों की बिक्री पर जारी विवाद का फायदा उठाना बंद करें।

‘नेपाल-भारत अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन’ का आगाज

–वैश्विक मंच से दुनिया में फैलाएंगे संस्कृत भाषा का ज्ञान

काठमांडू (एजेंसी)। तीन दिवसीय ''नेपाल-भारत अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन'' में नेपाल और भारत के विद्वान प्राचीन भाषा का प्रकाश पूरी दुनिया में फैलाने जा रहे हैं। दोनों देशों के संस्कृत विद्वान महात्मय और ज्ञान से दुनिया को अवगत कराएंगे। एक ही मंच से ज्ञान, अनुभव और शोध निष्कर्षों को साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य संस्कृत में वैश्विक रुचि पर चर्चा करना और दोनों देशों के सांस्कृतिक और शिक्षा क्षेत्रों पर संस्कृत भाषा के प्रभावों का पता लगाना है। नेपाल के ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री शक्ति बस्नेत ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा ज्ञान और विज्ञान के मामले में समृद्ध है, इसलिए इसके लाभों को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करने के लिए नेपाल और भारत के बीच सहयोग को तेज करने की जरुरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेपाल और भारत की साझा संपत्ति के रूप में संस्कृत भाषा को संरक्षित और बढ़ावा देने से दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय के कुलपति श्रीनिवास बरखेड़ी ने कहा कि विज्ञान और प्राचीन ज्ञान की भाषा होने के नाते संस्कृत न केवल दो दक्षिण एशियाई पड़ोसियों को एक सूत्र में बांध सकती है, बल्कि भारत और नेपाल दोनों को वैश्विक शक्ति में बदल सकती है। भारत और नेपाल दोनों ही देशों में हिंदू समाज और संस्कृति का प्रभाव है। हिंदुओं के धार्मिक ग्रंथों में इसी प्राचीन भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

मुश्किल वक्त में दुनिया की मदद करने और भारत की दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र कायल

–संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भारतीय कमल किशोर को बनाया आपदा जोखिम प्रतिनिधि

जेनेवा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक संकटों के समय दुनिया की मदद की है, उसकी इस दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र भी कायल हो गया है। फिर चाहे बात कोरोना की वैक्सीन मुफ्त में देने की हो या फिर तुर्की में आए भूकंप और चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-हमास युद्ध पीड़ितों को मदद पहुंचाने की बात हो भारत ने हमेशा ही मानवीयता को सर्वोपरि रखा है।

भारत आज से ही नहीं सालों से हमेशा से ही दुनिया में आई आपदों में दूसरे देशों की मदद करता रहा है। उसकी छवि दुनिया में मुश्किलों के सबसे बड़े मददगार के तौर पर उभरी है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक संकटों के समय जिस तेजी के साथ दुनिया की

मदद करने में हमेशा आगे रहने का साहस दिखाया है, उसकी इस दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र भी कायल हो गया है। भारत ने हमेशा मानवीयता को सर्वोपरि रखा है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र का भी भरोसा भारत पर बढ़ा है।

इन्ही सबको ध्यान में रखते हुए भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के एक उच्च अधिकारी को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है। महासचिव के प्रवक्ता ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि कमल किशोर को 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय' (यूएनडीआरआर) में महासचिव का सहायक और विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। एनडीएमए में किशोर जिस पद पर हैं वह भारत सरकार के सचिव स्तर का है।

किशोर ने जी20 कार्य समूह का नेतृत्व किया

भारत के जी20 का अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान किशोर ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी20 कार्य समूह का नेतृत्व किया था। उन्होंने 2019 में जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन के विकास में भी योगदान दिया था। एनडीएमए में शामिल होने से पहले, किशोर ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के लिए जिनेवा, दिल्ली और न्यूयॉर्क में 13 साल काम किया। किशोर ने 'मास्टर ऑफ साइंस' और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की से वास्तुकला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

पानी की एक एक बूंद के लिए हैरान मालदीव, कभी भारत बना था संकटमोचक

माले (एजेंसी)। भारत ने मालदीव की कई बार मदद की है। 2014 में जब पानी का संकट गहराया तो भारत ने संकटमोचक बनकर मालदीव में ऑपरेशन नीर चलाकर पानी उपलब्ध कराया था। कई बार इस तरह से भारत मदद करता रहा है। मालदीव का ज्यादातर हिस्सा मूंगा चट्टानों और रेतीली चट्टानों से बना हैं। समुद्र के खारे पानी से घिरा मालदीव अक्सर जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल और मीठे पानी की अत्यधिक कमी का सामना करता रहता है। दिसंबर 2014 में, माले जल और सीवरेज कंपनी परिसर में भीषण आग लगने के बाद मालदीव में गंभीर जल संकट आ गया था। तब भारत ने मालदीव में ऑपरेशन नीर चलाया था। भारतीय विमानों ने 375 टन पीने का पानी पहुंचाया, दो भारतीय जहाजों, आईएनएस दीपक और आईएनएस शुकन्या ने लगभग 2,000 टन पानी पहुंचाया। इससे मालदीव के लोगों बड़ी राहत मिली थी।

अब मालदीव ने भारत से पंगा ले लिया तो मदद के लिए चीन में शरण में पहुंच गया।राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सरकार के गिड़गिड़ाने पर जिनपिंग ने राहत के दरवाजे खोले। चीन की सरकार ने मालदीव को 1500 टन पीने योग्य पानी दान किया है। यह पानी चीन को तिब्बत के ग्लेशियरों से जमा किया हुआ था।मालदीव में पानी की भारी कमी को दूर करने के लिए चीन की शी जिनपिंग सरकार ने तिब्बत में ग्लेशियरों से प्राप्त 1500 टन पीने का पानी दान किया है। यह दान मालदीव को चीन के चल रहे समर्थन के हिस्से के रूप में आया है।

नवंबर 2023 में मालदीव के राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद मालदीव ने भारत से पंगा लेकर चीन से दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाए थे।मालदीव के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जानकारी दी कि पीने के पानी की खेप सफलतापूर्वक उस तक पहुंच गई है। मालदीव के मुताबिक, चीन का यह फैसला तिब्बत में चीनी प्रतिनिधि और अध्यक्ष यान जिनहाई की माले यात्रा के दौरान चर्चा का परिणाम है। उस वक्त जल संकट में मालदीव की तरफ से मदद का आह्वान किया गया था।मालदीव को चीन की ओर से मदद का यह पहला मामला नहीं है। साल की शुरुआत में जब भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद भारतीयों ने मालदीव जाने का बहिष्कार करना शुरू किया था तो पर्यटन पर निर्भर मालदीव को चीन से मदद मांगनी पड़ी थी। मालदीव ने चीन की सरकार से मांग की थी कि वे अपने लोगों से मालदीव की यात्रा करने के लिए कहें। इसी साल मार्च में मालदीव ने चीन के साथ सैन्य समझौता किया था। जिसमें चीन की सेना मालदीव को सैन्य उपकरणों की ट्रेनिंग देगी।

Titanic में रोज की जान बचाने वाला दरवाजा 5.83 करोड़ में हुआ नीलाम

फिल्म 'टाइटैनिक' को आए कई साल बीत चुके है। लेकिन आज भी ये लोग इसे उतना ही पसंद करते हैं। इस फिल्म को पसंद करने के लोगों के पास कई कारण हैं। किसी को इसमें दिखाई गई लव स्टोरी पसंद है तो किसी को इसका दिल तोड़ देने वाला अंत पसंद आता है। इसके एक्टर्स की फैन फॉलोइंग की बात की जाए तो उसकी कोई लिमिट ही नहीं। लियोनार्डो डिकैप्रियो और केट विंसलेट की लव स्टोरी में वो दरवाजा काफी चर्चा में रहा है, जिसके कारण रोज की जान बची थी। अब इस दरवाजे को नीलाम कर दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिस दरवाजे ने रोज की जान बचाई थी उसे ही जैक के दुखद निधन का कारण भी माना जाता है। हाल ही में एक नीलामी में वो दरवाजा 718,750 डॉलर में बिका है। इसके अलावा जो ड्रेस केट विंसलेट ने पहनी थी उसे भी इस नीलामी ने 125,000 डॉलर में नीलाम हुई। आपको बता दें कि फिल्म को देखने पर लोगों को लगा था कि वो दरवाजा महज एक लकड़ी का पैनल था, जबकि हेरिटेज ऑक्शन्स ट्रेजर्स ने स्पष्ट किया कि यह वास्तव में जहाज के फर्स्ट क्लास लाउंज के एंट्रेंस के ठीक ऊपर के दरवाजे के फ्रेम का हिस्सा है।

फिल्म में पहनी गई केट की शिफॉन ड्रेस भी इवेंट में 125,000 डॉलर में नीलाम हुई। बता दें कि जिस दरवाजे को नीलाम किया गया है, उसे लेकर सालों तक बहस चली। फिल्म के अंत में जैक की मौत पर काफी बहस होती रही है। फैंस हमेशा से कहते आए हैं कि जैक की जान बचाई जा सकती थी। दरअसल निर्देशक ने दोनों की तुलना लव स्टोरी को रोमियो-जूलियट से की थी। लोगों का कहना था कि उस दरवाजे पर रोज के साथ-साथ जैक भी जा सकता था और बच सकता था। इसे लेकर निर्देशक को अपना पक्ष भी रखना पड़ा था कि आखिर उन्होंने जैक की मौत क्यों दिखाई।

OTT पर इस दिन स्ट्रीम होगी आश्रम-4

एनिमल मूवी से बॉबी देओल ने फिल्मों में जोरदार वापसी की है। अब खबर है कि उनकी वेब सीरीज आश्रम के 3 सफल सीजन के बाद इसका सीजन 4 भी आने वाला है। आश्रम वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर मौजूद है और इसमें बॉबी देओल ने एक स्वयंभू गॉडमैन का रोल निभाया है, जो पॉवरफुल होने के साथ-साथ दुष्ट भी होता है। ये गॉडमैन भगवान, धर्म और आस्था के बहाने कई आपराधिक गतिविधियों का मास्टरमाइंड होता है।

बॉबी देओल की ये सीरीज लोगों ने काफी पसंद किया है और अब फैंस आश्रम 4 भी जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। आश्रम 4 का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है और इसमें बाबा निराला की वापसी का हिंट दिया गया है। हालांकि, उसके बाद से मेकर्स ने इसे लेकर कोई अपडेट नहीं दी। सीरीज में अहम रोल निभाने वाले चंदन रॉय सानियास ने एक बड़ा हिंट दिया है कि आश्रम 4 इसी साल रिलीज होगी। उन्होंने बताया कि आश्रम 4 की शूटिंग अभी थोड़ी बाकी है।

करीना, बोलीं- शाहरुख-काजोल वाली प्रेम कहानियां क्यों नहीं बनती

करीना कपूर आने वाले दिनों में क्रू में तब्बू और कृति सेनन के साथ नजर आने वाली है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। करीना बॉलीवुड के पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं, अब क्यों नहीं लोग लव-स्टोरी बनाते हैं। करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्रू की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में वे एक एयर होस्टेस की भूमिका में नजर आने वाली हैं। करीना अपनी आने वाली फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहीं हैं। हाल ही में अपने फिल्म के प्रमोशन के दौरान करीना पुराने दिनों को याद करती नजर आईं।

गीत दिमाग से नहीं दिल से सोचती थी

करीना कपूर ने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री की फिल्म जब वी मेट आज भी दर्शकों को बेहद पसंद है। करीना उस फिल्म में गीत के किरदार में नजर आई थीं। करीना कहती हैं, देखिए जब वी मेट जैसी फिल्में बार-बार नहीं बनती हैं। आज भी दर्शक गीत को याद करते हैं। गीत दिल से सोचती थी। वह किरदार सोशल मीडिया वाले युग से पहले का किरदार है।

मुंबई के हुक्का बार पर पकड़े गए मुनव्वर फारूकी

मुनव्वर फारूकी को मुंबई पुलिस ने एक हुक्का बार पर छापेमारी के दौरान हिरासत में लिया?। मुनव्वर का मेडिकल टेस्ट करवाया गया, जो पॉजिटिव निकला और उन पर एक्शन लिया गया। मुंबई पुलिस ने जानकारी दी कि मुनव्वर फारूकी को फिर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। मुनव्वर फारूकी अब एक नई मुश्किल में फंस गए। हाल ही मुंबई में एक हुक्का बार में हुई छापेमारी के दौरान मुंबई पुलिस ने मुनव्वर फारूकी को हिरासत में ले लिया। उनके साथ छह अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया था। घटना मंगलवार, 26 मार्च रात की है। हालांकि बाद में पूछताछ के बाद मुनव्वर फारूकी को छोड़ दिया गया। इसके कुछ देर बाद मुनव्वर फारूकी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एयरपोर्ट से तस्वीरें शेयर कीं। मुंबई पुलिस की सामाजिक सेवा शाखा ने एक टिप मिलने पर बोरा बाजार में सबलान हुक्का बार पर छापा मारा। था।

उर्वशी ने शादी के सवाल पर दिया ऐसा जवाब, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

बीते कुछ वक्त से चर्चा ऐसी चर्चा है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला क्रिकेटर ऋषभ पंत को डेट कर रही हैं. हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है. लेकिन साल 2022 में जब ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट हुआ तो उर्वशी रौतेला और उनकी मां क्रिकेटर का हालचाल लेने अस्पताल में पहुंची थी. जिसके बाद से एक्ट्रेस और ऋषभ पंत के रिश्ते को लेकर और भी तेज हो गई. इस बीच उर्वशी रौतेला ने उनके साथ अपनी शादी को लेकर प्रतिक्रिया दी है. हाल ही में जेएनयू एक्ट्रेस ने वेबसाइट से बातचीत की.

इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म के अलावा पर्सनल लाइफ के बारे में भी बताया है. उर्वशी रौतेला से सवाल किया गया कि वह ऋषभ पंत से कब शादी करेंगी. इस पर एक्ट्रेस ने थोड़ी देर खामोश होकर कहा- नो कमेंट्स. एक्ट्रेस के इस जवाब से साफ है कि उर्वशी ने अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखने का फैसला किया है.

आपको बता दें कि उर्वशी रौतेला इन दिनों फिल्म जे.एन.यू.~ जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी को लेकर चर्चा में हैं. वह इन दिनों अपनी इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं. इसके अलावा उर्वशी रौतेला अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3 में उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल,दलकीर सलमान, नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एनबीके109, सनी देओल और संजय दत्त के साथ बाप (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर एक्सपेंडेबल्स का रीमेक).

द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो के पहले एपिसोड में नजर आएंगे रणबीर कपूर

कपिल शर्मा अपनी टीम के साथ नेटफ्लिक्स पर लोगों का एंटरटेनमेंट करने के लिए आ गए हैं। इस शो के पहले एपिसोड का प्रोमो सामने आया है। जिसमें साफ हो गया है कि पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी बतौर गेस्ट नजर आएंगे।

इस दौरान इनकी लाइफ से जुड़े कई खुलासे भी होने वाले हैं। सामने आए प्रोमो में ही रणबीर कपूर के कई सीक्रेट खुल गए हैं, जो किसी और ने नहीं बल्कि उन्होंने खुद खोले हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो के पहले एपिसोड में आप रणबीर कपूर के कई खुलासे देखने वाले हैं। एक्टर ने इस शो के प्रोमो में रिवील किया कि वो अपनी मां की ज्वेलरी अपनी गर्लफ्रेंड्स को दे दिया करते थे। अब आखिर ये बात शुरू कैसे हुई, इसके बारे में आपको बताते हैं। दरअसल कपिल शर्मा कहते हैं कि रणबीर ने रिद्धिमा के कपड़े अपनी गर्लफ्रेंड्स को गिफ्ट किए हैं।

इस पर रिएक्ट करते हुए रणबीर झट से कहते हैं, मैंने तो गर्लफ्रेंड्स को मम्मी के गहने भी दे डाले। रणबीर का जवाब सुनते ही नीतू थोड़ा शॉक होती हैं और फिर हंसने लगती हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में एक बार फिर कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर की जोड़ी साथ मिलकर लोगों का एंटरटेनमेंट करेगी। लंबे वक्त के बाद दोनों इस शो में साथ आए हैं। साथ ही कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक भी लोगों का एंटरटेनमेंट करेंगे।

राजनीति में जाना चाहती है सारा अली

सारा अली खान इन दिनों लगातार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी दो मोस्ट अवेटेड फिल्में 'मर्डर मुबारक' और 'ऐ वतन मेरे वतन' रिलीज हो चुकी हैं। इसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिल रहा है। 'मर्डर मुबारक' उनकी पहली सस्पेंस थ्रिलर थी। इसके साथ ही 'ऐ वतन मेरे वतन' में उन्होंने उषा मेहता का रोल प्ले किया, जिसे लोगों से खूब प्यार मिला और उनकी एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया। इसी बीच अब उनकी राजनीति में एंट्री की चर्चा शुरू हो गई है। इस पर एक्ट्रेस का रिएक्शन भी सामने आया है। दरअसल, कंगना रनौत के मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद सारा अली खान का पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा था। इसमें उन्होंने राजनीति में जाने की दिलचस्पी दिखाई थी। ऐसे में 'मर्डर मुबारक' के प्रमोशन के दौरान सारा ने कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी से बात की थी। इस बातचीत के दौरान उनसे राजनीति में एंट्री को लेकर सवाल किया गया था कि आगे चलकर सारा राजनीति में शामिल होना चाहती हैं? तो इस पर उनकी ओर से हां में जवाब दिया गया। उन्होंने कहा कि हां वो जा सकती हैं।

रामायण में राम रणबीर की मां कौशल्या बनेंगी इंदिरा कृष्णन

नितेश तिवारी की रामायण में एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन राम की मां कौशल्या के रोल में होंगी। रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे और इंदिरा उनकी मां होंगी। इंदिरा कृष्णन ने रणबीर कपूर स्टारर एनिमल में उनकी सास का रोल प्ले किया था। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर दो बड़े अपडेट सामने आए हैं। जो एक्ट्रेस इस फिल्म में राम की माता कौशल्या का किरदार निभाएंगी, उनका नाम सामने आया है। साथ ही बताया जा रहा है कि रामायण दिवाली 2025 पर रिलीज हो सकती है, और इसे लेकर अप्रैल में ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जा सकती है। कहा जा रहा है कि पॉपुलर फिल्म और टीवी एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन रामायण में कौशल्या का किरदार निभाएंगी। फिलहाल इंदिरा कृष्णन टीवी शो ध्रुव तारा: समय सदी से परे में राजमाता दुर्गावती का रोल प्ले कर रही हैं।

एनिमल में निभाया था सास का रोल